सूर्योदय 6:31 सूर्यास्त 5:40

आज का तापमान

शिमला	11.0 न्यू	20.0 अधि
धर्मशाला	13.5 न्यू	22.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,123
निफ्टी	22,600

सोना 1,41,000 चांदी 1,94,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 25 अक्तूबर 2026 | 9 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 181, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग मामले में 11वां आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी, इंदौर। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग मामले में मुंबई और इंदौर क्राइम ब्रांच ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हरियाणा के सोनीपत निवासी प्रांजल ठाकरान (22) को गिरफ्तार किया है। आरोपित अपने भाई का इलाज कराने इंदौर आया था। पुलिस के अनुसार, उस पर फायरिंग की साजिश में शामिल होने और हथियार सप्लाई करने का आरोप है। गौरतलब है कि 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू में टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच से छह राउंड फायरिंग हुई थी। घटना में अभिनेता सुरक्षित रहे, जबकि उनके ड्राइवर और एक व्लॉगर घायल हो गए थे। इस मामले में प्रांजल की गिरफ्तारी के साथ अब तक 11 आरोपित पकड़े जा चुके हैं। पुलिस उससे पूछताछ कर अन्य आरोपितों से संपर्क और हथियारों की सप्लाई में उसकी भूमिका की जांच कर रही है।

मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा संदिग्ध अरेस्ट

एजेंसी, मुंबई। एंटी टेररिस्ट स्क्वाड मुंबई ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था। आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली हैं। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया। पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था।

कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन से जुड़े छह लोग गिरफ्तार

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पार से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बांदीपोरा और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बांदीपोरा-बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

केरलम के राज्यपाल ने लोकभवन में नॉनवेज पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और सीपीआईएम ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सौमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई थी।

जंतर-मंतर हिंसा से जुड़े आरोपों पर 29 को होगी सुप्रीम सुनवाई

प्रदर्शनकारियों का दावा- पेलेट गन चलाई, गवाह ऑनलाइन भी दे सकेंगे बयान

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की बनाई गई हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी 29 अक्तूबर को जंतर-मंतर हिंसा की सुनवाई करेगी। पैनल पेलेट गन के इस्तेमाल और महिला प्रदर्शनकारियों से बदसलूकी के आरोपों पर सबूत दर्ज करेगा। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि सुनवाई सुबह 11 बजे से शिक्षा सदन, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया में बने पैनल ऑफिस में होगी। हिंसा से प्रभावित लोग और आम लोग दोपहर 3 बजे तक शिकायत, प्रतिवेदन या सबूत जमा कर सकेंगे। इसके लिए वैध पहचान पत्र लाना जरूरी होगा।

बता दें कि रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय पैनल बनाया गया है। पैनल में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शालिंदर कौर, पूर्व सीबीआई निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड डीजीपी एलआर बिश्नोई शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह कमेटी गठित की थी। इन याचिकाओं में आंदोलन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ज्यादती के आरोप लगाए गए थे।

ज्यादा लोगों की भागीदारी और कमजोर स्थिति वाले गवाहों की सुरक्षा के लिए कमेटी ने ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। प्रभावित लोग, गवाह और दूसरे संबंधित पक्ष इस पोर्टल पर बयान, प्रतिवेदन और दस्तावेजी सबूत अपलोड कर सकते हैं। पहले जारी सार्वजनिक नोटिस में कहा गया था कि ऑनलाइन पोर्टल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने एचपीईसी को गवाहों को पूरी सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने उनकी पहचान गोपनीय रखने और उनके बयान व सबूतों को पूरी तरह गुप्त रखने को कहा है।



इन आरोपों पर होगी जांच

सुप्रीम कोर्ट की बनाई गई हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी पेलेट गन के इस्तेमाल, चुनिंदा लोगों को निशाना बनाकर हिंसा और महिला प्रदर्शनकारियों से बदसलूकी की जांच करेगी। दोनों पक्षों की ओर से जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामलों की भी जांच होगी। पहले अधिकारियों ने सुनवाई पहले दो दिन होने की बात कही थी। बाद में उन्होंने साफ किया कि 29 अक्तूबर को सिर्फ एक दिन की सुनवाई होगी।

20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हुई थी हिंसा

सीजेपी के नेतृत्व में 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च निकाला गया था। इस दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया था। कुछ छात्रों को संभावित पेलेट गन से लगी चोटों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। छात्रों का यह आंदोलन 20 जून को जंतर-मंतर से शुरू हुआ था। बाद में यह कई शहरों तक फैल गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद 25 जुलाई को छात्र आंदोलन खत्म कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने की राज्य वन्यजीव बोर्ड की 12वीं बैठक की अध्यक्षता, बंदरों का मांगा पंचायतवार डेटा

- वन्यजीव संरक्षण के साथ विकास परियोजनाओं को मंजूरी, सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मिलेगा बढ़ावा
- बनखंडी प्राणी उद्यान का निर्माण कार्य तेज करने के निर्देश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को शिमला में हिमाचल प्रदेश राज्य वन्यजीव बोर्ड की 12वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में औद्योगिक विकास, सीमावर्ती क्षेत्रों में सामरिक आधारभूत ढांचे, सड़क निर्माण, वन भूमि के उपयोग और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा के बाद मंजूरी प्रदान की गई।

बोर्ड ने कांगड़ा जिले के संसारपुर टैरेस औद्योगिक क्षेत्र में मैसर्स सीएमजी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड की औषधि निर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा लाहौल-स्पीति और किन्नौर में आईटीबीपी की सीमावर्ती चौकियों तथा सैन्य आधारभूत ढांचे के विकास के लिए वन भूमि हस्तांतरण के प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने वन्यजीव विंग से प्रदेश में बंदरों की संख्या का पंचायतवार आंकड़ा उपलब्ध करवाने को कहा। उन्होंने कांगड़ा जिले के देहरा स्थित निर्माणाधीन बनखंडी दुर्गेश अरण्य प्राणी उद्यान की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंडी जिले के शिकारी देवी वन्यजीव अभयारण्य में भुलाह-शिकारी देवी सड़क के विस्तार और उन्नयन के लिए 4.72 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली। बैठक में औद्योगिक इकाई के विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ाने से संबंधित प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। बैठक में मंडी जिले के सुकेत वन मंडल में कीरतपुर-मनाली फोरलेन के पुंग-भुवाणा टनल खंड पर सड़क दुर्घटनाओं में वन्यजीवों की मौत रोकने के उपायों पर भी चर्चा हुई। बैठक में राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, विधायक संजय अवस्थी, प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन्यजीव) आलोक प्रेम नगर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



वन्यजीव विरासत पर पोस्टकार्ड शृंखलाओं का विमोचन

मुख्यमंत्री ने वन्यजीव विंग और हिमाचल प्रदेश डाक परिमंडल द्वारा जारी 'हिमाचल्स वाइल्ड आइकॉन्स' तथा 'हिमाचल्स वाइल्ड हेरिटेज' पोस्टकार्ड श्रृंखलाओं का विमोचन किया। उन्होंने प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. संजय सूद की पुस्तक 'सिलेक्टिड प्रोसीजर्स फॉर एनालिसिस ऑफ फिजियो केमिकल टेस्ट्स इन वाटर सैंपल्स' का भी विमोचन किया।

धामी ने कथित वायरल ऑडियो प्रकरण का लिया संज्ञान, पीड़ित परिवार को सुरक्षा का दिया भरोसा

- दीक्षा से फोन पर बात कर सीएम ने एसएसपी को दिए निष्पक्ष जांच के निर्देश
- कथित ऑडियो में अभद्र भाषा और धमकी देने के आरोप

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह के भाई चमन सिंह और राजपाल सिंह से जुड़े कथित वायरल ऑडियो प्रकरण का संज्ञान लेते हुए शनिवार को पीड़ित बालकराम की बेटी दीक्षा से फोन पर बात की। मुख्यमंत्री ने परिवार को हरसंभव सहयोग और सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को मामले की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने दीक्षा से बातचीत के दौरान पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी व्यक्ति या परिवार को भय के माहौल में रहने के लिए मजबूर नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और उसे न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित ऑडियो को लेकर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उसमें चमन सिंह ने बालकराम, उनके परिवार और उनकी बेटियों के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के साथ धमकी दी है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में सीधे पीड़ित परिवार से संवाद कर सुरक्षा और न्याय का भरोसा दिलाया है। हालांकि, कथित ऑडियो में कही गई बातों और आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।



राहुल गांधी से रामलीला मैदान की रैली स्थगित करने की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली। व्यापारियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित कांग्रेस की रैली को स्थगित करते हुए 10 नवंबर के बाद आयोजित करने की मांग की है। सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने पत्र में कहा है कि धनतेरस, दीपावली एवं भैयादूज पर्व के इस मुख्य कारोबारी समय में रैली के कारण होने वाले ट्रैफिक डायवर्जन और पुलिस बैरिकेडिंग से दिल्ली का लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हो सकता है। दिल्ली के व्यापारी फिलहाल पूरे वर्ष के सबसे व्यस्त कारोबारी सीजन की तैयारियों में जुटे हैं। छह नवंबर को धनतेरस, 8 नवंबर को दीपावली और 10 नवंबर को भैया दूज का पर्व मनाया जाएगा। अमूमन लोग धनतेरस से सप्ताहभर पहले से ही खरीदारी शुरू कर देते हैं। अकेले धनतेरस पर ही दिल्ली में सोना-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, ऑटोमोबाइल, बर्तन, मिठाई और उपहारों समेत विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान रहता है, जो दिल्ली की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है।

दिवाली व्यापार का पीक सीजन: व्यापारियों ने कहा- धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के दौरान दिल्ली में लगभग 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा कारोबार होता है। पहले हुआ नुकसान: दावा किया गया कि रैलियों और रास्ते बंद होने से दिल्ली के व्यापारियों को अक्टूबर में पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।



फिलीपींस में 2 ट्रेनी विमान टकराए, 4 पायलटों की मौत

एजेंसी, मनीला। फिलीपींस में ट्रेनिंग के दौरान वायुसेना के दो विमान टकरा गए। हादसे में दोनों विमानों में सवार चारों पायलटों की मौत हो गई। हादसा शनिवार दोपहर 3:51 बजे मनीला के दक्षिण में लीपा शहर स्थित फर्नांडो एयर बेस के पास हुआ। दोनों एसएफ-260 विमान कम ऊंचाई पर उड़ रहे थे। एक विमान के टुकड़े सैन्यकर्मियों के बैरक के पास गिरे।

फिलीपीन वायुसेना ने एसएफ-260 विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी है। जांच पूरी होने तक ये विमान उड़ान नहीं भरेंगे। इस साल हवा में विमानों के टकराने का यह दुनिया का पांचवां बड़ा हादसा है। एसएफ-260 इटली में बने ट्रेनिंग विमान हैं। फिलीपींस ने 2010-11 के दौरान ऐसे 18 विमान इटली की कंपनी से खरीदे थे। इनका इस्तेमाल वायुसेना के पायलटों को उड़ान की ट्रेनिंग देने के लिए किया जाता है। फिलीपींस की सेना लंबे समय से अपने सैन्य साजो-सामान को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन इसके लिए जरूरी बजट जुटाना चुनौती रहा है। देश को वायुसेना के विमानों के साथ-साथ नौसेना और थलसेना की क्षमता भी बढ़ानी है।



आंध्र प्रदेश में सड़क निर्माण स्थल पर भीषण विस्फोट, शिक्षिका समेत 7 लोगों की मौत

एजेंसी, अमरावती। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शनिवार को सड़क निर्माण स्थल के पास हुए भीषण विस्फोट में सरकारी स्कूल की शिक्षिका समेत सात लोगों की मौत हो गई। हादसा अनंतगिरि मंडल के पिनाकोटा के पास हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि घटनास्थल पर मौजूद दो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, निर्माण स्थल पर चट्टानों को तोड़ने के लिए ब्लास्टिंग की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान वाहनों के पास आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। घटना में निर्माण कार्य से जुड़े मजदूरों के अलावा वहां से गुजर रही एक महिला शिक्षिका भी चपेट में आ गईं। मृतक शिक्षिका की पहचान विशाखापत्तनम के मधुरावाड़ा निवासी सुनीता के रूप में हुई है। अन्य मृतकों में वाहन चालक, सहायक, मशीन ऑपरेटर और निर्माण श्रमिक शामिल बताए जा रहे हैं। मृतकों में बिहार और असम के निवासी भी शामिल हैं। एक व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

प्रारंभिक रिपोर्टों में ईंधन स्थानांतरित करने के दौरान आग लगने, एलपीजी सिलेंडर तक आग पहुंचने और वाहनों की टक्कर जैसी अलग-अलग संभावनाएं सामने आई हैं। निर्माण स्थल पर जिलेटिन की छड़ों की मौजूदगी को देखते हुए उनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है। विस्फोट के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।



उपमुख्यमंत्री पवन ने दिए जांच के निर्देश

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए जिला कलेक्टर से जानकारी ली और विस्फोट के कारणों की गहन जांच के निर्देश दिए। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

चूरू में ट्रक से टकराई कार, एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

एजेंसी, चूरू। राजस्थान के चूरू जिले में ट्रक से कार की टक्कर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों और चालक की मौत हो गई। हादसे में सात माह की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। परिवार गोगामेड़ी में देवी के दर्शन करने जा रहा था। दुर्घटना की सूचना मिलते ही परिवार के गांव सोमसीसर सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार, चूरू जिले के तारानगर क्षेत्र के सोमसीसर गांव का एक परिवार हनुमानगढ़ जिले के गोगामेड़ी में दर्शन करने के लिए रवाना हुआ था। परिवार के सदस्य कार में सवार होकर अपनी धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। इसी दौरान सादुलपुर क्षेत्र में ददरेवा गांव के पास कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवारों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस दुर्घटना में कार सवार छह लोगों की जान चली गई।

तकनीक को जनहित, न्याय और युवाओं के भविष्य से जोड़ना जरूरी : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक की नई संभावनाओं को जनहित, न्याय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। साइबर सुरक्षा और फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशिक्षित मानव संसाधन को बढ़ावा देना समय की मांग है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में आयोजित 'टेकसंगम 2026' की विशेषताओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि एआई, साइबर फॉरेंसिक, क्वांटम तकनीक और डेटा प्रोटेक्शन पर केंद्रित यह आयोजन तकनीकी नवाचार को नागरिक सुरक्षा, प्रभावी न्याय व्यवस्था और डिजिटल विश्वास से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। 'टेकसंगम 2026' में वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के बीच संवाद से अनुसंधान, शिक्षा और उद्योग के सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आयोजन भारत को तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और विकसित भारत के संकल्प को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



सभी 75 जिलों में साइबर थाने

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में केवल दो साइबर थाने और दो फॉरेंसिक लैब थीं। वैज्ञानिक साक्ष्यों की कमी के कारण अपराधियों को कानून से बच निकलने का अवसर मिलता था और दोषसिद्धि दर 30 प्रतिशत से भी कम थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश सरकार ने साइबर सुरक्षा और वैज्ञानिक जांच की व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में काम किया। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में साइबर थाने हैं और प्रत्येक मंडल में फॉरेंसिक लैब स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

रोमांच लॉ पर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध, न्यूयॉर्क की ऐतिहासिक घोड़ागाड़ी परंपरा बचाने की मांग

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब के 18 वर्षीय युवक रोमांच महाजन की मौत के बाद न्यूयॉर्क में घोड़ागाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए पारित 'रोमांच लॉ' विवादों में घिर गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फैसले का विरोध करते हुए इसे न्यूयॉर्क की ऐतिहासिक परंपरा समाप्त करने वाला कदम बताया है। वहीं, घोड़ागाड़ी चालकों और मालिकों की यूनियन ने कानून को अदालत में चुनौती देने की तैयारी की है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि सेंट्रल पार्क की घोड़ागाड़ी सेवा एक सदी से अधिक समय से न्यूयॉर्क की पहचान रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि एक हादसे के कारण पूरी परंपरा क्यों खत्म की जा रही है। उनके मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करना प्रतिबंध लगाने से बेहतर विकल्प हो सकता है।

दूसरी ओर, कानून के समर्थकों का कहना है कि घोड़ागाड़ियों के संचालन से यात्रियों, पैदल चलने वालों और घोड़ों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। बढ़ते शहरी यातायात के बीच इस व्यवस्था को जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है।

घोड़ागाड़ी उद्योग से जुड़ी यूनियन ने प्रतिबंध से रोजगार और कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताई है। यूनियन का कहना है कि चालकों और मालिकों के निवेश तथा लाइसेंस के नुकसान की भरपाई के लिए उचित मुआवजे की व्यवस्था होनी चाहिए।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने प्रतिबंध का समर्थन करते हुए प्रभावित कर्मचारियों को प्रशिक्षण, रोजगार संबंधी सहायता और वैकल्पिक अवसर उपलब्ध करवाने की बात कही है।

गौरतलब है कि 17 जून 2026 को सेंट्रल पार्क में घोड़ागाड़ी से जुड़े हादसे में रोमांच महाजन की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रतिबंध की मांग तेज हुई। 22 अक्टूबर को न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल ने कानून को 40-7 से मंजूरी दी। इसके तहत 1 जून 2028 तक घोड़ागाड़ी संचालन समाप्त करने की योजना है। अब इस कानून को लेकर राजनीतिक विरोध और संभावित कानूनी चुनौती पर सबकी नजरें टिकी हैं।



निरीक्षण सीएम ने निर्माण कार्यों का लिया जायजा, अधिकारियों को समय पर काम पूरा करने के निर्देश

छठ से पहले चमकेगा मुनक नहर क्षेत्र: रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। छठ महापर्व को देखते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सिंगलपुर स्थित प्रेमबाड़ी पुल के पास मुनक नहर क्षेत्र में चल रहे विकास, सौंदर्यीकरण और छठ घाटों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी गंदगी और अव्यवस्थाओं के लिए पहचाने जाने वाले मुनक नहर क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि छठ महापर्व से पहले घाटों और उनसे जुड़ी सभी सुविधाओं का काम पूरा हो जाए, ताकि श्रद्धालु साफ-सुथरे वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने घाटों की दीवारों, रास्तों और आसपास के स्थलों की फिनिशिंग समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने दीवारों की पेंटिंग, निर्माण सामग्री और मलबे को हटाने तथा आवश्यक स्थानों पर रोशनी की समुचित व्यवस्था करने को कहा। छठ महापर्व के दौरान घाटों को आकर्षक बनाने के लिए लाइटिंग और झालरों की व्यवस्था पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों, सीढ़ियों और जल निकासी की व्यवस्था की जांच करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने पौधरोपण और हरित क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि पूरे इलाके की सुंदरता और उपलब्ध स्थान को ध्यान में रखकर लैंडस्केपिंग की जाए। पौधों की उचित व्यवस्था, आकर्षक डिजाइन और हरित पट्टियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को बेहतर डिजाइन तैयार कर उसके अनुसार काम करने के निर्देश दिए।



सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

रेखा गुप्ता ने कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों और फुटपाथों पर कचरा जमा होने या दुर्गंध फैलने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। कचरे के नियमित संग्रहण और उचित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि स्थानीय निवासियों को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान और जनआस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। सरकार की जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य प्राथमिकता से पूरे करने और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया 'पांगी एप्पल' ब्रांड

10 और 20 किलो के कार्टन पर किसानों को मिलेगा 50 प्रतिशत अनुदान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पांगी घाटी में प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित सेबों के लिए 'पांगी एप्पल' ब्रांड लॉन्च किया। इस पहल से चंबा जिले के दूरदराज जनजातीय क्षेत्र पांगी में पैदा होने वाले सेबों को अपनी विशिष्ट पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय उत्पादों के लिए अलग बाजार विकसित करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के अवसर भी मिलेंगे। प्रदेश सरकार 10 और 20 किलोग्राम क्षमता वाले विशेष कार्टन किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करवा रही है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित कर रही है। 'पांगी एप्पल' ब्रांड इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जिससे प्राकृतिक खेती से उत्पादित फलों को बाजार में अलग पहचान दिलाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पांगी उपमंडल को प्रदेश का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और यहां के लोगों के लिए आर्थिक विकास के नए अवसर उपलब्ध करवाना है।

उन्होंने कहा कि पांगी में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से किसानों को अपनी उपज की पहचान स्थापित करने का अवसर मिलेगा। ब्रांड के माध्यम से उपभोक्ताओं तक यह संदेश भी पहुंचेगा कि यहां उत्पादित सेब प्राकृतिक खेती पद्धति से तैयार किए जाते हैं। इससे स्थानीय उत्पादों के प्रति बाजार में रुचि बढ़ाने और किसानों को बेहतर विपणन व्यवस्था उपलब्ध करवाने में मदद मिल सकती है।

370 हेक्टेयर भूमि पर सेब की खेती : मुख्यमंत्री ने बताया कि पांगी घाटी में लगभग 370 हेक्टेयर भूमि पर सेब के एक लाख चार हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इस सीजन में करीब 550 मीट्रिक टन यानी लगभग 35 हजार पेटियां सेब उत्पादन होने की उम्मीद है। यह उत्पादन क्षेत्र की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेब यहां के किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन है और इसकी बेहतर बाजार व्यवस्था से स्थानीय परिवारों को लाभ मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि अब तक पांगी में उत्पादित सेबों को घाटी से बाहर भेजते समय कई बार 'कुल्लू एप्पल' या 'किन्नौर एप्पल' नाम वाले कार्टन में पैक करके बेचा जाता था। इससे पांगी के सेबों की अपनी अलग पहचान सामने नहीं आ पाती थी। इसी समस्या को दूर करने के लिए प्रदेश सरकार ने 'पांगी एप्पल' नाम से विशेष कार्टन तैयार करवाए हैं। इन कार्टन की क्षमता 10 और 20 किलोग्राम रखी गई है। किसानों को इनकी खरीद पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है, ताकि वे अपनी उपज को अलग ब्रांड के तहत बाजार तक पहुंचा सकें।

डॉ. राजीव बिंदल ने 320 पीजी सीटों की मंजूरी को बताया ऐतिहासिक कदम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 320 नई स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल सीटों को मंजूरी दी है। इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 415 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता भी स्वीकृत की गई है। उन्होंने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार जताया।



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल

डॉ. बिंदल ने कहा कि नई सीटों से मेडिकल कॉलेजों में एमडी और एमएस की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को अधिक अवसर मिलेंगे। मेडिसिन, सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग तथा नाक-कान-गला सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं में सीटें बढ़ने से प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की संभावनाएं मजबूत होंगी।

उन्होंने कहा कि अब प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है कि स्वीकृत धनराशि का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से उपयोग किया जाए। इसके लिए मेडिकल कॉलेजों में आवश्यक भवन, उपकरण, प्रयोगशालाएं और अन्य सुविधाएं विकसित करनी होंगी। साथ ही शिक्षकों और चिकित्सा संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि नई सीटों पर निर्धारित समयसीमा में पढ़ाई शुरू हो सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पहले भी हिमाचल में मेडिकल कॉलेजों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थानों, कैंसर संस्थानों और आधुनिक प्रयोगशालाओं के निर्माण तथा विस्तार के लिए धन उपलब्ध करवा चुकी है, लेकिन प्रदेश में कई परियोजनाओं में देरी के कारण मरीजों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

डॉ. बिंदल ने प्रदेश सरकार से पूर्व में स्वीकृत परियोजनाओं की समीक्षा करने और नई पीजी सीटों को शुरू करने के लिए तेजी से कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा का विस्तार प्रदेश के युवाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

माधव नगर में आज होगा आरएसएस का पथ संचलन, पवन करेंगे संबोधित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की माधव नगर इकाई की ओर से रविवार, 25 अक्टूबर को शिमला में पथ संचलन का आयोजन किया जाएगा। यह संचलन कैलीस्टन सामुदायिक केंद्र के समीप से शुरू होकर दुधली पार्क तक पहुंचेगा। इसमें संघ के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में भाग लेंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह संयोजक (पर्यावरण) पवन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। वह स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघ के विचारों, सामाजिक समरसता, राष्ट्रभक्ति और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालेंगे। संघ की माधव नगर इकाई के अनुसार, पथ संचलन का उद्देश्य स्वयंसेवकों में अनुशासन, संगठन और एकता की भावना को मजबूत करना है। इसके माध्यम से राष्ट्र के प्रति समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग की वॉकाथान को दिखाई हरी झंडी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के खेल एवं सांस्कृतिक क्लब के शुभारंभ अवसर पर वॉकाथान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वॉकाथान मुख्यमंत्री के सरकारी आवास ओक-ओवर से शुरू होकर इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर, शिमला तक आयोजित की गई। इसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निदेशालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभागीय कर्मचारियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।



मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल एवं सांस्कृतिक क्लब के गठन का मुख्य उद्देश्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य, खेल भावना और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह क्लब कर्मचारियों के बीच टीम भावना, अनुशासन, आपसी सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। क्लब के माध्यम से खेल प्रतियोगिताओं, एथलेटिक आयोजनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को कार्य के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर भी मिलेंगे। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि खेल एवं सांस्कृतिक क्लब विभागीय कर्मचारियों की खेल और सांस्कृतिक प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने का मंच बनेगा। इसके साथ ही पारंपरिक हिमाचली संस्कृति को प्रोत्साहित करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच एकता, सद्भाव और सकारात्मक कार्य वातावरण को मजबूत करती हैं।

कोल डैम में जल क्रीड़ा शुरू, पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा

ऐहन से तत्तापानी तक 35 किलोमीटर जलाशय में रोमांचक गतिविधियों से बढ़ेंगे रोजगार अवसर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला से वर्चुअल माध्यम द्वारा मंडी जिले के ऐहन में कोल डैम जलाशय में साहसिक जल क्रीड़ा गतिविधियों का शुभारंभ किया। ऐहन से तत्तापानी तक लगभग 35 किलोमीटर के जलाशय क्षेत्र में इन गतिविधियों का विस्तार किया जाएगा। इससे पर्यटकों को रोमांचक अनुभव मिलने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को गति मिलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।



◆ कोल डैम में साहसिक पर्यटन को मिलेगी नई पहचान, स्थानीय युवाओं की आय बढ़ने की उम्मीद

राज्य सरकार ने कोल डैम जलाशय की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए यहां साहसिक जल क्रीड़ा गतिविधियां शुरू करने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत पर्यटकों को स्पीड बोट, जेट स्की, बनाना बोट, बंपर राइड और 20 यात्रियों की क्षमता वाले मिनी क्रूज जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से पर्यटक जलाशय के सुंदर प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेने के साथ रोमांचक अनुभव भी हासिल कर सकेंगे। जलाशय क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विकास होने से आसपास के क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने और स्थानीय कारोबार को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। साहसिक पर्यटन और जल क्रीड़ा गतिविधियां हिमाचल प्रदेश को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र से लाखों परिवारों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर मिलते हैं। इसके साथ ही पर्यटन से राज्य के राजस्व में भी वृद्धि होती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार इससे पहले बिलासपुर में भी इस प्रकार की गतिविधियां शुरू कर चुकी है। प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए नई सुविधाओं और आकर्षणों का विकास किया जा रहा है।

इस अवसर पर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सोहन सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच अब धरातल पर साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने और हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कोल डैम में जल क्रीड़ा गतिविधियां शुरू होने से क्षेत्र में पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा स्थानीय लोगों की आय बढ़ने की संभावनाएं मजबूत होंगी।

कार्यक्रम के दौरान शिमला में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया और महाधिवक्ता अनूप रतन उपस्थित रहे। वहीं, ऐहन में जल प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष शशि शर्मा, उपायुक्त अपूर्व देवगन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शिमला में जनवरी तक चलेगा सड़क सुरक्षा अभियान, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शुक्रवार को उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में त्योहारी सीजन और नववर्ष को ध्यान में रखते हुए जनवरी माह तक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिले के शिक्षण संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही सड़कों की मरम्मत के लिए सभी उपमंडलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रस्ताव उपायुक्त कार्यालय को भेजेंगे। मरम्मत कार्यों के लिए तुरंत बजट उपलब्ध करवाया जाएगा। जिले के प्राथमिक विद्यालयों के भवनों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक धनराशि मुहैया करवाई जाएगी।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2026 में अब तक जिले में 211 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें 90 लोगों की मौत हुई, जबकि 297 लोग घायल हुए। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 70 लोग गंभीर रूप से घायल और 227 लोगों को मामूली चोटें आईं। सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक 45 दुर्घटनाएं, जबकि रात नौ बजे से मध्यरात्रि तक 48 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर 95 दुर्घटनाओं में 14 लोगों की मौत और 133 लोग घायल हुए। राज्य राजमार्गों पर 23 दुर्घटनाओं में नौ लोगों की मौत तथा 48 लोग घायल हुए। ग्रामीण सड़कों पर 53 दुर्घटनाओं में 50 लोगों की मौत और 77 लोग घायल हुए। ओवरस्पीड और लापरवाही से वाहन चलाने के 84 मामले, जबकि नशे में वाहन चलाने के सात मामले सामने आए। राज्य स्तर पर 1,651 सड़क दुर्घटनाओं में 757 लोगों की मौत और 2,597 लोग घायल हुए।

उपायुक्त ने वाहन चालकों से तेज गति और लापरवाही से वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ज्ञान सागर नेगी, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम भुवन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौरवजीत सिंह, विभिन्न उपमंडलों के अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी मोहन शर्मा, स्वास्थ्य विभाग की डॉ. ईशा गुप्ता और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राजेश अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने डॉ. संजय सूद की जल परीक्षण पुस्तक का किया विमोचन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला । मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वन बल प्रमुख एवं जाइका परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक (सीपीडी) डॉ. संजय सूद द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक का शीर्षक 'जल के नमूनों में भौतिक-रासायनिक परीक्षणों के विश्लेषण की सरल प्रक्रियाएं ' है। इसमें जल के नमूनों के भौतिक-रासायनिक परीक्षण और उनके विश्लेषण की प्रक्रियाओं को सरल तरीके से प्रस्तुत किया गया है। राज्य सचिवालय में राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर पुस्तक प्रकाशित करने के लिए डॉ. संजय सूद को बधाई दी। पुस्तक में जल के नमूनों की जांच से जुड़ी प्रक्रियाओं को सहज रूप में समझाने पर जोर दिया गया है, जिससे इस क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को उपयोगी जानकारी मिल सकती है।



◆ पुस्तक में जल के भौतिक-रासायनिक परीक्षणों की सरल विधियां, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी मदद

डॉ. संजय सूद भारतीय वन सेवा के अधिकारी हैं और हिमाचल प्रदेश से संबंध रखते हैं। पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े विषयों पर उनका लेखन कार्य उल्लेखनीय रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह जल, जंगल, जमीन, प्रदूषण, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर अब तक 15 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित कर चुके हैं। उनकी पुस्तकों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण संबंधी विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता दी गई है। नई पुस्तक में जल की गुणवत्ता के आकलन के लिए आवश्यक भौतिक-रासायनिक परीक्षणों के विश्लेषण की सरल विधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जल की गुणवत्ता की जांच पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित जल प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

एसबीआई अनुबंध कर्मचारियों के शोषण पर सीटू आंदोलन की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसबीआई कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन संबंधित सीटू हिमाचल प्रदेश राज्य कमेटी की बैठक अध्यक्ष डिंपल कुमारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा, जिला सचिव रमाकांत मिश्रा, बालक राम, विवेक कश्यप और महासचिव राकेश कुमार उपस्थित रहे। बैठक में नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में एसबीआई की शाखाओं में कार्यरत हाउसकीपिंग कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा है। वेतन में देरी, ईपीएफ जमा न होने, ओवरटाइम का भुगतान नहीं मिलने और सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं की कमी पर भी चिंता जताई गई। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से 10 से 11 घंटे काम करवाया जाता है और उनसे सफाई के अलावा कई अन्य कार्य भी लिए जाते हैं। यूनियन ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश के अतिरिक्त छुट्टियां, वेतन पर्ची, पहचान पत्र और ईपीएफ का वार्षिक विवरण जैसी सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि एक से तीन दिसंबर तक दिल्ली में होने वाली सीटू की रैली में एसबीआई के 100 कर्मचारी भाग लेंगे। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगें शीघ्र पूरी नहीं हुईं तो जनवरी-फरवरी में निर्णायक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

दिल्ली में देश बचाओ, वोट बचाओ महारैली में जुटेंगे दस लाख लोग, रजनी पाटिल ने किया दावा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की हिमाचल प्रदेश मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल ने कहा कि एक नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली इंडिया गठबंधन की महारैली 'देश बचाओ, वोट बचाओ' ऐतिहासिक होगी। उन्होंने दावा किया कि इस रैली में देशभर से 10 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। हिमाचल प्रदेश से भी लगभग 15 हजार लोग दिल्ली पहुंचकर इसमें हिस्सा लेंगे।



◆ लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट, हिमाचल से 15 हजार कार्यकर्ता दिल्ली जाएंगे

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन, शिमला में इंडिया गठबंधन के नेताओं की मौजूदगी में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए रजनी पाटिल ने कहा कि देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन एक मंच पर खड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार इस आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन गठबंधन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के संविधान, लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा से जुड़ी है।

रजनी पाटिल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश के 13 करोड़ नागरिकों को उनके संवैधानिक मताधिकार से वंचित किया गया है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन के एकजुट होने से इस अभियान को और गति मिलेगी। उन्होंने लोगों से लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक और पंजाब के पूर्व मंत्री राव दान सिंह ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जिस तरह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्तों ने आजादी के लिए संघर्ष किया था, उसी तरह आज लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लोगों को आगे आने की जरूरत है। उन्होंने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली में अधिक से अधिक लोगों से भाग लेने की अपील की। पत्रकार वार्ता में इंडिया गठबंधन के नेता भी उपस्थित रहे।

केंद्र ने दिए 415 करोड़ रुपए, जयराम बोले- श्रेय छोड़कर योजना लागू करें सुक्खू

320 पीजी मेडिकल सीटों की सौगात, जयराम ने सुक्खू को घेरा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में 320 स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल सीटें बढ़ाने और इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से 415 करोड़ रुपये का अनुदान देने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार व्यक्त किया। जयराम ठाकुर ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से इस योजना का श्रेय लेने के बजाय इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देने की अपील की, ताकि इसका लाभ प्रदेश के मरीजों और चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

◆ लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट, हिमाचल से 15 हजार कार्यकर्ता दिल्ली जाएंगे

जयराम ठाकुर ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्णय के तहत प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में कुल 320 पीजी मेडिकल सीटें बढ़ाई जाएंगी। इनमें हमीरपुर में 57, चंबा में 28, मंडी में 55, नाहन में 32, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) शिमला में 91 और टांडा मेडिकल कॉलेज में 57 सीटें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सीटों में वृद्धि से विशेषज्ञ चिकित्सक तैयार करने की क्षमता बढ़ेगी और भविष्य में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को इसका लाभ मिल सकता है। उन्होंने इसे हिमाचल के चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हुई है। उनके अनुसार, सरकारी अस्पतालों में कई स्थानों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी है और मरीजों को अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए सरकार को अस्पतालों की आधारभूत संरचना मजबूत करने, चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार की सहायता से होने वाले कार्यों का श्रेय लेने में प्रदेश सरकार आगे रहती है, लेकिन केंद्र के योगदान को स्वीकार करने के मामले में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई जाती। उन्होंने कहा कि पीजी मेडिकल सीटों में वृद्धि के लिए केंद्र सरकार 415 करोड़ रुपये का अनुदान दे रही है, जिसका लाभ हिमाचल प्रदेश को मिलेगा। ऐसे में मुख्यमंत्री को इस सहयोग के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास और जनहित से जुड़े मामलों में राजनीतिक श्रेय लेने के बजाय काम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाएं सीधे आम लोगों के जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र में होने वाले किसी भी सुधार को समयबद्ध तरीके से लागू करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मेडिकल सीटों में वृद्धि से संबंधित योजना का लाभ तभी प्रभावी रूप से मिल पाएगा, जब संबंधित संस्थानों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने पर जोर

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से उपलब्ध करवाए जा रहे संसाधनों का उपयोग प्रदेश के हित में किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वह राजनीतिक बयानबाजी और श्रेय लेने की प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर योजना के क्रियान्वयन पर ध्यान दें। मेडिकल सीटों में वृद्धि से चिकित्सा शिक्षा के अवसर बढ़ने के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता मजबूत करने की संभावनाएं भी बनेंगी। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है कि वह केंद्र से मिलने वाली सहायता का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करे और स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं को विकसित करे। उन्होंने दोहराया कि इस निर्णय का वास्तविक लाभ तभी सामने आएगा, जब बढ़ी हुई सीटों के अनुरूप व्यवस्थाएं विकसित होंगी और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों, प्रशिक्षण सुविधाओं और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर भी ध्यान देना चाहिए। इससे बढ़ी हुई सीटों के अनुरूप विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल सकेगा। जयराम ठाकुर ने उम्मीद जताई कि सरकार इस निर्णय को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाएगी, ताकि हिमाचल के स्वास्थ्य क्षेत्र को इसका पूरा लाभ मिल सके।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी पर एफआईआर दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के रोहड़ू थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग से कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित पवन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सलवाड़
विकास खंड झंडूता, जिला बिलासपुर, (हि.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **ग्राम पंचायत सलवाड़, विकास खंड झंडूता, जिला बिलासपुर, हि.प्र.** में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न मदों के अंतर्गत विकास कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करती है, ताकि विकास कार्यों हेतु सामग्री की खरीद की जा सके। कोई भी निविदादाता अपनी-अपनी निविदा **दिनांक 05.11.2026 तक दोपहर 2.00 बजे** तक जमा करवा सकते हैं। उसके बाद **07.11.2026 को सुबह 11:00 बजे** आई हुई निविदा खोल दी जाएगी। जो भी निविदादाता बनेगा उसे 50,000/- रु. की एफडी पंचायत के पास रैहन रखनी होगी।

सामग्री का विवरण निम्न प्रकार से है :- 1. कट स्टोन-Per m3, 2. पत्थर (बोल्डर)-Per m3, 3. रेता धुला क्रैशर-Per m3, 4. बजरी क्रैशर-Per m3, 5. ईंट द्वितीय श्रेणी-Per Brick, 6. मिक्सर-Per Day, 7. सीमेंट ढुलान Civil Supply Jhandutta to G.P. Store with Loading or unloading-Per Bag, 8. बोर्ड लिखाई-प्रति वर्ग मीटर, 9. शटरिंग-प्रति वर्ग फुट, 10. लोकल चक्कर-प्रति किलोमीटर, 11. ह्यूम पाइप पुली-60cm/90cm/120/cm, 12. पानी टैंकर-प्रति टैंकर, 13. जे.सी.बी.-Bucket/Breaker per hour.

अत: सूचना आगामी कार्रवाई हेतु प्रेषित की जाती है।

हस्ता./- प्रधान/सचिव, ग्राम पंचायत सलवाड़,
विकास खंड झंडूता, जिला बिलासपुर, हि.प्र.।

प्रो. रमोला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल, नई टिहरी के पूर्व निदेशक एवं भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. आरसी रमोला को नाभिकीय भौतिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित नाभिकीय भौतिकी एवं उसके अनुप्रयोग विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। प्रो. रमोला को यह पुरस्कार भारत में नाभिकीय भौतिकी अनुसंधान को आगे बढ़ाने, दीर्घकालीन वैज्ञानिक सेवाओं, समर्पण और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए दिया गया है। उन्होंने अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है। वह लगातार पांच वर्षों से विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में अपना स्थान बनाए हुए हैं।



सतपाल महाराज बोले, सुरक्षित सड़क संपर्क सरकार की प्राथमिकता

सतपाल महाराज की नई पहल, अधूरी सड़कों के निर्माण में आएगी तेजी

अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों को गति देने और अधूरी सड़कों की समस्या दूर करने के लिए राज्य सरकार ने नई पहल की है। इसके तहत अब स्टेज-दो के कार्यों को विभागीय प्राथमिकता दी जाएगी। लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत पहाड़ कटान और डंपिंग जोन से जुड़े स्टेज-एक के कार्यों के साथ ही स्टेज-दो के कार्यों को भी एक साथ स्वीकृति दी जाएगी।

पर्वतीय सड़कों के निर्माण में आएगी तेजी

इससे पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण को समय पर पूरा करने और लोगों को बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। महाराज ने बताया कि पहले की व्यवस्था में स्टेज-एक यानी पहाड़ कटान का कार्य पूरा होने के बाद स्टेज-दो के कार्यों की स्वीकृति भी नई सड़कों की तरह विधायकों की प्राथमिकता पर निर्भर करती थी। इस कारण कई सड़कें वर्षों तक अधूरी रह जाती थीं। ऐसी सड़कों पर नालियों, पुलियों, सुरक्षा दीवारों, ढाल संरक्षण और सड़क की सतह का निर्माण नहीं हो पाता था। परिणामस्वरूप बरसात के दौरान भूस्खलन और सड़क क्षतिग्रस्त होने की घटनाओं से यातायात बार-बार बाधित होता था। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था।



लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था से स्टेज-एक और स्टेज-दो के कार्यों को एक साथ मंजूरी मिलने का रास्ता साफ होगा। इससे सड़क निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी और अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी आएगी। सड़क सुरक्षा में सुधार के साथ भूस्खलन तथा वर्षाकाल में होने वाले नुकसान को कम करने में भी सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इस पहल से बार-बार मरम्मत और पुनर्निर्माण पर होने वाले सरकारी खर्च में कमी आने की उम्मीद है। साथ ही, पहले से किए गए सरकारी निवेश का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

आवागमन होगा आसान

महाराज ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क को मजबूत करना, उपलब्ध संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और जनता को सुरक्षित एवं बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध कराना है। नई व्यवस्था से बरसात के दौरान सड़कें बाधित होने की समस्या कम करने और सर्वकालिक सड़क संपर्क को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

परिवहन विभाग और आरटीओ पर सवाल!

जांच के मानक, नियमों का पालन और विभाग की जवाबदेही पर उठे सवाल

विकास बलूनी

देहरादून। देहरादून में महिला न्यायिक अधिकारी के साथ रैपिडो कैब में कथित बदसलूकी, धमकी और अपहरण के प्रयास के मामले ने ऐप आधारित परिवहन सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतेन्दु शिखर ने पहले ही इन सेवाओं के संचालन में उचित सत्यापन, निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर सवाल उठाए थे। अब इस घटना ने परिवहन विभाग और संबंधित प्रशासन की जिम्मेदारियों पर फिर से चर्चा शुरू कर दी है।



क्या नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए भी हो सकता है पार्सल डिलीवरी का इस्तेमाल?

ऐप-आधारित परिवहन सेवाओं पर निगरानी कितनी सख्त?



मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 21 अक्टूबर 2026 की शाम महिला न्यायिक अधिकारी ने बलबीर रोड स्थित जजेज कॉलोनी से मालदेवता के पास सौड़ा सरोली जाने के लिए करीब नौ किलोमीटर की रैपिडो कैब बुक की थी। शिकायत के मुताबिक, तय किराये से अधिक पैसे मांगने को लेकर चालक से विवाद हुआ। आरोप है कि इसके बाद चालक महिला अधिकारी को सुनसान और अंधेरी बंद गली की ओर ले गया। महिला अधिकारी की शिकायत पर डालनवाला थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपी चालक को हिरासत में लिया गया। मामले की जांच जारी है।

परिवहन सेवाओं पर नियंत्रण बढ़ाने की जरूरत

इस घटना के बाद रैपिडो, ओला और उबर जैसी सेवाओं के चालकों के पुलिस सत्यापन, वाहनों की निगरानी और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसके साथ ही पार्सल वितरण सेवाओं के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए भी प्रभावी व्यवस्था आवश्यक है, ताकि नशीले पदार्थों, शराब और प्रतिबंधित वस्तुओं की अवैध आपूर्ति पर अंकुश लगाया जा सके। प्रशासन को यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध जांच और जवाबदेही तय करनी चाहिए।

उत्तरकाशी में 24 पुलिसकर्मी मैन ऑफ द मंथ से सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। पुलिस लाइन ज्ञानसू में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी एवं सैनिक सम्मेलन में एनडीपीएस मामलों की विवेचना में तकनीकी और कानूनी पहलुओं का बारीकी से पालन करने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं और नशा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

एसपी ने त्योहारी सीजन के मद्देनजर बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग करने तथा आवश्यकतानुसार वाहनों का प्रवेश नियंत्रित करने को कहा। पटाखों की दुकानों पर अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

सम्मेलन में सहायक निदेशक अभियोजन अरुण गौड़ सहित अभियोजन अधिकारियों ने विवेचकों को एनडीपीएस मामलों की जांच, कानूनी प्रावधानों और विवेचना की गुणवत्ता सुधारने संबंधी जानकारी दी। एसपी ने लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा गंभीर अपराधों की जांच में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने पर बल दिया।



सतपुली पहुंची कांग्रेस की न्याय यात्रा भाजपा पर बरसे गणेश गोदियाल

अनिल थपलियाल

पौड़ी। उत्तराखंड कांग्रेस की न्याय यात्रा शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में सतपुली पहुंची। यहां कांग्रेस नेता राजपाल बिष्ट सहित चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद रैली सतपुली बाजार के प्रमुख मार्गों से होते हुए राधाकृष्ण मंदिर परिसर पहुंची, जहां जनसभा का आयोजन किया गया।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि जनता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। जब तक लोगों को न्याय नहीं मिल जाता, पार्टी चैन से नहीं बैठेगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी।

रोजगार के मुद्दों पर कांग्रेस का जोर

कांग्रेस की ओर से जारी पत्रक में 'वोट बचाओ-देश बचाओ, भाजपा नेताओं से बेटियों की अस्मिता बचाओ' का नारा दिया गया। यात्रा के दौरान महिला सुरक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पलायन और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने इन विषयों पर सरकार को घेरते हुए जनता के बीच संघर्ष तेज करने का संकल्प जताया। यात्रा में प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप, प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी, बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, कवींद्र इष्टवाल, राजेश कंडारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विनोद नेगी सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सतपुली में यात्रा के पहुंचने पर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

गैरसैंण सत्र को लेकर भाजपा-कांग्रेस में जुबानी जंग तेज

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में विधानसभा सत्र और कार्यमंत्रणा समिति की बैठक को लेकर कांग्रेस नेताओं के सवालों पर पलटवार किया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और विधायक प्रीतम सिंह से पूछा कि अगस्त 2025 में समिति से इस्तीफा देने के बाद वे अब किस आधार पर सवाल उठा रहे हैं। चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार गैरसैंण की गरिमा और पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी का दर्जा देने के साथ सड़क, पेयजल और प्रशासनिक सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं।

न्यूज ब्रीफ

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार बिहार भागने से पहले पुलिस ने दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। सतपुली में नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बिहार भागने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे 24 अक्टूबर को कोटद्वार रोड से पकड़ लिया। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर को सतपुली निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी दुकान पर सामान लेने गई थी। इसी दौरान वहां पेंट-पुताई का काम कर रहे युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पौड़ी के एसएसपी सर्वेश पंवार ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद थाना प्रभारी अनिल चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए असगर (30) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूल रूप से बिहार के किशनगंज जिले का निवासी है और वर्तमान में सतपुली में रह रहा था।

फिल्म 'सूर्या' में डॉक्टरों के चित्रण पर आईएमए देहरादून ने जताई आपत्ति

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। फिल्म 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' में चिकित्सा पेशे के कथित नकारात्मक चित्रण पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) देहरादून ने आपत्ति जताई है। संगठन ने कहा कि किसी एक डॉक्टर की गलती के लिए पूरे चिकित्सक समुदाय को दोषी ठहराना उचित नहीं है। आईएमए ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर फिल्म की निष्पक्ष समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। संगठन के अनुसार, चिकित्सा क्षेत्र में भ्रष्टाचार और मरीजों के शोषण की शिकायतों की जांच होनी चाहिए, लेकिन पूरे पेशे की छवि खराब नहीं की जानी चाहिए। आईएमए ने कहा कि डॉक्टरों के खिलाफ अविश्वास और हिंसा की घटनाएं चिंताजनक हैं। संदेश दिया कि गलत डॉक्टर का विरोध करें, लेकिन हर डॉक्टर को गलत न कहें।

विधानसभा चुनाव 2027 के लिए मतदाता जागरूकता अभियान जारी

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। आगामी विधानसभा निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत जिले में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी एवं स्वीप नोडल अधिकारी वरुणा अग्रवाल के निर्देश पर विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और विकासखंडों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत जीजीआईसी बौराड़ी और जीआईसी छपराधार सहित विभिन्न विद्यालयों में चित्रकला, निबंध, जागरूकता रैली और लघुनाटिका के माध्यम से मतदान का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। वहीं, कीर्तिनगर, थौलधार, देवप्रयाग, भिलंगना और प्रतापनगर के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला मंगल दलों एवं ग्रामीणों ने मतदान की शपथ ली। जाखणीधार की ग्राम पंचायत नवाकोट में जिला पंचायत राज अधिकारी एमएम खान ने ग्रामीणों को जागरूक किया। जिला प्रशासन ने लोगों से मतदाता सूची में नाम सुनिश्चित करने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की।

झारखंड से लाई गई 35 लाख की अफीम के साथ दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स कुमाऊं यूनिट और ऊधमसिंह नगर जिले की किच्छा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सात किलो 50 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस ने मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 35 लाख रुपये बताया गया है। एसटीएफ के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी खलीक अहमद और बरेली निवासी जीतेन्द्र के रूप में हुई है। दोनों को किच्छा थाना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान पकड़ा गया।

राफ्टिंग प्रशिक्षुओं ने गंगा संरक्षण का लिया संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी

भारतीय पर्वतारोहण संस्थान (आईआईएसएम), पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की ओर से टिहरी गढ़वाल में संचालित रिवर राफ्टिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों ने गंगा नदी के तटों पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने गंगा किनारे फैले कचरे, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से गंगा नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के साथ ही प्लास्टिक का उपयोग कम करने की अपील की।



जागरूकता का संदेश

गंगा केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि देश की जीवनरेखा भी है। इसकी स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के ऐसे प्रयासों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया। अभियान के माध्यम से प्रतिभागियों ने स्वच्छ गंगा और प्लास्टिक मुक्त वातावरण का संदेश दिया।

रिवर राफ्टिंग प्रशिक्षुओं ने गंगा तट पर की सफाई

अभियान का उद्देश्य गंगा नदी के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और साहसिक पर्यटन से जुड़े युवाओं को पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराना था। अभियान में संस्थान के प्रशिक्षकों और रिवर राफ्टिंग पाठ्यक्रम में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रशिक्षुओं ने नदी के आसपास सफाई कर यह संदेश दिया कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण केवल सरकारी संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इस अवसर पर आईआईएसएम गुलमर्ग के प्रधानाचार्य कर्नल ईश्वर सिंह थापा, एसएम, वीएसएम, एमआईडी ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि एक साहसिक पर्यटन पेशेवर का पहला कर्तव्य प्रकृति और नदियों का संरक्षण करना है।

देवभूमि में नशे का 'क्लाइमेक्स' कब? तस्कर पकड़े जा रहे हैं, नशे का कारोबार कब थमेगा?

उत्तराखंड में नशे की चुनौती बरकरार, 4 तस्कर गिरफ्तार

विकास बलूनी

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दून पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 22.83 ग्राम स्मैक और 1 किलो 366 ग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब सात लाख रुपये बताई गई है। सभी आरोपितों के खिलाफ संबंधित थानों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, कोतवाली पटेलनगर की टीम ने 23 अक्टूबर को चेकिंग के दौरान दीपक कुमार (35), निवासी ब्रह्मपुरी, पटेलनगर को 1 किलो 366 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने कथित तौर पर बताया कि जल्दी पैसा कमाने के लालच में वह मादक पदार्थों की तस्करी करने लगा था। वह नशे के आदी स्थानीय लोगों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में गांजा ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाना चाहता था।

वहीं, ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो आरोपितों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। इनमें अमृत, निवासी सपेरा बस्ती, काले की ढाल, ऋषिकेश के कब्जे से 8.37 ग्राम और गौरव कुमार (22), निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश के कब्जे से 7.24 ग्राम स्मैक बरामद हुई। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने चार तस्करों को दबोचा



इसी क्रम में सहसपुर कोतवाली पुलिस ने 23 अक्टूबर की शाम लांघा रोड के पास चेकिंग के दौरान सुरजीत धीमान (30), निवासी छरबा, सहसपुर को 7.22 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। एसएसपी ने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नशा तस्करी में लिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों की अवैध तस्करी और बिक्री रोकने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

एसएसपी दून के नेतृत्व में नशा तस्करों पर पुलिस का शिकंजा



एसएसपी दून

पुलिस के अनुसार, कोतवाली पटेलनगर की टीम ने 23 अक्टूबर को चेकिंग के दौरान दीपक कुमार (35), निवासी ब्रह्मपुरी, पटेलनगर को 1 किलो 366 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने कथित तौर पर बताया कि जल्दी पैसा कमाने के लालच में वह मादक पदार्थों की तस्करी करने लगा था। वह नशे के आदी स्थानीय लोगों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में गांजा ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाना चाहता था। वहीं, ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो आरोपितों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। इनमें अमृत, निवासी सपेरा बस्ती, काले की ढाल, ऋषिकेश के कब्जे से 8.37 ग्राम और गौरव कुमार (22), निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश के कब्जे से 7.24 ग्राम स्मैक बरामद हुई।



आगाज नशामुक्त समाज का संदेश लेकर दौड़े धावक, 26 राज्यों के 1100 धावक दिखा रहे दमखम

आदि कैलाश परिक्रमा रन-2.0 का आगाज

भारतेन्दु संवाददाता, पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी में शनिवार को आदि कैलाश परिक्रमा रन-2.0 का शुभारंभ हुआ। इस साहसिक आयोजन में देश के 26 राज्यों के करीब 1,100 धावक हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से सीमांत क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, साहसिक पर्यटन की संभावनाओं और स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। पिछले वर्ष आयोजित पहले संस्करण में करीब 750 धावकों ने भाग लिया था। इस बार प्रतिभागियों की संख्या बढ़कर लगभग 1,100 पहुंच गई है।

पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी ने जोलिंगकांग से 70 किलोमीटर की अल्ट्रा मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं, गुंजी से 42 किलोमीटर की मैराथन को दर्जा राज्य मंत्री अशोक नबियाल और धारचूला के उपजिलाधिकारी आशीष जोशी ने रवाना किया। प्रतियोगिता में महिला और पुरुष प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं, ताकि विभिन्न श्रेणियों के धावक अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें।

करीब 4,500 मीटर की ऊंचाई पर आयोजित इस दौड़ में प्रतिभागियों को कम तापमान, ऑक्सीजन की कमी और दुर्गम पहाड़ी रास्तों जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। 70 किलोमीटर की मुख्य दौड़ आदि कैलाश से शुरू होकर छियालेख होते हुए गुंजी में समाप्त होगी।

◆70 किलोमीटर की दौड़ में देशभर के धावक शामिल



मुख्यमंत्री ने बढ़ाया धावकों का उत्साह

ऐसे चुनौतीपूर्ण भूभाग में दौड़ पूरी करना धावकों के शारीरिक सामर्थ्य, धैर्य और सहनशक्ति की परीक्षा है। आयोजकों के अनुसार, प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ भी ली और खेल के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आदि कैलाश क्षेत्र में इस तरह के आयोजनों से उत्तराखंड की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होगी। सरकार का उद्देश्य पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के नए अवसर तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में आयोजित पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन में 22 राज्यों के धावकों ने भाग लिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में इस आयोजन का उल्लेख किया था, जिसके बाद क्षेत्र के प्रति पर्यटकों और श्रद्धालुओं का आकर्षण बढ़ा। आदि कैलाश परिक्रमा रन के दूसरे संस्करण में बढ़ी भागीदारी को सीमांत क्षेत्र में साहसिक पर्यटन की लोकप्रियता के रूप में देखा जा रहा है। इस आयोजन से स्थानीय पर्यटन, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। साथ ही, देशभर से आने वाले धावकों को हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता और सीमांत क्षेत्र की विशेषताओं से परिचित होने का अवसर मिल रहा है।

मसूरी में अवैध निर्माण पर एमडीडीए की कार्रवाई, हाथीपांव रोड पर निर्माण सील

भारतेन्दु संवाददाता, सुनील सोनकर

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में बड़े पैमाने पर हो रहे निर्माण कार्यों के बीच मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की है। हाथीपांव रोड स्थित विंसेट हिल क्रेग टॉप एस्टेट, वैवरली में अरुण सहगल और निर्माणकर्ता राहुल रोहानी से संबंधित निर्माण को प्राधिकरण की टीम ने सील कर दिया। एमडीडीए के अनुसार, मौके पर लोहे के गार्डर और चैनलों की मदद से दो प्लेटफॉर्म स्ट्रक्चर तैयार किए जा रहे थे। प्राधिकरण ने यह कार्रवाई एसडीएम और संयुक्त सचिव के निर्देश पर की। एमडीडीए के सहायक अभियंता अजय मलिक के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 के तहत संबंधित प्रावधानों के अनुसार निर्माण को सील किया।

एमडीडीए के मुताबिक, कार्रवाई से पहले संबंधित पक्ष अरुण सहगल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। प्राधिकरण का कहना है कि नोटिस के जवाब में संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद संयुक्त सचिव और एसडीएम की ओर से निर्माण सील करने के आदेश जारी किए गए। आदेश के अनुपालन में टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को सील कर दिया। मसूरी में तेजी से हो रहे निर्माण कार्यों के बीच भवनों और अन्य संरचनाओं की वैधता, स्वीकृत मानचित्र तथा विकास नियमों के पालन का मुद्दा महत्वपूर्ण बना हुआ है। पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए निर्माण कार्यों की निगरानी और नियमों का पालन जरूरी है। ऐसे में एमडीडीए की कार्रवाई से अनधिकृत निर्माण के मामलों में प्राधिकरण की भूमिका फिर चर्चा में है। हालांकि, इस एक कार्रवाई से शहर में हो रहे सभी निर्माणों की स्थिति स्पष्ट नहीं होती।



◆ विंसेट हिल क्रेग टॉप एस्टेट में लोहे के गार्डर और चैनलों से बनाए जा रहे थे दो प्लेटफॉर्म

व्यापक स्तर पर नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण, स्वीकृत मानचित्रों की जांच और उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई जरूरी है। एमडीडीए की ओर से की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य संबंधित निर्माण पर नियामकीय आदेश लागू करना है। प्राधिकरण की कार्रवाई के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मसूरी के अन्य क्षेत्रों में निर्माण संबंधी नियमों के पालन को लेकर निगरानी किस तरह आगे बढ़ती है। सहायक अभियंता अजय मलिक के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में अवर अभियंता अनुराग नौटियाल, सुपरवाइजर संजीव कुमार और उदय नेगी शामिल रहे।

होशियारपुर में खनन जांच तेज, 38 साइटें सीबीआई के निशाने पर

भारतेन्दु संवाददाता, होशियारपुर

होशियारपुर जिले में कथित अवैध खनन के मामले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। एजेंसी अब कार्यालयों में उपलब्ध दस्तावेजों की पड़ताल के साथ-साथ संबंधित गांवों में पहुंचकर भी तथ्य जुटा रही है। इस सिलसिले में राजस्व विभाग के अधिकारियों और पटवारियों को तलब किया गया है। इसके अलावा, जिले की 38 खनन साइटों से संबंधित जमीनों की फर्दें भी मांगी गई हैं। इन दस्तावेजों के माध्यम से जमीनों के मालिकाना हक, किस्म और अन्य राजस्व विवरणों की जांच की जाएगी।

जांच एजेंसी का ध्यान खनन स्थलों से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड और विभागीय दस्तावेजों के मिलान पर है। इसके तहत यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि संबंधित जमीनों का वास्तविक स्वरूप क्या है और वहां खनन गतिविधियों के लिए किस प्रकार की मंजूरी दी गई थी। गांवों में जाकर जानकारी जुटाने से जांच एजेंसी को मौके की स्थिति और सरकारी रिकॉर्ड के बीच अंतर का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

प्रशासन ने साइटों पर लगाए निगरानी संबंधी बोर्ड : दूसरी ओर, प्रशासन ने कुछ खनन स्थलों पर



निगरानी संबंधी बोर्ड लगाने शुरू कर दिए हैं। इन बोर्डों पर लिखा गया है कि संबंधित साइट प्रशासन की निगरानी में है। साथ ही, इन स्थानों पर साइट का स्तर बराबर करने, पानी निकालने और आसपास की सड़कों के साथ छेड़छाड़ करने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है।

प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य जांच पूरी होने तक संबंधित स्थलों पर किसी भी प्रकार के बदलाव को रोकना है, ताकि मौके की स्थिति और उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जा सके। हालांकि, जांच के अंतिम निष्कर्ष सामने आने के बाद ही संबंधित स्थलों पर कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

वर्ष 2022 से 2026 तक की 38 साइटों का ब्योरा तलब : सीबीआई ने होशियारपुर जिले में जनवरी 2022 से अब तक की खनन गतिविधियों से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है। इसमें स्वीकृत व्यावसायिक खनन स्थलों, क्रशर खनन स्थलों, सार्वजनिक खनन स्थलों, गाद निकालने वाले स्थलों, नदी तल में खनन और अन्य खनिज निकालने वाली साइटों की स्थलवार सूची शामिल है।

एजेंसी ने पंजाब माइनर मिनरल रूल्स-2013, राज्य की रेत एवं बजरी खनन नीति-2023 और राज्य की लघु खनिज नीति-2023 की प्रतियां भी मांगी हैं। इसके साथ ही इन नियमों और नीतियों में समय-समय पर किए गए संशोधनों का विवरण उपलब्ध करवाने को कहा गया है। इन दस्तावेजों के आधार पर खनन स्थलों को मिली मंजूरी, लागू नियमों और संबंधित विभागों की भूमिका की पड़ताल की जा सकेगी।

राजस्व रिकॉर्ड से सामने आ सकती हैं अहम जानकारियां

पटवारियों को तलब करने और 38 खनन स्थलों की फर्दें मंगवाने से मामले की जांच में तेजी आने की संभावना है। राजस्व रिकॉर्ड के जरिए जमीनों के स्वामित्व और उनकी श्रेणी से जुड़ी जानकारी का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद उपलब्ध दस्तावेजों का खनन संबंधी मंजूरियों और अन्य विभागीय रिकॉर्ड से मिलान किया जा सकता है। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि संबंधित स्थलों पर खनन गतिविधियां निर्धारित नियमों के अनुसार हुईं या नहीं। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है, तो उसकी प्रकृति और जिम्मेदारी तय करने के लिए संबंधित रिकॉर्ड की पड़ताल की जाएगी। फिलहाल मामले में अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आए हैं। सीबीआई की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि किन स्थलों पर नियमों का उल्लंघन हुआ और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। स्थानीय स्तर पर इस जांच को लेकर चर्चा तेज हो गई है। संबंधित विभागों से मांगी गई जानकारी और दस्तावेजों के आधार पर खनन गतिविधियों की पूरी तस्वीर सामने आने की उम्मीद है। अब सभी की नजरें जांच एजेंसी की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

रूपनगर बाईपास बदहाल, सात किलोमीटर में 170 गड्ढे, हादसों का बढ़ा खतरा

180 करोड़ से बने बाईपास की अनदेखी, रोशनी बंद, सफाई गायब, हादसों का खतरा कायम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

रूपनगर (विजय)। चंडीगढ़ से अमृतसर जाने वाले मार्ग पर स्थित रूपनगर बाईपास की खस्ताहाल स्थिति वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। सात किलोमीटर लंबे इस बाईपास पर करीब 170 बड़े गड्ढे हैं। इनके कारण आए दिन वाहनों के टायर खराब होने, रिम टूटने और सड़क हादसों का खतरा बना रहता है। बाईपास के रखरखाव की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग के बीएंडआर विंग की है, लेकिन सड़क की हालत देखकर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

हलका सुधार कमेटी के सदस्यों के अनुसार, बाईपास पर सड़क की दुर्दशा के साथ-साथ रोशनी और सफाई की व्यवस्था भी बदहाल है। सड़क किनारे जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जबकि बाईपास के बीच स्थापित आधारशिला झाड़ियों में छिप गई है। ऐसे में चंडीगढ़ से अमृतसर जाने वाले यात्रियों को इस मार्ग से गुजरते समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

412 लाइटों में से केवल 58 कर रही काम: हलका सुधार कमेटी की टीम ने बताया कि बाईपास पर रोशनी की व्यवस्था के लिए बड़े खंभों के साथ कुल 412 लाइटें लगाई गई थीं। इनमें से कई खंभे टूटकर



गिर चुके हैं और अब केवल 58 लाइटें ही काम कर रही हैं। लाइटों की संख्या लगातार कम होने से रात के समय वाहन चालकों को अधिक परेशानी होती है। सड़क पर गड्ढों और पर्याप्त रोशनी के अभाव के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

कमेटी के महासचिव रणजीत सिंह पतियालां ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले बाईपास को सुंदर बनाने के लिए सजावटी पौधे लगाए गए थे, लेकिन उचित देखभाल के अभाव में अब वे सूख रहे हैं। सड़क के दोनों किनारों पर कचरा जमा होने से भी बाईपास की सुंदरता प्रभावित हो रही है।

अनधिकृत कट बन रहे हादसों का खतरा : रणजीत सिंह पतियालां ने कहा कि बाईपास के दोनों ओर बिना अनुमति कई जगह कट बनाए गए हैं। इनका इस्तेमाल लोग यू-टर्न लेने के लिए करते हैं। इन स्थानों पर पर्याप्त रोशनी और संकेतक नहीं होने से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। कमेटी ने प्रशासन से इन अनधिकृत कटों को तत्काल बंद करवाने और सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की है।

गौरतलब है कि करीब 180 करोड़ रुपये की लागत से बने इस बाईपास का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने दो अक्तूबर, 2015 को किया था। कमेटी ने संबंधित विभाग से सड़क के रखरखाव, लाइटों की मरम्मत, सफाई और पौधों की देखभाल के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की है।

इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष निर्मल सिंह लोदीमाजरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह घनोली, मास्टर अवतार सिंह लोदीमाजरा, मास्टर जगतार सिंह, हरदेव सिंह पतियालां सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कमेटी सदस्यों ने कहा कि बाईपास की बदहाली के कारण वाहन चालकों को आर्थिक नुकसान उठाने के साथ-साथ दुर्घटनाओं का डर भी सताता रहता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि संबंधित विभाग नियमित निरीक्षण करे और मरम्मत कार्य में देरी न की जाए। समय रहते उचित कदम उठाने से यात्रियों को राहत मिलेगी और इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यातायात व्यवस्था भी सुरक्षित बन सकेगी।

पंजाब में बेटियों के विवाह हेतु 12,784 परिवारों को सहायता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता देने के लिए आशीर्वाद योजना चला रही है। इसके तहत पात्र परिवारों को बेटी के विवाह के लिए 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक 12,784 लाभार्थियों को 65.20 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग और अन्य पात्र जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक मदद उपलब्ध करवाना है। एक परिवार की अधिकतम दो बेटियां इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। मंत्री के अनुसार, अनुसूचित जाति वर्ग के 8,774 लाभार्थियों को 44.75 करोड़ रुपये तथा आर्थिक रूप से कमजोर और पिछड़े वर्गों के 4,010 लाभार्थियों को 20.45 करोड़ रुपये दिए गए हैं। विभाग के अनुसार, 13,525 अन्य आवेदनों पर सहायता जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। योजना की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। मंत्री ने अधिकारियों को पात्र आवेदनों का जल्द निपटारा करने के निर्देश दिए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता मिल सके।

परगट सिंह के नेतृत्व में एकजुट कांग्रेस, दिल्ली बैठक में बनेगी रणनीति

पंजाब कांग्रेस में नई एकजुटता के संकेत, 2027 चुनाव की तैयारी तेज

2027 चुनाव से पहले कांग्रेस ने मतभेद भुलाकर दिखाई एकजुटता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष बदलने के बाद पार्टी की अंदरूनी राजनीति में बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह परगट सिंह को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद पार्टी के नेता और विधायक सड़क से लेकर विधानसभा तक कई मुद्दों पर एकजुट दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, यह एकजुटता कितनी टिकाऊ साबित होगी और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को कितना लाभ मिलेगा, इसका आकलन आने वाले समय में होगा।

हाल ही में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में प्रदेशभर में आयोजित प्रदर्शनों में कांग्रेस नेताओं ने हिस्सा लिया। लंबे समय से आंतरिक खींचतान और नेतृत्व को लेकर मतभेदों से जूझ रही प्रदेश कांग्रेस के लिए इसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। प्रदर्शनों में नेताओं की भागीदारी ने संगठन के भीतर बेहतर तालमेल की उम्मीद जगाई है।

इससे पहले सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता में प्रदेश कैंपेन कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें पार्टी के प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लेकर 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के जरिए कांग्रेस ने सामूहिक नेतृत्व और मिलकर चुनावी रणनीति तैयार करने का संदेश देने का प्रयास किया।



केसी वेणुगोपाल और परगट सिंह।

पंजाब विधानसभा का सत्र शुरू होने के बाद कांग्रेस विधायकों ने नशे और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर एकजुट होकर सरकार को घेरने की कोशिश की। प्रदेश अध्यक्ष और जालंधर कैंट से विधायक परगट सिंह ने सुखपाल सिंह खैहरा को विधानसभा के शेष सत्र के लिए निलंबित किए जाने का खुलकर विरोध किया। इस घटनाक्रम ने भी पार्टी के नेताओं के बीच साझा मुद्दों पर साथ खड़े होने का संकेत दिया। हालांकि, केवल कुछ मुद्दों पर एकजुटता दिखाना कांग्रेस के लिए पर्याप्त नहीं होगा। पार्टी को इस तालमेल को संगठनात्मक मजबूती और चुनावी तैयारियों में बदलना होगा। नेतृत्व के बीच मतभेदों को दूर रखना और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी उसके सामने महत्वपूर्ण चुनौती रहेगी।

केसी वेणुगोपाल की बैठक पर टिकी निगाहें

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल के पंजाब दौरे को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वह सोमवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर विधानसभा सत्र की तैयारियों तथा राजनीतिक रणनीति की समीक्षा करेंगे। इस दौरान प्रदेश नेतृत्व के बीच तालमेल और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में एक नवंबर को नई दिल्ली में प्रस्तावित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान की रैली की तैयारियों पर भी विचार किया जाएगा। कांग्रेस इस रैली को सफल बनाने के लिए पंजाब और हरियाणा से बड़ी संख्या में लोगों को जुटाने की कोशिश कर रही है। वेणुगोपाल के चंडीगढ़ दौरे के दौरान कांग्रेस के प्रमुख नेताओं से मुलाकात और राहुल गांधी के प्रस्तावित पंजाब दौरे को लेकर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

गृह विभाग की नई अधिसूचना से कार्रवाई तेज होगी, लंबी मंजूरी प्रक्रिया से मिलेगी राहत

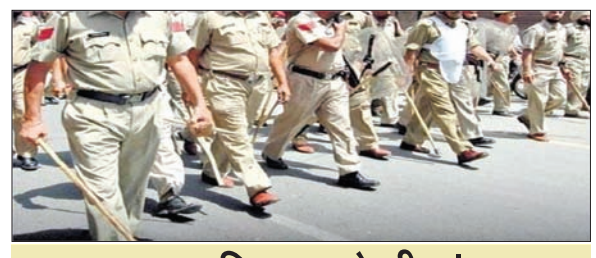
पंजाब में नशा तस्करों पर शिकंजा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मिले नजरबंदी के अधिकार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में नशा तस्करों और बड़े मादक पदार्थ गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए राज्य सरकार ने पुलिस अधिकारियों के अधिकारों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। गृह विभाग ने 21 अक्टूबर को अधिसूचना जारी कर नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी की रोकथाम से जुड़े पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत निवारक नजरबंदी के अधिकार वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सौंप दिए हैं। अब पुलिस आयुक्त (सीपी), महानिरीक्षक (आईजी), अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) और उनसे उच्च पदों पर तैनात अधिकारी निर्धारित प्रावधानों के तहत नजरबंदी के आदेश जारी कर सकेंगे।

यह कदम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पंजाब सरकार पर नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानून का पर्याप्त इस्तेमाल नहीं करने को लेकर की गई आलोचना के बाद सामने आया है। हालांकि, राज्य सरकार के सूत्रों का दावा है कि पिछले महीने तक प्रदेश में इस कानून के तहत सात मामलों में निवारक नजरबंदी के आदेश जारी किए जा चुके थे।

अब तक इस कानून के तहत निवारक नजरबंदी के आदेश जारी करने का अधिकार मुख्य रूप से राज्य के गृह सचिव के पास था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिला स्तर से प्रस्ताव भेजने और मंजूरी मिलने की प्रक्रिया में कई बार महीनों लग जाते थे। इससे आरोपितों के भूमिगत होने या जमानत पर छूटने के बाद दोबारा गतिविधियां शुरू करने की आशंका बनी रहती थी।

नई व्यवस्था से जिला और पुलिस आयुक्तालय स्तर पर वरिष्ठ अधिकारी मामलों की समीक्षा कर नियमानुसार निर्णय ले सकेंगे। इससे प्रशासनिक देरी कम करने और नशा तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ समय पर कार्रवाई करने में मदद मिलने की उम्मीद है।



सरल प्रक्रिया बनाने की मांग

पुलिस अधिकारियों ने निवारक नजरबंदी के प्रस्ताव तैयार करने में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों की ओर भी ध्यान दिलाया है। अधिकारियों के अनुसार, इसके लिए 20 बिंदुओं वाली विस्तृत चेकलिस्ट पूरी करनी पड़ती है, जिससे प्रक्रिया जटिल हो जाती है। उन्होंने सरकार से सरल मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने की मांग की है, ताकि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए मामलों में तेजी लाई जा सके। सरकार के इस फैसले से पंजाब में नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई को गति मिलने की उम्मीद है। अब यह देखना होगा कि नई व्यवस्था के तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी किस तरह इन अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं और नशा तस्करी पर अंकुश लगाने में कितना प्रभावी परिणाम सामने आता है।

पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत निवारक नजरबंदी के अलावा नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। संबंधित कानूनी प्रावधानों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संपत्तियों को जब्त करने, बैंक खातों को फ्रीज करने तथा संपत्ति की कुर्की या जब्ती की कार्रवाई की जा सकती है।

पीजीआई के नाम और लोगो के इस्तेमाल पर सख्ती, मरीजों की निजता सर्वोपरि

कमेटी की रिपोर्ट के बाद तय होगी व्यवस्था, उल्लंघन पर संस्थान करेगा सख्त कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पीजीआई चंडीगढ़ में इंटरनेट मीडिया के इस्तेमाल को लेकर दिशा-निर्देश सख्त करने की तैयारी की जा रही है। संस्थान के नाम और लोगो का इस्तेमाल कर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट साझा करने वाले डाक्टरों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और छात्र संगठनों को निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत संस्थान के नाम और पहचान का उपयोग करने से पहले लिखित अनुमति लेना अनिवार्य किया जा सकता है। इन दिशा-निर्देशों को तैयार करने के लिए कमेटी गठित की गई है। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद ही नियमों को लागू करने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एम्स की तर्ज पर पीजीआई में भी इंटरनेट मीडिया के उपयोग को व्यवस्थित करने की योजना बनाई जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य संस्थान के नाम और पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल पर रोक लगाना तथा इंटरनेट मीडिया पर साझा की जाने वाली सामग्री को लेकर



स्पष्ट व्यवस्था बनाना है। प्रस्तावित नियम छात्रों, रेजिडेंट डाक्टरों, कर्मचारियों और छात्र संगठनों पर भी लागू किए जाने की तैयारी है। इसके तहत संस्थान की पहचान से जुड़ी सामग्री साझा करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

प्रस्तावित दिशा-निर्देशों में मरीजों की निजता और चिकित्सा संबंधी जानकारी की गोपनीयता को विशेष महत्व दिया गया है। संस्थान में उपचार कराने वाले मरीजों की फोटो, व्यक्तिगत जानकारी और इलाज से जुड़े मामलों का विवरण इंटरनेट मीडिया पर साझा करने की अनुमति नहीं होगी।

12 घंटे में हटानी होगी आपत्तिजनक पोस्ट

प्रस्तावित नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई का भी प्रविधान किया गया है। संबंधित व्यक्ति को नोटिस मिलने के 12 घंटे के भीतर आपत्तिजनक या नियमों का उल्लंघन करने वाली पोस्ट हटानी होगी। इसके अतिरिक्त चेतावनी देने से लेकर छात्र संगठन की मान्यता रद करने तक की कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, ये सभी प्रविधान अभी प्रस्तावित हैं और इन्हें लागू करने से पहले कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद संस्थान प्रशासन दिशा-निर्देशों पर अंतिम फैसला लेगा। इसके बाद ही स्पष्ट होगा कि पीजीआई के नाम, लोगो और मरीजों से जुड़ी जानकारी के इस्तेमाल को लेकर कौन से नियम लागू होंगे।

मिठाइयों और दूध की गुणवत्ता परखने उतरी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम



भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। लोगों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापामारी की। इस दौरान मिठाई की तीन दुकानों, एक करियाना स्टोर और डेयरियों का निरीक्षण कर पांच खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इनमें मैगी, रसगुल्ला, मट्ठियां, दूध और बेसन के शामिल हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए खरड़ स्थित प्रयोगशाला में भेजा गया है। कमिश्नर फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन पंजाब कंवलप्रीत कौर बराड़, उपायुक्त दलविन्द्र सिंह और सिविल सर्जन डा. भारती धवन के निर्देशों पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. मनजीत सिंह रटौल के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलप्रीत कौर ने कार्रवाई की। डा. रटौल ने बताया कि जांच में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

गमाडा में पुरानी दरों पर प्लॉट आवंटन 400 करोड़ के नुकसान का अनुमान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में ग्रेटर मोहाली क्षेत्र विकास प्राधिकरण (गमाडा) की विस्थापितों को प्लॉट आवंटित करने की प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के अनुसार, वर्ष 2018 में निर्धारित 25 हजार रुपये प्रति वर्ग गज की दर पर वर्ष 2025-26 तक प्लॉटों के आवंटन पत्र जारी किए जाते रहे, जबकि इस अवधि में दर बढ़कर 65 हजार रुपये प्रति वर्ग गज हो गई थी। जांच एजेंसी ने इससे पंजाब सरकार को करीब 400 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान जताया है।

ईडी के अनुसार, वर्ष 2019 से 2026 के बीच मोहाली की आइटी सिटी के सेक्टर-82 अल्फा और सेक्टर-66 बीटा में विस्थापितों को कुल 441 प्लॉट आवंटित किए गए। इनमें सेक्टर-82 अल्फा के 100 और सेक्टर-66 बीटा के 341 प्लॉट शामिल हैं। इसके



आवंटन प्रक्रिया और सरकारी नुकसान पर उठे सवाल

अलावा 169 आवेदन लंबित हैं। इनमें 39 आवेदन सेक्टर-82 अल्फा और 130 आवेदन सेक्टर-66 बीटा से संबंधित हैं।

जांच में सामने आया कि गमाडा ने समय-समय पर प्लॉटों की दरों में बढ़ोतरी की, लेकिन विस्थापितों के कोटे में पुरानी दरों पर आवंटन जारी रहा। वर्ष 2021-22 में दर 32,500 रुपये, 2022-23 में 39 हजार रुपये, 2023-24 में 42,900 रुपये और 2024-25 में 51,500 रुपये प्रति वर्ग गज निर्धारित की गई थी।

झाड़ियों के धुएं से बेहाल मोहालीवासी, निगम के खिलाफ धरना किया शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। शहर के फेज-5 स्थित सब्जी मंडी में नगर निगम की ओर से फेंकी गई झाड़ियों में पिछले करीब 15 दिनों से आग लगी हुई है। झाड़ियों से लगातार उठ रहे धुएं के कारण आसपास के रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या का समाधान नहीं होने से स्थानीय लोगों में नगर निगम के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। धुएं से परेशान लोगों ने शनिवार को नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धरना शुरू कर दिया। इस दौरान एमसी कुलदीप कंग और फेज-5 वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने समस्या के जल्द समाधान की मांग उठाई। धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि झाड़ियों में लगी आग के कारण लगातार धुआं फैल रहा है, जिससे आसपास के निवासियों का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है। लोगों को राहत दिलाने के लिए नगर निगम को तत्काल कदम उठाने चाहिए।

आवारा बंदर का आतंक, ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर प्रशासन को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, मुल्लांपुर दाखा। लुधियाना जिले के गांव ढट्ट में आवारा बंदर के आतंक से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा शनिवार को फूट पड़ा। बंदर द्वारा बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और पशुओं को काटने की घटनाओं से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। बंदर को पकड़ने के लिए संबंधित विभाग की ओर से उचित कार्रवाई नहीं किए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने लुधियाना-फिरोजपुर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ढट्ट के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि गांव में घूम रहा बंदर लगातार लोगों और पशुओं पर हमला कर रहा है। इससे ग्रामीणों को अपने बच्चों और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। लोगों का कहना है कि बंदर के आतंक से सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है और ग्रामीणों को सतर्क रहकर घरों से बाहर निकलना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग से कई बार कार्रवाई की मांग की, लेकिन बंदर को पकड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे परेशान होकर उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए। बंदर को सुरक्षित तरीके से पकड़कर गांव से दूर ले जाने की व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और किसी अप्रिय घटना की आशंका समाप्त हो।



- **बच्चों, बुजुर्गों और पशुओं पर हमलों से बढ़ी दहशत, बंदर पकड़ने की मांग तेज**

धनशोधन ईडी जांच में फर्जी कंपनियों से रकम आने का खुलासा, राजन कटोदिया से चार दिन पूछताछ करेगी एजेंसी

आईडीएफसी बैंक घोटाला: सावन ज्वेलर्स के खाते में 332 करोड़ संदिग्ध रकम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से जुड़े 645 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सावन ज्वेलर्स के बैंक खाते में बड़े पैमाने पर संदिग्ध लेनदेन का पता लगाया है। जांच एजेंसी के अनुसार, चंडीगढ़ के सेक्टर-35 स्थित सावन ज्वेलर्स के खाते में करीब डेढ़ साल के दौरान 332 करोड़ रुपये की संदिग्ध रकम स्थानांतरित हुई थी। इस मामले में ईडी ने ज्वेलरी कारोबार से जुड़े राजन सिंह कटोदिया को गिरफ्तार किया है।

ईडी की चंडीगढ़ जोनल टीम ने कटोदिया को गिरफ्तार करने के बाद पंचकूला स्थित विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में पेश किया। अदालत ने उन्हें चार दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। अब जांच एजेंसी उनसे संदिग्ध लेनदेन, धनराशि के स्रोत और इस मामले में कथित तौर पर शामिल अन्य लोगों की भूमिका के बारे में पूछताछ करेगी।



राजन सिंह कटोदिया से संदिग्ध लेनदेन के बारे में पूछताछ करेगी ईडी। (सांकेतिक फोटो)

फर्जी कंपनियों के माध्यम से रकम भेजने का आरोप

ईडी की जांच के मुताबिक, सावन ज्वेलर्स के बैंक खाते में छह नवंबर 2024 से 22 फरवरी 2026 के बीच करीब 332 करोड़ रुपये की संदिग्ध धनराशि जमा हुई। एजेंसी का आरोप है कि यह रकम विभिन्न फर्जी कंपनियों और संस्थाओं के माध्यम से खाते तक पहुंचाई गई थी। जांच में इन लेनदेन के वास्तविक उद्देश्य और धन के स्रोत का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ईडी के अनुसार, सावन ज्वेलर्स के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाले कटोदिया ने कथित तौर पर मुख्य आरोपित रिभव ऋषि और अन्य लोगों के साथ मिलकर हरियाणा सरकार तथा चंडीगढ़ प्रशासन के विभिन्न विभागों की धनराशि को ठिकाने लगाने की साजिश में भूमिका निभाई।

ज्वेलरी खरीद में बढ़ोतरी भी जांच के दायरे में

जांच एजेंसी के अनुसार, रिभव ऋषि के साथ कथित गठजोड़ के बाद सावन ज्वेलर्स में आभूषणों की खरीद में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई। ईडी को संदेह है कि कथित अपराध से अर्जित धन को ज्वेलरी की खरीद और अन्य लेनदेन के जरिए खपाने तथा वैध दिखाने का प्रयास किया गया। हालांकि, इन आरोपों की जांच अभी जारी है और आरोपित की दोषसिद्धि अदालत में साबित होना बाकी है। ईडी अब बैंक खातों, कारोबारी दस्तावेजों और संबंधित लेनदेन की कड़ियों की जांच कर रही है। एजेंसी का उद्देश्य यह पता लगाना है कि कथित घोटाले की रकम किन व्यक्तियों और संस्थाओं तक पहुंची तथा इसमें अन्य लोगों की क्या भूमिका रही।

मध्य पूर्व तनाव से सऊदी अरब में फंसे कश्मीर के 34 उमराह यात्री, वापसी की गुहार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। मध्य पूर्व में जारी तनाव और उड़ानें रद्द होने के कारण जम्मू-कश्मीर के 34 उमराह तीर्थयात्री सऊदी अरब में फंस गए हैं। इन यात्रियों को 13 अक्टूबर को घाटी लौटना था, लेकिन उड़ानें प्रभावित होने के कारण उनकी वापसी नहीं हो सकी। लंबे समय तक मक्का और मदीना में रुकने से उनके सामने आर्थिक परेशानियां बढ़ने लगी हैं। यात्रियों के पास उपलब्ध धनराशि कम होने के कारण रहने, खाने और दवाइयों का खर्च उठाना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में तीर्थयात्रियों और उनके परिजनों ने जम्मू-कश्मीर सरकार से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की अपील की है। मक्का में फंसे एक तीर्थयात्री अब्दुल अहद के बेटे मोहम्मद सलीम ने बताया कि उनके पिता और उनके साथ गए अन्य लोगों को लंबे समय तक सऊदी अरब में रुकना पड़ रहा है। इससे उनके ऊपर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। सलीम के अनुसार, उनके पिता ने फोन पर बताया कि उपलब्ध पैसे तेजी से खत्म हो रहे हैं। ऐसे में वापसी होने तक रहने, खाने और दवाइयों का खर्च कैसे पूरा होगा, इसे लेकर चिंता बनी हुई है। परिजनों का कहना है कि तीर्थयात्रियों की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को देखते हुए उनकी सुरक्षित वापसी जल्द सुनिश्चित करना जरूरी है। लंबे समय तक विदेश में फंसे रहने से परिवारों की चिंता भी बढ़ती जा रही है। अफरोजा नामक महिला तीर्थयात्री के परिजनों ने भी उनकी परेशानी का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अफरोजा और उनके समूह के अन्य सदस्यों की वापसी 13 अक्टूबर को निर्धारित थी, लेकिन तनावपूर्ण परिस्थितियों और उड़ानों में व्यवधान के कारण वे वापस नहीं लौट सके। परिजन लगातार उनसे संपर्क बनाए हुए हैं और प्रशासन से मदद की उम्मीद कर रहे हैं। रियाद स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी उड़ान संबंधी जानकारी के अनुसार, इंडिगो की रियाद आने-जाने वाली उड़ानें 31 अक्टूबर, 2026 तक स्थगित रहने की सूचना दी गई है। वहीं, जेद्दाह, दम्माम और मदीना से जुड़ी उड़ानों को 27 अक्टूबर तक रद्द किए जाने की जानकारी सामने आई है।

उड़ानें रद्द होने से आर्थिक संकट परिजनों ने सरकार से मांगी मदद

जम्मू में मिला पीआईए लिखा गुब्बारा, सांबा में पाकिस्तानी मुद्रा संग संदिग्ध कबूतर बरामद

दोनों घटनाओं की जांच में जुटी पुलिस और खुफिया एजेंसियां

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू संभाग में दो अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध गुब्बारा और कबूतर मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। दोमाना के घो मन्हासा इलाके में एक निजी बैंक्वेट हाल के पास पीआईए लिखा जहाजनुमा गुब्बारा मिला, जबकि सांबा जिले के सीमावर्ती गांव मावा में काली माता मंदिर के पास एक संदिग्ध कबूतर बरामद हुआ। कबूतर के पैर में कोड नंबर वाला छल्ला बंधा था। उसके साथ पाकिस्तानी मुद्रा और उर्दू में लिखा एक नोट मिलने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है और संबंधित खुफिया एजेंसियों को भी सूचित किया गया है।



घो मन्हासा में पाकिस्तानी गुब्बारा, मावा में संदिग्ध कबूतर बरामद।

दोमाना पुलिस थाना क्षेत्र के घो मन्हासा इलाके में महावीर बस्ती निवासी एक व्यक्ति ने बैंक्वेट हाल के पास गुब्बारा पड़ा होने की सूचना अधिकारियों को दी। गुब्बारा जहाज के आकार का बताया जा रहा है और उस पर पीआईए लिखा हुआ है। यह क्षेत्र पुलिस चौकी सांदवा के अधिकार क्षेत्र में आता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

गुब्बारे पर लिखे अक्षरों के आधार पर इसे पाकिस्तानी विमानन कंपनी से संबंधित बताया जा रहा है, लेकिन इसके यहां पहुंचने के कारणों और स्रोत के बारे में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गुब्बारा कहां से आया और क्या उस पर कोई अन्य संदेश या संदिग्ध सामग्री मौजूद है। फिलहाल इस मामले में किसी संभावित साजिश की पुष्टि नहीं हुई है।

दूसरी घटना सांबा जिले के सीमावर्ती गांव मावा में सामने आई। यहां काली माता मंदिर के पास स्थानीय लोगों को एक कबूतर मिला, जिसके पैर में प्लास्टिक का छल्ला बंधा हुआ था। छल्ले पर कोड नंबर 03341214150 लिखा होने की जानकारी दी गई है। कबूतर मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कबूतर को अपने कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कबूतर के साथ पाकिस्तानी मुद्रा और उर्दू में लिखा एक नोट भी मिलने की बात सामने आई है।

जम्मू-कश्मीर में परीक्षा नकल मामलों की सुनवाई को विशेष अदालतें गठित



जम्मू और श्रीनगर में होगी त्वरित सुनवाई, लोक परीक्षा अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने परीक्षाओं में नकल और अनुचित साधनों के इस्तेमाल से जुड़े मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए जम्मू और श्रीनगर में विशेष त्वरित अदालतें नामित की हैं। इस संबंध में कानून, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग ने अधिसूचना जारी की है। इसके तहत जम्मू और श्रीनगर के प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालयों को विशेष त्वरित अदालत के रूप में नामित किया गया है। इन अदालतों में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई की जाएगी। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और नकल जैसे मामलों से संबंधित कानूनी कार्रवाई को निर्धारित न्यायिक व्यवस्था के माध्यम से आगे बढ़ाना है। परीक्षाओं में अनुचित साधनों का इस्तेमाल शिक्षा व्यवस्था और चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है। ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें नामित किए जाने से संबंधित मामलों को सुनने के लिए स्पष्ट न्यायिक व्यवस्था उपलब्ध होगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नाम से जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद लिया गया है। इसके तहत दोनों संभागीय मुख्यालयों में संबंधित न्यायालयों को विशेष त्वरित अदालत के रूप में नामित किया गया है। इन अदालतों में कानून के प्रावधानों के अनुसार परीक्षा में अनुचित साधनों के इस्तेमाल से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी। कानून, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के आयुक्त सचिव अचल सेठी ने यह आदेश जारी किया। अधिसूचना की प्रतियां जम्मू-कश्मीर के महाधिवक्ता, गृह विभाग, उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल और जम्मू तथा श्रीनगर में नामित अदालतों सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई हैं।

पुंछ में आतंकी ठिकाने से सात संदिग्ध कंटेनर बरामद, आईईडी की आशंका

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ



जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने से सात कंटेनर बरामद किए हैं। कंटेनरों में विस्फोटक सामग्री होने की आशंका जताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इनमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) हो सकती है। सुरक्षा एजेंसियों ने सभी संदिग्ध वस्तुओं को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, 156 टेरिटोरियल आर्मी से मिली सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने मेंढर तहसील के कसबलारी क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सात कंटेनरों के अलावा एक काला बैग, एक कॉम्बैट पाउच, काले रंग का लोहे का बक्सा, एक मैगजीन, एक एल्युमिनियम कंटेनर, दो पावर एडाप्टर और एक टिफिन भी बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में मैगजीन के 7.62 एमएम एलएमजी से संबंधित होने की आशंका है। हालांकि, बरामद सामग्री की प्रकृति और उपयोग की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

पिछले दस दिनों में पुंछ और राजौरी जिलों में हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी की चार घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे पहले विजयादशमी के दौरान पुंछ में एक मंदिर की छत से ग्रेनेड मिला था, जहां भंडारा चल रहा था। इसके अलावा राजौरी के चोर हिल जंगल क्षेत्र और पुंछ के साब्जियां इलाके में भी संदिग्ध आतंकी ठिकानों से हथियार बरामद किए गए थे। नियंत्रण रेखा के निकट स्थित पुंछ जिले में सुरक्षा बल लगातार निगरानी और तलाशी अभियान चला रहे हैं। एजेंसियां बरामद सामग्री के स्रोत और संभावित इस्तेमाल का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल, किसी बड़े खतरे या बरामद वस्तुओं के इस्तेमाल को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ऑनलाइन मुहूर्त से करवाचौथ बाजार का कारोबार प्रभावित

पंचक से घटी ग्राहकी, आखिरी दिनों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद

भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर



मोबाइल स्क्रीन पर दिखने वाले मुहूर्त अब बाजार की रफ्तार भी तय करने लगे हैं। करवाचौथ के लिए महिलाएं इंटरनेट मीडिया पर चूड़ियों और श्रृंगार सामग्री के नए डिजाइन तलाश रही हैं, वहीं खरीदारी का समय भी ऑनलाइन प्रसारित शुभ-अशुभ मुहूर्त देखकर तय किया जा रहा है। दुकानदारों के अनुसार, इस बार ऑनलाइन मुहूर्त और पंचक के कारण महीनेभर चलने वाला करवाचौथ का कारोबार करीब दो सप्ताह में सिमट गया है। 16 से 21 अक्टूबर के बीच अच्छी बिक्री के बाद पंचक शुरू होते ही ग्राहकों की आवाजाही घट गई। कारोबारियों का अनुमान है कि पिछले साल की तुलना में अब तक बिक्री 40 से 50 प्रतिशत तक प्रभावित हुई है। अब उनकी उम्मीद त्योहार से पहले बचे तीन दिनों पर टिकी है।

चूड़ी और श्रृंगार सामग्री विक्रेताओं का कहना है कि पहले करवाचौथ से करीब दस दिन पहले ही बाजार में भारी भीड़ उमड़ने लगती थी। कई दुकानों पर ग्राहकों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। इस बार शुभ मुहूर्त वाले दिनों में बिक्री अच्छी रही, लेकिन पंचक शुरू होने के बाद ग्राहकों की संख्या कम हो गई। मुखर्जी बाजार और मनियारी की दुकानों वाली लंबी गली में भी पहले जैसी रौनक नजर नहीं आ रही है। दुकानदारों के मुताबिक, अच्छी बिक्री के दौरान कई लोकप्रिय डिजाइन की चूड़ियों का स्टॉक खत्म हो गया था। उन्होंने दोबारा माल मंगवाया, लेकिन सामान पहुंचने तक बाजार में ग्राहकी कम हो चुकी थी। अब उन्हें पंचक समाप्त होने के बाद बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, कारोबारियों का मानना है कि आखिरी तीन दिनों में पूरे सीजन के नुकसान की भरपाई करना मुश्किल होगा।

मोबाइल पर डिजाइन चुन रहे ग्राहक, दुकानदारों को त्योहार से पहले बिक्री बढ़ने का इंतजार

सहेली कॉस्मेटिक के स्वनिल पचियाला के अनुसार, ग्राहक मोबाइल पर चूड़ियों के डिजाइन दिखाकर वैसी ही चूड़ियां मांग रहे हैं। वाटर बैंगल, जेली बैंगल और स्टोन वाली चूड़ियों की मांग बढ़ी है। करीब 30 से 40 प्रतिशत ग्राहक इंटरनेट पर देखे गए डिजाइन के अनुसार खरीदारी करना चाहते हैं। इसके अलावा कुंदन, मोती, सीप, वेलवेट, लाख, धातु और पारंपरिक राजस्थानी व कश्मीरी डिजाइन भी पसंद किए जा रहे हैं।

बांडीपोरा में आतंकी फंडिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार महिलाओं समेत छह गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर के उत्तरी कश्मीर स्थित बांडीपोरा में पुलिस ने कथित आतंकी फंडिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह मॉड्यूल प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन इत्तिहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ा था और कथित तौर पर सीमा पार से धन जुटाने तथा आतंकी-अलगाववादी विचारधारा के प्रचार में सक्रिय था। पुलिस एक मौलवी और दो कथित कूरियरों की तलाश कर रही है।

सीमा पार से आठ लाख रुपए जुटाने का आरोप मौलवी और दो कूरियरों की तलाश जारी

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों में कथित सरगना वहीद अहमद बट, इरफान अहमद रेशी, मुबीना बानो, खुशबू जान, महक जान और आलिया जान शामिल हैं। वहीद अहमद बट उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा क्षेत्र का निवासी है। पुलिस का दावा है कि उसके नेटवर्क के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में कथित तौर पर सीमा पार से धन पहुंचाया जाता था। पुलिस के अनुसार, वहीद अहमद बट को वर्ष 2022 में कुपवाड़ा में एक कथित राष्ट्रविरोधी रैली से जुड़े मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह वर्ष 2024 में रिहा हुआ था। जांच एजेंसी का आरोप है कि जेल में रहते हुए उसने पाकिस्तान स्थित कथित हैंडलर मंजूर अहमद शाह से दोबारा संपर्क स्थापित किया। रिहाई के बाद उसने उत्तरी कश्मीर में गुप्त बैठकें आयोजित कर नेटवर्क का विस्तार किया।

पुलिस के अनुसार, इस मॉड्यूल के जरिए पिछले कुछ समय में महिलाओं के माध्यम से करीब आठ लाख रुपये जुटाए गए। इनमें से लगभग 2.26 लाख रुपये बांडीपोरा के डाचीगाम निवासी मुबीना बानो के जम्मू-कश्मीर बैंक खाते में जमा होने की जानकारी मिली है। शेष राशि कथित तौर पर नकद कूरियर के जरिए पहुंचाई गई। पुलिस इस धनराशि के स्रोत, इस्तेमाल और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

चौआदी में डोगरी भाषा के संरक्षण हेतु जागरूकता रैली आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मातृभाषा डोगरी के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्याना नागरिक मदद सेवा संस्थान चौआदी की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को डोगरी भाषा के महत्व से अवगत करवाया गया और नई पीढ़ी को अपनी मातृभाषा से जोड़ने का संदेश दिया गया। संस्थान की इस पहल का मुख्य उद्देश्य डोगरी भाषा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सहेजने के लिए प्रेरित करना रहा। रैली के दौरान यह संदेश दिया गया कि डोगरी केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि जम्मू की परंपराओं, लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपनी मातृभाषा का सम्मान करना और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर चैंबर अध्यक्ष ने डोगरी भाषा के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि डोगरी का प्रयोग हर घर में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा को जीवंत बनाए रखने के लिए उसका नियमित इस्तेमाल जरूरी है। यदि परिवारों में बच्चे अपनी मातृभाषा में बातचीत करेंगे, तो वे भाषा के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं से भी जुड़े रहेंगे। उन्होंने लोगों से दैनिक जीवन में डोगरी को प्राथमिकता देने और युवाओं को इसके प्रति प्रोत्साहित करने की अपील की। डोगरी भाषा जम्मू की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न अंग है। यहां के लोकगीतों, लोककथाओं, साहित्य और पारंपरिक रीति-रिवाजों में इसका विशेष स्थान है। भाषा के माध्यम से क्षेत्र की ऐतिहासिक स्मृतियां और सामाजिक परंपराएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती हैं।

कठुआ में खनन माफिया पर शिकंजा, पुलिस ने जब्त किए 42 वाहन

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। अवैध खनन और खनिजों की गैरकानूनी ढुलाई के खिलाफ कठुआ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले में 42 वाहन जब्त किए हैं। इनमें 32 डंपर और 10 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां शामिल हैं। पुलिस ने सभी जब्त वाहनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार, थाना कठुआ की टीम ने भागथली, हटली और कठुआ क्षेत्र में बिना वैध अनुमति निर्माण सामग्री ले जा रहे 31 डंपर और दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त कीं। इसके अतिरिक्त बिलावर से तीन, हीरानगर से एक और लखनपुर से चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी गईं। वहीं, बनी क्षेत्र से एक डंपर जब्त किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि कुछ वाहन बिना पंजीकरण नंबर के खनिजों की ढुलाई कर रहे थे। वहीं, कुछ मामलों में ए-फॉर्म से संबंधित नियमों का उल्लंघन भी पाया गया। पुलिस ने सभी वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया है।



जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों की अवहेलना पर कार्रवाई, औषधि रखने वाले व्यक्ति पर मामला दर्ज

उमर अब्दुल्ला सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार का काउंटडाउन शुरू

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को राजभवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद संकेत दिया कि अगले सप्ताह के शुरुआती दो से तीन दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा सकता है। उन्होंने उपराज्यपाल से शपथ ग्रहण समारोह का समय निर्धारित करने का अनुरोध किया है। इस घोषणा के बाद प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में संभावित मंत्रियों के नामों और विभागों में फेरबदल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

फारूक से चर्चा पूरी, उपराज्यपाल तय करेंगे शपथ ग्रहण का समय

मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने बताया कि उपराज्यपाल कुछ दिनों से बाहर थे और उनकी तबीयत भी ठीक नहीं थी। मुख्यमंत्री ने उनका हालचाल जानने के साथ विभिन्न प्रशासनिक और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया में अब शपथ ग्रहण समारोह का समय निर्धारित होना बाकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले सदस्यों की सूची नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के साथ विचार-विमर्श के बाद तैयार की गई है। उनके अनुसार, मंत्रियों के चयन को लेकर निर्णय हो चुका है और अब औपचारिक प्रक्रिया पूरी की जानी है। उमर अब्दुल्ला ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मंत्री पद के लिए बायोडाटा भेजने तथा वाट्सएप के माध्यम से सिफारिशें करने से बचने की अपील भी की।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सऊदी अरब में फंसे जम्मू-कश्मीर सहित अन्य राज्यों के नागरिकों की परेशानी पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उड़ानें रद्द होने और हवाई किराये में भारी बढ़ोतरी से कई लोगों के लिए स्वदेश लौटना मुश्किल हो गया है। इस मामले को विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाया जा रहा है। जिन नागरिकों के पास वापसी का टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त धन नहीं है, उनकी सहायता के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार अपने बजट से आर्थिक मदद उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी।

बारामूला पुलिस की अपील, आपातकाल में फेसबुक नहीं, 112 पर करें कॉल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। आपात स्थिति में सहायता पाने या साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराने के लिए इंटरनेट मीडिया पर संदेश भेजने के बजाय निर्धारित हेल्पलाइन का इस्तेमाल करें। जिला पुलिस बारामूला ने सार्वजनिक सूचना जारी कर नागरिकों से आधिकारिक माध्यमों के जरिए संपर्क करने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि फेसबुक पर भेजे गए संदेश या कमेंट औपचारिक शिकायत का विकल्प नहीं हैं।



पेज सामान्यत: सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक कार्यालय समय में देखा जाता है। हालांकि, कर्मचारियों की उपलब्धता और अन्य आवश्यकताओं के कारण संदेशों तथा टिप्पणियों का जवाब मिलने में देरी हो सकती है। इसलिए तत्काल सहायता की जरूरत होने पर इंटरनेट मीडिया पर प्रतिक्रिया का इंतजार न करें।

शारदीयसाइबर ठगी की शिकायत के लिए 1930 हेल्पलाइन अपनाएं, सोशल मीडिया संदेशों पर निर्भर न रहें

पुलिस के अनुसार, किसी आपात स्थिति, तत्काल खतरे या अपराध की सूचना देने के लिए 112 नंबर पर कॉल करें। वहीं, साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के लिए 1930 हेल्पलाइन का उपयोग किया जा सकता है। नागरिक आधिकारिक ईमेल के माध्यम से भी पुलिस से संपर्क कर सकते हैं।

पुलिस ने बताया कि उसका फेसबुक पेज केवल सूचना साझा करने के लिए है। जिला पुलिस ने नागरिकों को सलाह दी है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए नजदीकी पुलिस थाने या पुलिस चौकी पहुंचें अथवा संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क करें। साथ ही, फेसबुक और अन्य इंटरनेट माध्यमों पर ओटीपी, पासवर्ड, निजी दस्तावेज या संवेदनशील जानकारी साझा करने से बचें।

लखनपुर में गोवंश तस्करी के दो प्रयास नाकाम, 55 गोवंश मुक्त, दो गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। कठुआ पुलिस ने लखनपुर टोल प्लाजा क्षेत्र में गोवंश तस्करी के दो प्रयासों को विफल करते हुए 55 गोवंश को मुक्त करवाया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे दो ट्रकों को जब्त किया। दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाका जांच के दौरान पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहे ट्रक नंबर आरजे11जीबी-2128 को रोका गया। तलाशी में ट्रक से 30 गोवंश बरामद हुए। पुलिस ने मोहम्मद फरीद निवासी मढ़, जम्मू और मोहम्मद मुजम्मिल निवासी यासीन एकता कॉलोनी, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में लखनपुर थाने में प्राथमिकी संख्या 140/2026 दर्ज की गई है। दूसरी कार्रवाई में ट्रक नंबर एचआर67बी-3704 से 25 गोवंश बरामद किए गए। पुलिस को देखकर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। ट्रक जब्त कर प्राथमिकी संख्या 145/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार चालक की तलाश जारी है।

नवंबर में वैष्णो देवी यात्रा के लिए चुनें पारंपरिक और हिमकोटी मार्ग

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। नवरात्र समाप्त होने के बाद माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ कम होने लगी है। ऐसे में नवंबर का महीना यात्रा की योजना बनाने वालों के लिए अनुकूल माना जा सकता है। इस दौरान न अधिक गर्मी होती है और न ही बरसात की परेशानी। हालांकि, यात्रा पर निकलने से पहले मौसम की जानकारी लेना जरूरी है।



पारंपरिक मार्ग पर सुविधाएं अधिक, हिमकोटी रास्ते पर मिलते हैं प्राकृतिक नजारे

कटड़ा से माता के भवन तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को मुख्य रूप से दो मार्गों का विकल्प मिलता है। इनमें पारंपरिक मार्ग और नया हिमकोटी मार्ग शामिल हैं। दोनों रास्तों की अपनी विशेषताएं हैं। श्रद्धालु अपनी सुविधा, शारीरिक क्षमता और यात्रा के अनुभव के अनुसार मार्ग चुन सकते हैं।

पारंपरिक मार्ग दर्शनी ड्योढ़ी से शुरू होकर बाणगंगा, चरणपादुका, अर्धकुंवारी और सांझी छत होते हुए माता के भवन तक पहुंचता है। इस रास्ते पर दुकानें, भोजनालय और अन्य सुविधाएं अधिक उपलब्ध हैं। पहली बार यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह मार्ग सुविधाजनक हो सकता है। यहां से अर्धकुंवारी गुफा के दर्शन करने का अवसर भी मिलता है। हालांकि, इस रास्ते पर भीड़ अधिक रहती है और घोड़े, पालकी तथा पिट्ठू की आवाजाही के कारण कई बार यात्रा में परेशानी हो सकती है।

हिमकोटी मार्ग बाणगंगा से पहले शुरू होता है। यह पारंपरिक मार्ग की तुलना में चौड़ा और अपेक्षाकृत शांत है। इस रास्ते पर घोड़ों और पालकियों की आवाजाही नहीं होती, जिससे पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलती है। यहां से पहाड़ों और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद भी लिया जा सकता है।

डॉ. सज्जन सिंह यादव होंगे जम्मू-कश्मीर के नए मुख्य सचिव, एक नवंबर से संभालेंगे कार्यभार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के प्रशासनिक नेतृत्व में बदलाव तय हो गया है। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. सज्जन सिंह यादव को केंद्र शासित प्रदेश का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से 24 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, उनकी नियुक्ति एक नवंबर से अथवा कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगी। वह मौजूदा मुख्य सचिव अटल डुल्लू का स्थान लेंगे, जिनकी सेवानिवृत्ति इसी महीने के अंत में निर्धारित है। डॉ. यादव 1995 बैच के एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी हैं। उन्हें दिल्ली से जम्मू-कश्मीर स्थानांतरित किया गया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था और निर्वाचित सरकार के साथ नौकरशाही के समन्वय को लेकर चर्चा चल रही है। अटल डुल्लू को जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की संभावना को लेकर भी प्रशासनिक हलकों में चर्चा है। आयोग का अध्यक्ष पद पिछले दो महीने से अधिक समय से रिक्त है। हालांकि, डुल्लू की इस पद पर नियुक्ति को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। डुल्लू के कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार और प्रशासनिक तंत्र के बीच समन्वय को लेकर कई बार सवाल उठे। राज्य का दर्जा बहाल करने से संबंधित प्रस्ताव पर विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्य सचिव की ओर से विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखे जाने के बाद भी विवाद सामने आया था। मुख्यमंत्री ने इस घटनाक्रम पर नाराजगी जताई थी। डॉ. सज्जन सिंह यादव के सामने विभिन्न विभागों के कामकाज में समन्वय बनाए रखने, प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावी ढंग से लागू करने और निर्वाचित सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप कामकाज सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी। उनके कार्यभार संभालने के बाद प्रशासन और सरकार के बीच तालमेल को लेकर उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

दलेर मेहंदी

प्रकरण : कलाकारों से दोस्ती बड़ी या उत्तराखंड की जनता का सम्मान?



क्या कुंजापुरी प्रकरण में सरकार जनता की भावनाओं का जवाब दे पाएगी?

उत्तराखंड की देवभूमि में दलेर मेहंदी प्रकरण अब केवल एक कलाकार के मंचीय व्यवहार या मंत्री की टिप्पणी तक सीमित नहीं रह गया है। यह सवाल प्रदेश की जनता के सम्मान, धार्मिक आयोजनों की गरिमा और सरकार की जवाबदेही से भी जुड़ गया है।

कुंजापुरी के धार्मिक मेले में जो कुछ हुआ, उसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दलेर मेहंदी और मीका सिंह को अपना मित्र बताना तथा विवाद को संवाद के माध्यम से समाप्त करने की बात कहना चर्चा का विषय बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने कलाकारों के सम्मान और प्रदेश की अतिथि-सत्कार परंपरा पर भी जोर दिया है। दूसरी ओर, मीका सिंह ने अपने भाई के साथ हुए व्यवहार पर आपत्ति जताई और सार्वजनिक माफी की मांग उठाई।

बॉलीवुड कलाकार एकजुट, लेकिन क्या उत्तराखंड की सरकार एकजुट है?

दलेर मेहंदी प्रकरण में मीका सिंह अपने भाई के समर्थन में खड़े दिखाई दिए, वहीं मनोरंजन जगत की कई हस्तियों ने भी दलेर मेहंदी का पक्ष लिया। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दलेर मेहंदी और मीका सिंह से बातचीत कर विवाद को पीछे छोड़ने की अपील की।

लेकिन सवाल यह है—जब बॉलीवुड कलाकार अपने साथी के सम्मान के लिए एकजुट हैं, तो क्या उत्तराखंड की सरकार भी इस प्रकरण में एक स्पष्ट और साझा रुख अपना पा रही है?

क्या सरकार की प्राथमिकता केवल कलाकारों के साथ विवाद समाप्त करना है, या कुंजापुरी मेले में मौजूद जनता की भावनाओं और **धार्मिक आयोजन की गरिमा पर भी उतनी ही गंभीरता से विचार किया जा रहा है?**

कलाकारों के सम्मान के साथ उत्तराखंड की जनता का सम्मान भी जरूरी है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस पूरे प्रकरण से क्या सबक लिया गया और भविष्य में ऐसे आयोजनों की गरिमा बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

आखिर सवाल यही है—



विकास बलूनी

एआई निर्मित चित्र।

बॉलीवुड अपने कलाकार के साथ खड़ा है, उत्तराखंड की जनता के सम्मान के साथ कौन खड़ा है?

क्या उत्तराखंड में कलाकारों की कमी है, या सरकार को अपने कलाकारों पर भरोसा नहीं?

जिस उत्तराखंड की पहचान नरेंद्र सिंह नेगी, प्रीतम भरतवाण, मीना राणा, हेमा नेगी करासी और अनेक लोक कलाकारों से है, क्या उसी देवभूमि में बड़े आयोजनों के लिए बाहरी सितारों पर निर्भर रहना जरूरी है?

जब प्रदेश में अपनी लोकसंस्कृति, लोकगीत, जागर, पांडव नृत्य और पारंपरिक संगीत को जीवित रखने वाले प्रतिभाशाली कलाकार मौजूद हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि उन्हें कितने बड़े मंच, कितना पारिश्रमिक और कितनी प्राथमिकता मिलती है।

देवभूमि के कलाकारों को केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शोभा नहीं, बल्कि सम्मानजनक रोजगार और अपनी प्रतिभा दिखाने का वास्तविक अवसर भी मिलना चाहिए।

अब सरकार को बताना चाहिए—उत्तराखंड की लोकप्रतिभा को प्राथमिकता देने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल प्रदेश में रोजगार की स्थिति और चुनौतियां

हिमाचल प्रदेश रोजगार के क्षेत्र में एक विशिष्ट लेकिन चुनौतीपूर्ण स्थिति प्रस्तुत करता है। राज्य की अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि, बागवानी, पर्यटन और सेवा क्षेत्र पर आधारित है, जहां लगभग 60-65 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि एवं बागवानी गतिविधियों में संलग्न है। सेब उत्पादन, जिसे अक्सर एप्पल इकोनॉमी कहा जाता है, राज्य में आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 55-60 प्रतिशत है, जबकि उद्योगों का योगदान 25-27 प्रतिशत और कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 13-15 प्रतिशत है, जो यह दर्शाता है कि रोजगार के अवसरों का झुकाव सेवा क्षेत्र की ओर अधिक है।

यदि बेरोजगारी की स्थिति पर नजर डालें, तो आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर लगभग 5.8 प्रतिशत दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। विशेष रूप से युवाओं (15-29 वर्ष) में बेरोजगारी दर 15-18 प्रतिशत के बीच है, जो एक गंभीर सामाजिक-आर्थिक चुनौती को दर्शाती है। राज्य के रोजगार कार्यालयों के अनुसार, वर्ष 2024 तक लगभग 8 से 9 लाख शिक्षित बेरोजगार पंजीकृत हैं, जिनमें से बड़ी संख्या स्नातक और परास्नातक स्तर के युवाओं की है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि शिक्षा और रोजगार के अवसरों के बीच संतुलन अभी भी स्थापित नहीं हो पाया है।

सरकारी क्षेत्र में रोजगार की स्थिति पारंपरिक रूप से मजबूत रही है, और हिमाचल प्रदेश में सरकारी नौकरियों को अत्यधिक सुरक्षित और प्रतिष्ठित माना जाता है। वर्तमान में राज्य सरकार में लगभग 2.25 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं, लेकिन वित्तीय सीमाओं के कारण नई भर्तियों की गति अपेक्षाकृत धीमी रही है। इसके स्थान पर संविदा और आउटसोर्सिंग आधारित नियुक्तियों में वृद्धि देखी गई है, जिससे स्थायी रोजगार के अवसरों में कमी आई है। यह प्रवृत्ति युवाओं के बीच असंतोष का कारण भी बन रही है।



एआई निर्मित चित्र।



विशाल कल्याण

निजी क्षेत्र में औद्योगिक विकास मुख्यत: बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र तक सीमित है, जिसे एशिया के प्रमुख फार्मास्यूटिकल हब के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र में लगभग 40,000 से अधिक औद्योगिक इकाइयां संचालित हो रही हैं, जो करीब 3 से 4 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं। हालांकि, राज्य के अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में औद्योगिक विकास का अभाव है, जिससे क्षेत्रीय असमानता उत्पन्न होती है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सीमित रहते हैं। पर्यटन क्षेत्र हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार का एक प्रमुख आधार है। वर्ष 2023 में राज्य में लगभग 1.6 करोड़ पर्यटकों का आगमन हुआ, जिससे सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 8 से 10 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ। शिमला, मनाली, धर्मशाला और डलहौजी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल होटल उद्योग, ट्रैवल सेवाओं, गाइडिंग, परिवहन और स्थानीय हस्तशिल्प के माध्यम से व्यापक रोजगार अवसर उत्पन्न करते हैं। हालांकि, यह रोजगार अधिकांशत: मौसमी होता है, जिससे आय की स्थिरता एक चुनौती बनी रहती है।

स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी हिमाचल प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी पहलों के माध्यम से युवाओं को वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान की जा रही है। वर्ष 2023-24 में लगभग 25,000 से अधिक युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं का लाभ मिला, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही, आईटी, एग्री-बिजनेस और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप संस्कृति भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

चंबा में जल संकट की निवारक सुही माता त्याग और बलिदान की प्रतीक

हिमाचल प्रदेश की पवित्र धरती अपनी देवपरंपरा, लोक विश्वास और त्याग-बलिदान की अमर कथाओं के लिए प्रसिद्ध रही है। इन्हीं में से एक अत्यंत प्रेरणादायक कथा है सुही माता के बलिदान की, जो नारी शक्ति, मातृत्व और समाज के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

नारी शक्ति और त्याग की अमर गाथा है सुई माता



एआई निर्मित चित्र।

बहुत समय पहले हिमालय की गोद में बसा चंबा नगर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता था। इसकी स्थापना राजा साहिल वर्मन ने की थी, जो एक न्यायप्रिय और प्रजावत्सल शासक थे। राज्य में शांति और समृद्धि थी, परंतु समय के साथ एक गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई-घ्यानी की कमी। धीरे-धीरे जल स्रोत सूखने लगे, कुएं खाली हो गए और नदियों का जल नगर तक नहीं पहुंच पा रहा था। लोग पीने के पानी के लिए दूर-दूर भटकने लगे। इस संकट का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं और किसानों पर पड़ा। महिलाएं घंटों पानी ढोने में लगी रहतीं, खेत सूखने लगे और पशु-पक्षी भी प्यास से व्याकुल हो गए। पूरा नगर संकट में डूब गया। राजा ने समस्या के समाधान के लिए कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी उपाय सफल नहीं हो सका। राजा दिन-रात इसी चिंता में डूबे रहते कि उनकी प्रजा इस संकट से कैसे उबरेगी। राजा ने विद्वान ज्योतिषियों और तांत्रिकों को भी बुलाया, परंतु सब व्यर्थ रहा।

अंतत: रात के समय जब राजा सो रहे थे तो उन्हें एक स्वप्न हुआ जिसमें एक चौंकाने वाली बात सामने आई कि यदि चंबा नगर में स्थायी रूप से जल लाना है, तो इसके लिए एक महान बलिदान आवश्यक होगा। यह बलिदान राजपरिवार की किसी महिला का होना चाहिए। यह सुनते ही पूरा दरबार स्तब्ध रह गया। राजा के लिए यह निर्णय अत्यंत कठिन था। वे अपनी प्रजा को बचाना चाहते थे, लेकिन किसी अपने को बलिदान देना उनके लिए असंभव जैसा था। राजा साहिल वर्मन की रानी सुही अत्यंत धर्मपरायण, दयालु और साहसी थीं। वे अपनी प्रजा को परिवार के समान मानती थीं। जब उन्हें यह ज्ञात हुआ कि जल संकट दूर करने के लिए किसी पवित्र आत्मा के बलिदान की आवश्यकता है, तो उन्होंने इसे अपना कर्तव्य समझा। उनके मन में एक ही विचार था-यदि उनके त्याग से हजारों लोगों का जीवन बच सकता है, तो यह सर्वोच्च धर्म होगा। उन्होंने दृढ़ता से राजा से कहा, 'महाराज, प्रजा का जीवन हमारे जीवन से अधिक महत्वपूर्ण है। यदि मेरे बलिदान से यह संकट समाप्त होता है, तो मैं स्वयं को समर्पित करती हूं।'

राजा स्तब्ध रह गए और उन्हें समझाने का प्रयास किया, परंतु रानी अपने निर्णय पर अडिग रहीं। यह केवल साहस नहीं, बल्कि मातृत्व और कर्तव्य के बीच कठिन संघर्ष का उदाहरण था। उनका एक छोटा पुत्र भी था, जिसे छोड़ना उनके लिए अत्यंत पीड़ादायक था, फिर भी उन्होंने राज्य के भविष्य को प्राथमिकता दी। निर्धारित दिन रानी ने स्नान, पूजा और ईश्वर से प्रार्थना की। सादगी धारण कर वे उस स्थान पर पहुंचीं जहां जल स्रोत लाने का कार्य चल रहा था। पूरे नगर में शोक और श्रद्धा का वातावरण था। अंतिम प्रार्थना के साथ उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया।



सुभाष चंद कासव

कहते हैं, उसी क्षण वहां से जलधारा फूट पड़ी और चंबा नगर को जीवनदान मिला। सूखे स्रोत फिर बहने लगे और लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई। रानी सुही को देवी के रूप में पूजने लगे और वह 'सुही माता' के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

आज भी चंबा में सुही माता मंदिर आस्था का केंद्र है। हर वर्ष बैसाखी के अवसर पर सुही मेला आयोजित होता है, जिसमें विशेष रूप से महिलाएं भाग लेती हैं, लोकगीत गाए जाते हैं और उनके बलिदान को याद किया जाता है। यह मेला नारी शक्ति, त्याग और समर्पण का जीवंत प्रतीक है। सुही माता की कथा हमें सिखाती है कि सच्ची महानता दूसरों के लिए जीने में है। त्याग, कर्तव्य और प्रेम ही जीवन के सर्वोच्च मूल्य हैं, और यही संदेश इस अमर गाथा को सदियों से प्रेरणादायक बनाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'जागृति' अर्थात स्वयं की ओर एक कदम



एआई निर्मित चित्र।



डॉ अंकिता चौधरी

जागृति केवल नींद से जागने का नाम नहीं, बल्कि अज्ञान से ज्ञान, अहंकार से विनम्रता और भेदभाव से मानवता की ओर बढ़ने की यात्रा है। जब मनुष्य अपने भीतर झांककर जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने का प्रयास करता है, तब आध्यात्मिक जागरण की शुरुआत होती है। संत निरंकारी मिशन के 79वें वार्षिक संत समागम की इस वर्ष की थीम 'जागृति' इसी आत्मबोध और चेतना के संदेश को सार्थक बनाती है।

आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उसके पास सुविधाएं, संसाधन और संवाद के अनेक माध्यम हैं, फिर भी मानसिक अशांति, असंतोष और आपसी दूरियां बनी हुई हैं। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि हम संसार को समझने में अधिक समय लगाते हैं, लेकिन स्वयं को समझने का प्रयास कम करते हैं। आध्यात्मिक जागृति हमें अपने जीवन के उद्देश्य पर विचार करने की प्रेरणा देती है। क्या जीवन का उद्देश्य केवल धन, प्रतिष्ठा और सफलता प्राप्त करना है, या प्रेम, करुणा, संतोष और विवेक जैसे मानवीय गुणों को विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है?

वास्तविक जागरण तब संभव होता है, जब मनुष्य दूसरों की कमियां खोजने के बजाय अपने विचारों और व्यवहार का आत्ममंथन करना शुरू करता है। संत निरंकारी मिशन की आध्यात्मिक विचारधारा निराकार परमात्मा के बोध और मानव मात्र की एकता पर बल देती है। मिशन के अनुसार, ब्रह्मज्ञान मनुष्य को परमात्मा की अनुभूति के साथ जीवन को व्यापक दृष्टि से देखने की प्रेरणा देता है। जब मनुष्य इस एकत्व को समझता है, तो बाहरी भिन्नताओं के बावजूद दूसरों के प्रति सम्मान, स्वीकार्यता और करुणा का भाव विकसित होता है।

आध्यात्मिकता केवल सत्संग सुनने या धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक प्रभाव हमारे दैनिक जीवन में दिखाई देना चाहिए। यदि हमारे विचारों में विनम्रता, वाणी में मधुरता और कर्मों में सेवा का भाव नहीं है, तो हमें अपने आध्यात्मिक अनुभवों पर पुनर्विचार करना चाहिए। आज समाज को ऐसी जागृति की आवश्यकता है, जो जाति, धर्म, भाषा और आर्थिक स्थिति के आधार पर बने भेदभाव को कम करने में योगदान दे।

किसी भूखे को भोजन देना, निराश व्यक्ति को आशा देना, बुजुर्गों का सम्मान करना और जरूरतमंद की सहायता करना भी आध्यात्मिक चेतना की अभिव्यक्तियां हैं। जब सेवा किसी पुरस्कार, प्रशंसा या व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा के बिना की जाती है, तब वह मानवता को मजबूत करती है। संत निरंकारी मिशन की सेवा-परंपरा में रक्तदान, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और सामाजिक सहायता जैसी गतिविधियां आध्यात्मिकता को व्यवहार से जोड़ने के उदाहरण हैं। प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी जागृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पर्यावरण की रक्षा, जल का संरक्षण और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। जब आध्यात्मिक समझ हमारे आचरण में उतरती है, तब उसका लाभ केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे समाज को मिलता है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

कविता

'कहां हो कैसे हो'

नमिता शर्मा, शिक्षिका

कहां हो कैसे हो
कुछ तो बताओ
कभी तो
मेरा फोन उठाओ
अपने बाग बगीचे देखने के
बहाने ही आओ
बच्चों का हाल ही
सही पूछने तो आओ
अच्छा चलो यूं करते हैं,
एक संडे रखते हैं
कुछ मैं कहूं
कुछ तुम सुनाओ
बहुत कुछ सुनाना है
बच्चों को भी
कभी उनका
भी तो हाल पूछो
कैसे इतनी बड़ी दुनिया में संभालती हैं
अपने को
कोई तो दिलासा
हिम्मत दे जाओ
कहां हो कैसे हो
कुछ तो बताओ
कभी ख्यालों में ही
सही आ कर मुस्कुराओ

संपादकीय

मंदिरों की सुरक्षा पर सवाल

हाल में भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्ली नफरत से जुड़े सवाल पर यह कहकर किनारा किया कि हर देश में कुछ मूर्ख लोग होते हैं। लेकिन इलिनाय के आरोरा में श्री वेंकटेश्वर स्वामी यानी बालाजी मंदिर को निशाना बनाने की कथित साजिश का खुलासा बताता है कि मामला केवल कुछ लोगों की मूर्खता तक सीमित नहीं है। यह घटना अमेरिका में हिंदू समुदाय के प्रति बढ़ती नफरत और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चिंता को सामने लाती है।

इस मामले में आरोपित एलेक्जेंड्रोस पापोरकिस पर भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक बड़े धार्मिक आयोजन को निशाना बनाने की योजना बनाने का आरोप है। वह राइफल लेकर मंदिर पहुंचा, लेकिन हथियार जाम होने के कारण कथित तौर पर अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सका। उसके घर से श्वेत वर्चस्ववादी घोषणापत्र और नाजी सामग्री मिलने की बात भी सामने आई। यह प्रकरण उन आशंकाओं को मजबूत करता है, जिनके बारे में भारतीय-अमेरिकी समुदाय लंबे समय से चेतावनी देता रहा है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों के खिलाफ घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। यूटा के स्पेनिश फोर्क स्थित इस्कान मंदिर में गोलीबारी और न्यूयार्क के मेलविले स्थित स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ जैसी घटनाओं ने चिंता बढ़ाई है। कैलिफोर्निया के फ्रीमोंट और हेवर्ड में मंदिरों पर हिंदू-विरोधी नारे लिखे जाने की घटनाएं भी इसी समस्या की ओर संकेत करती हैं। धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना केवल संपत्ति को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि किसी समुदाय की आस्था और सुरक्षा की भावना पर हमला है।

इन घटनाओं पर राजनीतिक नेतृत्व और मीडिया की प्रतिक्रिया भी विचारणीय है। दूसरे समुदायों के खिलाफ धार्मिक या नस्ली घृणा की घटनाओं पर जिस तरह तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिलती है, वैसी प्रतिक्रिया हिंदू संस्थानों पर हमलों के मामलों में हमेशा दिखाई नहीं देती। कई बार इन्हें छिटपुट घटनाएं मानकर छोड़ दिया जाता है। यदि किसी समुदाय के खिलाफ नफरत को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, तो दोषियों का मनोबल बढ़ने और पीड़ितों में असुरक्षा की भावना गहराने का खतरा बना रहेगा।

हिंदू समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह का एक कारण यह धारणा भी हो सकती है कि आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सफल समूहों को भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता। भारतीय-अमेरिकी समुदाय शिक्षा, चिकित्सा, तकनीक और व्यवसाय सहित अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर चुका है। लेकिन सामाजिक सफलता किसी व्यक्ति या समुदाय को नस्ली अथवा धार्मिक नफरत से सुरक्षा की गारंटी नहीं देती। आर्थिक अनिश्चितता और राजनीतिक लोकलुभावनवाद के दौर में प्रवासियों की उपलब्धियों को कुछ लोग अपने अवसरों के लिए खतरे के रूप में प्रस्तुत करते हैं। इससे भारतीय मूल के लोगों के प्रति असंतोष और शत्रुता बढ़ सकती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रह भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। हिंदू धर्म की परंपराओं, देवी-देवताओं और मूर्ति पूजा के बारे में सीमित जानकारी रखने वाले लोग कई बार गलत धारणाओं के आधार पर प्रतिक्रिया देते हैं। टेक्सास के शुगरलैंड में भगवान हनुमान की 90 फीट ऊंची प्रतिमा को लेकर हुए विरोध ने भी इस बहस को चर्चा में ला दिया था। धार्मिक विविधता को स्वीकार करने के बजाय किसी की आस्था को हीन या भयावह बताना सामाजिक सहिष्णुता के विरुद्ध है।

अमेरिकी राजनीति और सार्वजनिक विमर्श में भी धार्मिक पहचान को लेकर सवाल उठते रहे हैं। भारतीय मूल के नेता विवेक रामास्वामी के हिंदू होने पर सवाल उठाना और जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस के धार्मिक विश्वासों को लेकर बहस करना इस बात की याद दिलाता है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीतिक स्वीकार्यता की कसौटी नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी तरह विश्वविद्यालयों, मीडिया और सामाजिक मंचों पर भारत की नीतियों की आलोचना और हिंदू धर्म के प्रति पूर्वाग्रह के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना आवश्यक है। किसी सरकार की आलोचना को पूरे धर्म या समुदाय के प्रति घृणा में बदलना उचित नहीं है।

डिजिटल माध्यमों ने भी इस चुनौती को बढ़ाया है। इंटरनेट पर भ्रामक सूचनाएं, धार्मिक रूढ़ियां और संगठित नफरत फैलाने वाले अभियान तेजी से प्रसारित हो सकते हैं। इससे ऐसे लोग भी प्रभावित हो सकते हैं, जिन्हें हिंदू धर्म और भारतीय समुदाय की विविधता के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। इसलिए जागरूकता, जिम्मेदार पत्रकारिता और सामाजिक संवाद की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

अमेरिका में हिंदू समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से सुनना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना वहां के प्रशासन की जिम्मेदारी है। धार्मिक स्थलों पर हमलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और घृणा अपराधों की स्पष्ट पहचान जरूरी है। साथ ही, हिंदू-विरोधी नफरत की निंदा भी उसी दृढ़ता से होनी चाहिए, जिस दृढ़ता से यहूदी-विरोध और अन्य प्रकार के धार्मिक भेदभाव का विरोध किया जाता है। इलिनाय की घटना चेतावनी है कि किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत को मामूली मानना भविष्य में गंभीर परिणाम ला सकता है। मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की बात करने वाले अमेरिका की विश्वसनीयता इसी में है कि वह इन मूल्यों को सभी समुदायों के लिए समान रूप से लागू करे।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

मधुर आवाज से बनाई पहचान

शक्तिश्री गोपालन भारतीय संगीत जगत की एक प्रतिभाशाली गायिका, पार्श्व गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं। उनका जन्म 25 अक्टूबर 1988 को केरल के कोच्चि में हुआ था। अपनी मधुर आवाज, संगीत की विविध शैलियों पर पकड़ और रचनात्मक प्रतिभा के कारण उन्होंने संगीत की दुनिया में अलग पहचान बनाई है। दक्षिण भारतीय संगीत जगत में उनका योगदान उल्लेखनीय माना जाता है। उन्होंने गायन के साथ-साथ गीत लेखन और संगीत रचना के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।



शक्तिश्री गोपालन
जन्म : 25 अक्टूबर 1988

शक्तिश्री गोपालन की संगीत यात्रा उनकी मेहनत, लगन और कला के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई और आधुनिक संगीत की सहजता दिखाई देती है। वह अलग-अलग संगीत शैलियों के साथ प्रयोग करने के लिए जानी जाती हैं। उनकी गायकी में शास्त्रीय संगीत की बारीकियों के साथ समकालीन संगीत का प्रभाव भी देखने को मिलता है। इसी विशेषता के कारण उनकी प्रस्तुतियां श्रोताओं को आकर्षित करती हैं।

पार्श्व गायिका के रूप में उन्होंने फिल्मों के लिए गीत गाकर अपनी पहचान को व्यापक बनाया है। भारतीय फिल्म संगीत में पार्श्व गायन का विशेष महत्व है, क्योंकि गायक की आवाज पर्दे पर कलाकार के भावों और कहानी को प्रभावशाली बनाने में मदद करती है। शक्तिश्री गोपालन अपनी आवाज के माध्यम से गीतों में भावनात्मक गहराई लाने का प्रयास करती हैं। उनकी संगीत संबंधी रुचि केवल गायन तक सीमित नहीं है, बल्कि गीतों की रचना और संगीत तैयार करने में भी उनकी दिलचस्पी रही है।

25 अक्टूबर को जन्म लेने वाली शक्तिश्री गोपालन की राशि वृश्चिक बताई जाती है। हालांकि, उनकी वास्तविक पहचान उनकी जन्मतिथि या राशि से अधिक उनकी संगीत प्रतिभा और रचनात्मक उपलब्धियों से जुड़ी है। संगीत के प्रति उनका दृष्टिकोण उन्हें विभिन्न प्रयोग करने और अपनी कला को नए रूपों में प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करता है।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437

ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी के आसार लाहौल स्पीति में माइनस में पहुंचा पारा

शिमला-मनाली में धूप के बीच बढ़ी ठंड, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ गिरने की संभावना

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से शनिवार शाम से प्रदेश के सात जिलों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के कुछ क्षेत्रों में मौसम बदल सकता है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और अन्य स्थानों पर बारिश होने के आसार हैं। रविवार को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में भी मौसम खराब रह सकता है। हालांकि, विभाग ने फिलहाल कोई अलर्ट या चेतावनी जारी नहीं की है। इसके बाद 26 से 30 अक्टूबर तक प्रदेशभर में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। शनिवार सुबह राजधानी शिमला और मनाली सहित आसपास के क्षेत्रों में धूप खिली रही, लेकिन शाम को



पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में बदलाव आने की संभावना जताई गई है।

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा है। यहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंचने के कारण सुबह और रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शनिवार को कुकुमसेरी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान माइनस 0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केलंग में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री और ताबो में 0.9 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, किन्नौर के कल्पा में तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम में संभावित बदलाव के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड और बढ़ने की आशंका है। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में घूमने आने वाले पर्यटकों को भी मौसम के पूर्वानुमान पर नजर रखने की जरूरत है।

कई शहरों में सुबह शाम बढ़ी ठंड

प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी न्यूनतम तापमान में अंतर दर्ज किया गया। सोलन में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री, सिओबाग में 8.2 डिग्री, कुफरी में 8.5 डिग्री, बजौरा में 9.1 डिग्री और भुंतर में 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा। सुंदरनगर में तापमान 10.5 डिग्री, जबकि शिमला, पालमपुर और भरमौर में 11.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जुब्बड़हट्टी में न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री, मंडी में 12.1 डिग्री, चंबा में 12.8 डिग्री और देहरा गोपीपुर में 13.0 डिग्री रहा। बिलासपुर में 13.5 डिग्री, धर्मशाला में 13.6 डिग्री, कांगड़ा में 13.8 डिग्री और ऊना में 14.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बरठीं में पारा 14.1 डिग्री, नाहन में 14.7 डिग्री, नेरी में 16.1 डिग्री, सराहन में 17.1 डिग्री और पांवटा साहिब में 18.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार 26 अक्टूबर से मौसम साफ होने की संभावना है, जिससे प्रदेशवासियों को राहत मिल सकती है।

हिमाचल में अपनी सरकार, फिर लोकतंत्र खतरे में कैसे : इंदर गांधी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बल्ह विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंदर सिंह गांधी ने मंडी में कांग्रेस की ओर से आयोजित 'वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को पहले स्पष्ट करना चाहिए कि वे किस लोकतंत्र को बचाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। यदि पार्टी देश की चुनावी व्यवस्था और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है, तो उसे यह भी बताना चाहिए कि हिमाचल प्रदेश में उसकी सरकार किस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत बनी।



◆ कांग्रेस पहले अपनी सरकार के विकास कार्यों और चुनावी गारंटियों का हिसाब दे: गांधी

गांधी ने कहा कि वर्ष 2022 में प्रदेश की जनता ने संवैधानिक चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से कांग्रेस को जनादेश दिया था और सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बने। अब उसी चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाना विरोधाभास है। उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस की जीत लोकतंत्र की जीत और भाजपा की जीत लोकतंत्र के लिए खतरा है?

विधायक ने पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह सहित प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेताओं से सवाल किया कि प्रदेश में अपनी सरकार होने के बावजूद वे उपलब्धियां गिनाने और जनता को जवाब देने के बजाय राजनीतिक प्रदर्शनों में क्यों व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को तीन वर्षों के विकास कार्यों और चुनावी गारंटियों का हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए।

गांधी ने कहा कि हिमाचल में रोजगार, आर्थिक स्थिति, विकास कार्यों की गति और चुनावी वादों को लेकर जनता के सवाल हैं। सरकार को इन मुद्दों पर ठोस जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रदर्शन करना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते समय तथ्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का ध्यान रखना भी जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस से अपनी सरकार के कामकाज की समीक्षा करने और जनता से किए वादों को पूरा करने की अपील की। गांधी ने कहा कि भाजपा जनता से जुड़े मुद्दे उठाती रहेगी और प्रदेश सरकार से विकास कार्यों तथा चुनावी गारंटियों का हिसाब मांगती रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

बंदला में भूमि अधिग्रहण प्रभावितों की 31 को होगी जनसुनवाई

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर। उपायुक्त एवं प्रशासक, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन, जिला बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि ग्राम बंदला में राजकीय हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए सड़क, भवन और रास्तों के निर्माण के लिए किए गए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापन के संबंध में आयोजित होने वाली जनसुनवाई की तिथि बदल दी गई है। उन्होंने बताया कि भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2015 के अंतर्गत यह जनसुनवाई पहले 27 अक्टूबर को सुबह 11 बजे पंचायत घर बंदला में निर्धारित थी। अपरिहार्य प्रशासनिक व्यस्तताओं के कारण अब इसका आयोजन 31 अक्टूबर को सुबह 11 बजे पंचायत घर बंदला में किया जाएगा। उपायुक्त ने संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों, भू-स्वामियों और भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों से संशोधित तिथि एवं समय के अनुसार जनसुनवाई में शामिल होने की अपील की है।

समीरपुर में रणवीर निक्का और रजत ठाकुर ने अनुराग ठाकुर को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, समीरपुर। नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रणवीर सिंह निक्का और धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2022 में भाजपा प्रत्याशी रहे रजत ठाकुर ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग ठाकुर से समीरपुर में भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अनुराग ठाकुर के अच्छे स्वास्थ्य, सुखमय जीवन और दीर्घायु की कामना की। साथ ही ईश्वर से उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की प्रार्थना करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

धर्मशाला में 28 अक्तूबर को पूर्व सैनिकों की समस्याओं का होगा समाधान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला सैनिक कल्याण के संयुक्त निदेशक एवं सहायक आयुक्त कांगड़ा विवेक चौहान ने मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के पेंशनधारक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों को विशेष सूचना दी है। उन्होंने बताया कि पेंशन, स्पर्श पोर्टल और दस्तावेजों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर मिलाप 1.0 फेज-5 कार्यक्रम 28 अक्तूबर को सैनिक विश्राम गृह, धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित लाभार्थियों से कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाने की अपील की है। पेंशनधारक अपने साथ डिस्चार्ज बुक, सभी पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ), आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक और पेंशन से संबंधित दस्तावेज अवश्य लाएं, ताकि समस्याओं का मौके पर निवारण किया जा सके।

एचपीयू धर्मशाला में डॉ. नरेश शर्मा ने समय प्रबंधन और अनुशासन को सफलता का बताया आधार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र धर्मशाला में गणित एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'सफलता के स्तंभ हैं संस्कार' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के अंग्रेजी विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि समय का सदुपयोग, अनुशासन, निरंतर परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण सफलता के प्रमुख आधार हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति समर्पित रहकर अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। उन्होंने मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों के अनावश्यक उपयोग से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इनका सीमित उपयोग ज्ञान और कौशल बढ़ाने में सहायक हो सकता है।उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, पारस्परिक सम्मान और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक प्रो. कुलदीप कुमार अग्री ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में ज्ञान, संस्कार और अनुशासन को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में प्रो. डीपी वर्मा, डॉ. विजयता पठानिया सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

बिलासपुर में दो दिन कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। विद्युत उपमंडल-एक के सहायक अधिशासी अभियंता सन्नी जगोता ने बताया कि आज घागस अनुभाग के सीहड़ा, काहवी और चैहड़ क्षेत्रों में सुबह नौ से शाम पांच बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। वहीं, 28 अक्तूबर को पंजगाई, धारटटोह, ढ़ोबड़, सोलग, जुरासी, हुड्डू, धौणकोठी, गाहर और टीकरी सहित आसपास के क्षेत्रों में भी इसी समय बिजली बंद रहेगी। विद्युत लाइनों के साथ लगे पेड़ों की टहनियों की कटाई के कारण यह शटडाउन लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शटडाउन मौसम पर निर्भर करेगा और लोगों से सहयोग की अपील की है।

नूरपुर को जिला बनाने के लिए मुख्यमंत्री से मिलेंगे अजय महाजन

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर, विनय महाजन। नूरपुर को जिला बनाने की मांग को लेकर पूर्व कांग्रेस विधायक एवं वरिष्ठ नेता अजय महाजन लगातार प्रयास कर रहे हैं। वह आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मिलकर इस मांग को उठाएंगे। महाजन का कहना है कि यदि प्रदेश सरकार नए जिलों के गठन की घोषणा करती है, तो नूरपुर को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय नए जिले बनाने की चर्चा हुई, लेकिन आपसी मतभेदों के कारण कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। वर्तमान कांग्रेस सरकार ने नए जिलों के गठन के लिए आयोग गठित किया है, जिससे लोगों में उम्मीद जगी है। आयोग ने अपनी कार्यवाही भी शुरू कर दी है।

इंदौरा की चार पंचायतों में विकास कार्यों की समीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विधायक मलेंद्र राजन ने क्षेत्र के विकास कार्यों में तेजी लाने और जनसमस्याओं के समाधान के लिए वन विश्राम गृह इंदौरा में पलाखी, सुरड़वां, इंदपुर और सनौर पंचायतों के प्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों के साथ बैठक की। बैठक में पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और नए कार्यों के लिए सुझाव लिए गए। पंचायत प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं से विधायक को अवगत करवाया। मलेंद्र राजन ने कहा कि विकास कार्य जनता की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होने चाहिए। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है।

पठानकोट में अवैध खनन मामले में आठ पर मुकदमा, छह गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अशोक ठाकुर, पठानकोट

जिला पठानकोट के थाना मामून कैंट पुलिस ने अवैध खनन सामग्री की ढुलाई और कथित तौर पर फर्जी नंबर प्लेटों के इस्तेमाल के मामले में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान छह आरोपियों को अवैध खनन सामग्री से भरे टिप्परों समेत गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सहायक उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह के अनुसार, हरियाल स्थित हरिओम क्रेशर, जय शंकर क्रेशर और बाबा बुड्ढा क्रेशर से जुड़े लोगों के अवैध खनन सामग्री के कारोबार में संलिप्त होने की सूचना मिली थी। पुलिस के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश से खनन सामग्री लाकर पंजाब में आपूर्ति की जा रही थी। आरोप है कि कुछ टिप्परों से सरकारी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेटें हटाकर उनकी जगह कथित तौर पर फर्जी नंबर प्लेटें लगाई गई थीं। इसके अलावा सामग्री की ढुलाई बिना बिल और आवश्यक दस्तावेजों के



थाना मामून कैंट पुलिस की ओर से अपने कब्जे में लिए गए अवैध माइनिंग सामग्री से भरे टिप्पर

किए जाने का संदेह है।

पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान अलग-अलग टिप्परों को रोककर उनमें लदी खनन सामग्री के संबंध में पूछताछ की गई। चालक कथित तौर पर सामग्री से संबंधित बिल या अन्य दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने वाहनों और सामग्री को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने असलम खान निवासी जलाड़, बागू हुसैन निवासी सलाड़ी, तिलक राज निवासी पंगोली और सलिंदर निवासी हरियाल सहित राहुल, योगेश कुमार तथा अवध खान, जो हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के विभिन्न गांवों के निवासी बताए गए हैं, के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी संख्या 114 दिनांक 22 अक्टूबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 303(2), 336(3), 338, 345(3) और 340(2) तथा खनन अधिनियम की धारा 21(1) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, छह आरोपियों को खनन सामग्री से भरे टिप्परों समेत गिरफ्तार किया गया है। शेष दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है और बरामद सामग्री, वाहनों के दस्तावेजों तथा नंबर प्लेटों की जांच के आधार पर तथ्यों का पता लगाया जाएगा।

नूरपुर को जिला बनाने की मांग विधायक निक्का ने उठाई आवाज

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। विधायक रणबीर सिंह निक्का ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि यदि हिमाचल प्रदेश में नए जिलों के गठन को लेकर सरकार गंभीर है, तो नूरपुर को प्राथमिकता देते हुए इसे जिला बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिला कांगड़ा का बड़ा क्षेत्रफल, भौगोलिक परिस्थितियां और प्रशासनिक जरूरतें नूरपुर को जिला बनाने के पक्ष में मजबूत आधार प्रस्तुत करती हैं। निक्का ने कहा कि नूरपुर, भटियात, जवाली, इंदौरा और फतेहपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लिए प्रमुख केंद्र है। दूरदराज के इलाकों से लोगों को जिला मुख्यालय में प्रशासनिक कार्य करवाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। कई लोगों का पूरा दिन आने-जाने में ही बीत जाता है। नूरपुर को जिला बनाने से लोगों को प्रशासनिक सुविधाएं नजदीक मिलेंगी और समय तथा संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि नूरपुर को जिला बनाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। वर्ष 2003 में तत्कालीन धूमल सरकार ने यहां अतिरिक्त जिला उपायुक्त का कार्यालय स्थापित किया था, लेकिन बाद में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने पर इसे बंद कर दिया गया। विधायक के अनुसार, नूरपुर में राजस्व जिला, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, दो सेशन कोर्ट, जिला स्तरीय फॉरेंसिक कार्यालय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, जिला स्तरीय मातृ-शिशु अस्पताल और एमएस नूरपुर अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं पहले से मौजूद हैं। इससे क्षेत्र की प्रशासनिक जरूरतों और जिला बनाने की मांग का महत्व स्पष्ट होता है।

धर्मशाला कॉलेज में यूएन संगम 2026 में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के लोक प्रशासन विभाग की ओर से संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर 'यूएन संगम 2026 : एकजुट विचार, उज्ज्वल भविष्य' कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्रयास हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय मटौर के प्राचार्य प्रो. विनोद शर्मा मुख्य अतिथि, जबकि राजकीय महाविद्यालय शाहपुर की प्रो. आशा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में धर्मशाला और नगरोटा बगवां महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रो. विनोद शर्मा ने संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक मूल्यों, शांति और युवा सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश पठानिया ने भी प्रतिभागियों और विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

हमीरपुर की राशि ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स में जीता रजत पदक, महाविद्यालय में हुई सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार, हमीरपुर। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की प्रतिभाशाली छात्रा राशि ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय और हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। राजस्थान के जयपुर में 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजित अंडर-23 राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में राशि ने 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय में खुशी का माहौल है। महाविद्यालय पहुंचने पर छात्रा का जोरदार स्वागत किया गया और उन्हें सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता सिंह ने राशि को शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राशि को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्या ने छात्रा के कोच राजेंद्र तथा शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार वर्मा को भी इस सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत,



◆ जयपुर में 1500 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन महाविद्यालय ने 21 हजार रुपये देकर किया सम्मानित

अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से ऐसी उपलब्धियां हासिल होती हैं।

शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार वर्मा ने बताया कि राशि महाविद्यालय में एमए हिंदी द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। पढ़ाई के साथ खेलों में उनकी रुचि और निरंतर अभ्यास ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया। 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतना उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राशि की उपलब्धि महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। इससे युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

राशि का उत्साह बढ़ाने के लिए महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने संयुक्त रूप से 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य छात्रा की उपलब्धि को सम्मान देना और उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहा।

हिमाचल में नदी-नालों पर अवैध निर्माण, जिम्मेदार कौन ?

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऊंचे पहाड़ों, हरे-भरे जंगलों और कल-कल बहती नदियों के लिए प्रसिद्ध है। लेकिन विकास और मुनाफे की दौड़ में अब यही प्राकृतिक संपदा मानवीय लापरवाही का शिकार हो रही है। प्रदेश में सड़कों के किनारे, नदी-नालों के ऊपर और उनके आसपास मकान, दुकानें, होटल तथा बहुमंजिला इमारतें बनाने का चलन बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रकृति की बार-बार मिलने वाली चेतावनियों के बावजूद इस पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लग पा रही है।

बरसात के मौसम में हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाएं सामने आती हैं। नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ने से सड़कें, पुल, मकान और दुकानें क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं के अपने कारण हैं, लेकिन अवैज्ञानिक निर्माण, पहाड़ों की अनियोजित कटाई और जलधाराओं में मलबा डालने जैसी गतिविधियां नुकसान को और गंभीर बना सकती हैं।

सड़क किनारे जमीन की बढ़ती कीमतें, कारोबार की संभावनाएं और सुविधाओं की उपलब्धता लोगों को ऐसे स्थानों पर निर्माण के लिए आकर्षित करती हैं। हालांकि, इसके लिए केवल नागरिकों को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं है। शासन-प्रशासन, स्थानीय निकायों और संबंधित विभागों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। यदि निर्माण अवैध है, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं होती? अनुमति दी गई है, तो क्या नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया?

नदी-नाले केवल पानी बहने के रास्ते नहीं, बल्कि प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण होने से तेज बारिश के दौरान पानी का दबाव बढ़ सकता है और आसपास की बस्तियों को खतरा पैदा हो सकता है।

समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जोखिम वाले क्षेत्रों में निर्माण पर नियंत्रण, अवैध निर्माण के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई और भवन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग को भी अपने अधिकार क्षेत्र में निगरानी तथा सड़क किनारे निर्माण संबंधी नियमों के अनुपालन पर ध्यान देना चाहिए।

कैंचीमोड़ फोरलेन पर दो वाहनों से बीयर की 72 पेटियां बरामद, कुल्लू के दो युवक गिरफ्तार

स्वारघाट पुलिस की नाकाबंदी में बलेनो से 33 और स्कॉर्पियो से 39 पेटियां बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर

जिला बिलासपुर पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्वारघाट थाना क्षेत्र के कैंचीमोड़ के पास दो वाहनों से बीयर की 72 पेटियां बरामद की हैं। पुलिस ने इस मामले में कुल्लू जिले के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों वाहनों को भी कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना स्वारघाट की टीम कैंचीमोड़ के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के फोरलेन पर नाकाबंदी कर वाहनों की नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने वहां से गुजर रही एक मारुति बलेनो कार और एक स्कॉर्पियो को संदेह के आधार पर रोक लिया। पुलिस टीम ने दोनों वाहनों की तलाशी ली तो उनमें बीयर की पेटियां लदी हुई मिलीं।



तलाशी के दौरान मारुति बलेनो कार से बीयर की 33 पेटियां बरामद हुईं, जबकि स्कॉर्पियो से 39 पेटियां मिलीं। इस तरह दोनों वाहनों से कुल 72 पेटियां बीयर बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, वाहन चालक बीयर की खेप से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने बीयर की खेप और दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान सुंदर सिंह (26), पुत्र मेघ सिंह, और पूर्णदेव (26), पुत्र बहादुर सिंह, निवासी गांव जिंदौड़, डाकघर बंदरोल, तहसील एवं जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश के रूप में की है। दोनों युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

इस मामले में पुलिस थाना स्वारघाट में 24 अक्टूबर 2026 को प्राथमिकी संख्या 86/2026 दर्ज की गई है। मामला हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1)(ए) के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस अब बरामद बीयर की खेप के स्रोत और उसे ले जाने के उद्देश्य का पता लगाने के लिए आगामी जांच कर रही है।

पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय में हस्ताक्षर की चूक पर छात्रा वंचित प्रवीन कुमार ने जताई नाराजगी

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर में मोप अप काउंसलिंग के दौरान एक छात्रा को प्रवेश रजिस्टर पर हस्ताक्षर करना भूल जाने के कारण प्रक्रिया से बाहर किए जाने का मामला सामने आया है। पूर्व विधायक प्रवीन कुमार ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन से मामले पर गंभीरता से विचार करने की मांग की है। प्रवीन कुमार के अनुसार, छात्रा के पिता ने उनसे संपर्क कर बताया कि उनकी बेटी से अनजाने में प्रवेश रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने में चूक हो गई थी। छात्रा ने काउंसलिंग शुरू होने से पहले अपनी गलती स्वीकार करते हुए प्रक्रिया में शामिल करने का आग्रह भी किया, लेकिन उसे अवसर नहीं मिला। पूर्व विधायक ने कहा कि यदि छात्रा से अनजाने में गलती हुई थी और उसने समय रहते इसे स्वीकार कर लिया था, तो मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उसकी पात्रता और मामले के तथ्यों पर विचार किया जाना चाहिए था। उन्होंने बताया कि उन्होंने छात्रा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया। नियमित कुलपति की अनुपस्थिति के कारण उचित स्तर पर बात पहुंचाने में कठिनाइयां भी आईं। प्रवीन कुमार ने कहा कि नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन उनके साथ मानवीय संवेदनशीलता और विवेक भी आवश्यक हैं।

◆ मोप अप काउंसलिंग में अवसर न मिलने पर पूर्व विधायक ने उठाए सवाल, मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग

एक ही रथ में ब्रह्मा, विष्णु, महेश समेत छह महाशक्तियों के वास की मान्यता

कुल्लू दशहरे में बड़ा छमाहूं से मिले कई देवी-देवता

भारतेन्दु संवाददाता, नीना गौतम, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान ढालपुर में देव परंपराओं और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यहां सजे देवी-देवताओं के शिविरों में देव मिलन का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में देव श्री बड़ा छमाहूं के शिविर में शनिवार को कई देवी-देवताओं ने पहुंचकर भव्य भेंट की। इस दौरान पलदी छमाहूं ने अपने बड़े भाई देव श्री बड़ा छमाहूं से मिलन किया। वहीं, बासुकी नाग और खोडू देवता ने भी अपने ठाकुर देव श्री बड़ा छमाहूं के दर्शन कर भेंट की।

इससे पहले वनशिरा सपागनी और दायींत सहित अन्य देवी-देवता भी देव श्री बड़ा छमाहूं के शिविर में पहुंचकर मिलन कर चुके हैं। देव मिलन के इन विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं को कुल्लू की समृद्ध देव संस्कृति और प्राचीन परंपराओं के दर्शन हो रहे हैं। देवी-देवताओं का एक-दूसरे के शिविरों में पहुंचना केवल धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि देव समाज के आपसी संबंधों, परस्पर सम्मान और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। रविवार को भी देव मिलन का



सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

एक ही रथ में विराजमान हैं छह महाशक्तियां : देव श्री बड़ा छमाहूं के पुजारी धनेश गौतम और कारदार शेर सिंह के अनुसार देव श्री बड़ा छमाहूं को सृष्टि का रचयिता और पालनहार माना जाता है। मान्यता है कि देवता के एक ही रथ में ब्रह्मा, विष्णु, महेश, आदि-अनंत, शक्ति और शेष नाग के रूप में छह महाशक्तियां विराजमान हैं। इसी विशिष्ट मान्यता के कारण देवता का नाम बड़ा छमाहूं पड़ा है। देवता की यह धार्मिक पहचान कुल्लू की प्राचीन मान्यताओं और विशिष्ट देव परंपराओं को दर्शाती है।

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में देव श्री बड़ा छमाहूं के शिविर में हो रहे देव मिलन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बने हुए हैं। ढालपुर में देवी-देवताओं के आगमन, पारंपरिक भेंट और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। उत्सव में शामिल श्रद्धालु इन पलों के माध्यम से कुल्लू की सदियों पुरानी देव संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देख रहे हैं।

हिसार में 106 करोड़ की स्मार्ट सिंचाई योजना

हर दिन 1.70 करोड़ लीटर पानी से सिंचित होंगे किसानों के खेत

भारतेन्दु संवादाता, हिसार

हरियाणा सरकार प्रदेश में जल संरक्षण, कृषि समृद्धि और भूजल पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में हिसार के गांव गावड़, कालावास और सिंघरान में 106.28 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट सिंचाई परियोजना विकसित की जा रही है। इस परियोजना के माध्यम से हिसार शहर के शोधित अपशिष्ट जल को भूमिगत पाइपलाइन के जरिए खेतों तक पहुंचाया जाएगा। इससे क्षेत्र के 971 किसानों को लाभ मिलने और करीब 1700 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करना और किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराना है। परियोजना के तहत प्रतिदिन 1.70 करोड़ लीटर शोधित

◆तीन गांवों में स्मार्ट सिंचाई योजना पर खर्च होंगे 106.28 करोड़

पानी खेतों तक पहुंचाने की योजना है। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और भूजल पर उनकी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढ़खालसा ने गांव गावड़ में आयोजित किसान संवाद कार्यक्रम के दौरान किसानों से बातचीत कर परियोजना की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जल संरक्षण, किसानों के हितों और आधुनिक सिंचाई व्यवस्था के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है। शोधित अपशिष्ट जल का कृषि कार्यों में उपयोग करना जल संसाधनों के सदुपयोग और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आधुनिक सिंचाई तकनीकों से पानी की बचत पर जोर

उन्होंने किसानों से ड्रिप और फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। इन तकनीकों के माध्यम से पानी का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। साथ ही, जल उपयोगकर्ता समितियों को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया, ताकि सिंचाई जल का उचित प्रबंधन और वितरण सुनिश्चित किया जा सके। सरकार के अनुसार, इस परियोजना से मौजूदा नहरी और नलकूप सिंचाई व्यवस्था के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे। किसानों को इन व्यवस्थाओं के अतिरिक्त सिंचाई जल उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। परियोजना के पूरा होने पर तीनों गांवों के किसानों को लाभ मिलने के साथ कृषि क्षेत्र में जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

हरियाणा के तीन जिलों में पहुंचेगी डीएपी खाद

खाद की उपलब्धता बढ़ाने की तैयारी, झज्जर में पहुंची 2550 मीट्रिक टन खेप से तीन जिलों को होगा वितरण

भारतेन्दु संवादाता, झज्जर

हरियाणा के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) की ओर से डीएपी और अमोनियम सल्फेट खाद की खेप मालगाड़ी के माध्यम से झज्जर पहुंच गई है। रात के समय पहुंचे इस खाद रैक में 2100 मीट्रिक टन डीएपी और 450 मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट शामिल है। इस खेप से झज्जर, रोहतक और सोनीपत जिलों के किसानों को खाद उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। खेती के सीजन में उर्वरकों की मांग को देखते हुए इस आपूर्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आईपीएल की ओर से तीनों जिलों के लिए खाद की मात्रा निर्धारित कर दी गई है। इसके तहत झज्जर जिले को 900 मीट्रिक टन



डीएपी और 200 मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, रोहतक जिले के किसानों के लिए 600 मीट्रिक टन डीएपी और 100 मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार सोनीपत जिले को 600 मीट्रिक टन डीएपी और 150 मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट मिलेगा। निर्धारित आवंटन के अनुसार खाद संबंधित जिलों तक पहुंचाई जाएगी, जिससे किसानों को फसलों की जरूरत के मुताबिक उर्वरक उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

अमोनियम सल्फेट नाइट्रोजन और सल्फर युक्त रासायनिक खाद है। इसमें लगभग 21 प्रतिशत नाइट्रोजन और 24 प्रतिशत सल्फर होता है। नाइट्रोजन पौधों की पत्तियों और तनों की बढ़वार में सहायक है, जबकि सल्फर प्रोटीन निर्माण और पौधों के सामान्य विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आईपीएल ने खाद उपलब्धता बढ़ाने की तैयारी की

इसका उपयोग फसलों की पोषक तत्वों संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है। आईपीएल के सहायक प्रबंधक दीपक शर्मा ने बताया कि डीएपी और अमोनियम सल्फेट का रैक झज्जर पहुंच चुका है। इससे झज्जर के साथ रोहतक और सोनीपत के किसानों को भी खाद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह यूरिया का रैक आने की संभावना है। इसके पहुंचने से किसानों की आगामी जरूरतों के अनुसार खाद की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

खाद की मात्रा निर्धारित

आईपीएल की ओर से तीनों जिलों के लिए खाद की मात्रा निर्धारित कर दी गई है। इसके तहत झज्जर जिले को 900 मीट्रिक टन डीएपी और 200 मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, रोहतक जिले के किसानों के लिए 600 मीट्रिक टन डीएपी और 100 मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट निर्धारित किया गया है।

फतेहाबाद की अंधेरी गलियों में जल्द जगमगाएंगी नई स्ट्रीट लाइटें

फतेहाबाद के 27 वार्डों में सुधरेगी रोशनी की व्यवस्था, खर्च होंगे 50 लाख रुपये

भारतेन्दु संवादाता, फतेहाबाद

शहर की बाहरी कॉलोनियों और गलियों में अंधेरे की समस्या दूर करने के लिए नगर परिषद ने नई स्ट्रीट लाइटें खरीदने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए करीब 50 लाख रुपये का टेंडर जारी किया गया है। लगभग पांच साल बाद नगर परिषद नई स्ट्रीट लाइटों की खरीद करने जा रही है। ऐसे में शहरवासियों को उम्मीद है कि नई लाइटें लगने से रात के समय आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। खासकर बाहरी कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को इसका लाभ मिलने की संभावना है, जहां शाम ढलते ही कई गलियां अंधेरे में डूब जाती हैं।

स्ट्रीट लाइटों की कमी के कारण लोगों को रात में आने-जाने में परेशानी होती है। वहीं, अंधेरे के चलते दुर्घटनाओं और चोरी तथा छीना-झपटी जैसी घटनाओं का डर भी बना रहता है। स्थानीय पार्षद भी अपने क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटें लगवाने



◆पांच साल बाद शहर में खरीदी जाएंगी नई लाइटें

की मांग को लेकर नगर परिषद कार्यालय पहुंच रहे हैं। नगर परिषद ने करीब पांच साल पहले मुंबई से लाइटें मंगवाई थीं। इसके बाद नई लाइटों की खरीद नहीं होने से शहर की बढ़ती आबादी और विकसित होती कॉलोनियों के अनुरूप रोशनी की व्यवस्था नहीं बढ़ सकी। अब नई लाइटों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू होने से लोगों को राहत की उम्मीद जगी है।

पार्कों और गलियों में लगेंगे बेंच, 30 लाख खर्च होंगे

नगर परिषद शहर के पार्कों और गलियों में बैठने की सुविधा बढ़ाने के लिए करीब 30 लाख रुपये भी खर्च करेगी। योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर बेंच रखे जाएंगे, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और अन्य लोगों को बैठने की सुविधा मिलेगी। नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता लोकेंद्र कुमार के अनुसार, स्ट्रीट लाइटों की खरीद के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। पार्कों और गलियों में भी बेंच रखवाए जाएंगे। स्ट्रीट लाइटों की कमी के कारण लोगों को रात में आने-जाने में परेशानी होती है। वहीं, अंधेरे के चलते दुर्घटनाओं और चोरी तथा छीना-झपटी जैसी घटनाओं का डर भी बना रहता है। स्थानीय पार्षद भी अपने क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटें लगवाने की मांग को लेकर नगर परिषद कार्यालय पहुंच रहे हैं। नगर परिषद ने करीब पांच साल पहले मुंबई से लाइटें मंगवाई थीं। इसके बाद नई लाइटों की खरीद नहीं होने से शहर की बढ़ती आबादी और विकसित होती कॉलोनियों के अनुरूप रोशनी की व्यवस्था नहीं बढ़ सकी।

एचपीएससी के नए चेयरमैन बन सकते हैं सतीश कुमार सैनी



◆2011 बैच के एचसीएस अधिकारी सतीश कुमार का नाम चर्चा में

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के नए चेयरमैन के रूप में आयोग के डिप्टी सेक्रेटरी सतीश कुमार सैनी का नाम चर्चा में है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने 2011 बैच के एचसीएस अधिकारी के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) आवेदन को मंजूरी दे दी है। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद नियुक्ति संबंधी आदेश जारी होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, नए चेयरमैन के रूप में उनकी नियुक्ति की आधिकारिक पुष्टि आदेश जारी होने के बाद ही होगी। आयोग के मौजूदा चेयरमैन आलोक वर्मा का कार्यकाल वीरवार को समाप्त हो गया। सोनीपत निवासी सतीश कुमार फरवरी 2022 से एचपीएससी में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वह कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वह जीएम रोडवेज, कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त निदेशक और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) में भी सेवाएं दे चुके हैं। जनवरी 2020 से फरवरी 2022 तक वह तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के ओएसडी भी रहे थे। अब उनकी संभावित नियुक्ति को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है।

हरियाणा में बदला मौसम तीन दिन बारिश के आसार



पश्चिमी विक्षोभ से बदला मौसम, तापमान गिरने के आसार।

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में अचानक बदलाव आया है। शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई, जबकि चरखी दादरी के कई गांवों में ओलावृष्टि दर्ज की गई। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में गिरावट आने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगले तीन दिन तक प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं।

◆26 अक्टूबर तक कई जिलों में बूंदाबांदी के आसार

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि 22 अक्टूबर की रात से पाकिस्तान के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ था। इसके प्रभाव से हरियाणा में मौसम का मिजाज बदल गया। शुक्रवार को चरखी दादरी, झज्जर, रेवाड़ी, गुरुग्राम, मेवात, पलवल और फरीदाबाद में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई। चरखी दादरी के मिर्च, मिसरी, कमोद, फतेहगढ़, समसपुर, लोहरवाड़ा, घिकाड़ा और रावलधी गांवों में बारिश के साथ ओले भी गिरे।

विशेषज्ञों के अनुसार, 24 से 26 अक्टूबर तक सिरसा, फतेहाबाद, कैथल, करनाल, अंबाला, यमुनानगर, पंचकूला और हिसार में बादल छाए रहने या हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। बारिश और ओलावृष्टि के बाद रात के तापमान में गिरावट आ सकती है।

संजय दत्त बोले, अपने जिले की जिम्मेदारी से संगठन मजबूत करने में मिलेगी मदद

दूसरे जिलों में नहीं भेजे जाएंगे पर्यवेक्षक कांग्रेस ने बदला वर्षों पुराना नियम

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए वर्षों पुरानी परंपरा में बदलाव किया है। अब पार्टी के पर्यवेक्षकों को दूसरे जिलों के बजाय उनके अपने ही जिलों में जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। प्रदेश में पहली बार इस तरह का प्रयोग किया जा रहा है। शनिवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और प्रदेश प्रभारी संजय दत्त ने पत्रकारवार्ता में इस फैसले की जानकारी दी। संजय दत्त ने कहा कि अपने जिले में जिम्मेदारी मिलने से नेताओं को संगठन मजबूत करने की तैयारी के लिए कम समय लगेगा। उन्हें वहां की राजनीतिक परिस्थितियों, कार्यकर्ताओं और संगठन की स्थिति की पहले से जानकारी होती है। दूसरे जिले में



कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए अपनाई नई रणनीति।

जाने पर परिस्थितियों को समझने और कार्यकर्ताओं से संपर्क स्थापित करने में समय लगता है। पार्टी का उद्देश्य कम समय में संगठन को मजबूत करना है।

कांग्रेस का 25 अक्तूबर से प्रस्तावित चौपाल आंदोलन अब एक नवंबर को दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली के बाद शुरू होगा। संजय दत्त ने बताया कि वोट बचाओ-देश बचाओ रैली की तैयारियां चल रही हैं और हरियाणा के नेताओं व कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने दावा किया कि रैली में हरियाणा की भागीदारी ऐतिहासिक रहेगी। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा खराब स्वास्थ्य के कारण रैली की तैयारियों से संबंधित बैठक में शामिल नहीं हो सके।

पत्रकारवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने वोट चोरी और चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि पार्टी लोकतंत्र और मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठा रही है। वहीं, संजय दत्त ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग उठाई। उन्होंने आगामी चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराने की भी मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मतदान प्रक्रिया से जुड़े सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए और कथित अनियमितताओं की जांच होनी चाहिए।

पांच दिन में तीन हत्याएं दोस्ती से गैंगवार तक पहुंची रंजिश

भारतेन्दु संवादाता, रोहतक। अमेरिका में गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की गिरफ्तारी के बाद उसे भारत लाने की तैयारी तेज होने के बीच हरियाणा में उसकी आपराधिक गतिविधियों और गैंगवार की कहानी एक बार फिर चर्चा में है। रोहतक के रिटौली गांव में कभी साथ पढ़ने वाले हिमांशु और अंकित उर्फ बाबा की दोस्ती वर्ष 2019 में कार को लेकर हुए विवाद के बाद दुश्मनी में बदल गई। इस विवाद ने आगे चलकर खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दोनों ने अपने-अपने गिरोह बना लिए और एक-दूसरे के करीबियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। मार्च 2022 में महज पांच दिनों के भीतर तीन लोगों की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई थी। हाल ही में अंकित के चाचा अनिल की हत्या के बाद पुरानी रंजिश फिर सुर्खियों में आ गई है। बताया जाता है कि हिमांशु कम उम्र में ही गोलीबारी के एक मामले में पकड़ा गया था। इसके बाद हिसार के बाल सुधार गृह से फरार होकर वह विदेश चला गया। धीरे-धीरे उसका नाम हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टरों में शामिल हो गया। अब उसकी अमेरिका में गिरफ्तारी के बाद उसके भारत प्रत्यर्पण की संभावना जताई जा रही है। इस घटनाक्रम ने रोहतक में गैंगवार, आपसी रंजिश और अपराध की दुनिया में युवाओं के भटकने जैसे गंभीर मुद्दों को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

अग्रोहा धाम में 43वें मेले की तैयारियां पूरी, देशभर से जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

50 बसें और 700 सेवादार संभालेंगे श्रद्धालुओं की व्यवस्था

भारतेन्दु संवादाता, हिसार। हरियाणा के अग्रोहा धाम में 43वें भव्य मेले को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 25 अक्तूबर को आयोजित होने वाले इस मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। आस्था, अध्यात्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाले इस आयोजन के लिए अग्रोहा धाम को भव्य रूप से सजाया गया है। मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। महाराजा अग्रसेन के आदर्शों, सेवा भावना और सामाजिक एकता को समर्पित यह मेला अग्रवाल एवं वैश्य समाज के प्रमुख आयोजनों में शामिल है।



श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजकों ने विशेष प्रबंध किए हैं। हिसार से मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए 50 निशुल्क बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों से आने वाले लोगों के ठहरने की व्यवस्था भी की गई है। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए देशभर में प्रचार-प्रसार किया गया है और अग्रोहा धाम में 100 भव्य स्वागत द्वार बनाए गए हैं। मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 700 सेवादारों की तैनाती की गई है।

मेले का मुख्य आकर्षण दोपहर 12 से 3 बजे तक आयोजित होने वाला भव्य सम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेगा।

अग्रोहा मेले में ट्रेड फेयर बनेगा आकर्षण का केंद्र

परिसर में ट्रेड फेयर भी लगाया जाएगा, जहां विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की स्टॉलें आकर्षण का केंद्र बनेंगी। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, पंजाब के कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र गोयल, पूर्व सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा और हिसार की विधायक सावित्री जिंदल सहित कई गणमान्य लोगों के शामिल होने की संभावना है। प्रसिद्ध हरियाणवी कलाकार मासूम शर्मा भी कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने समाज के लोगों से महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलने और जनहित, राष्ट्रहित तथा सामाजिक एकता के लिए योगदान देने का आह्वान किया।

हरियाणा के पशु मेले में 15 करोड़ के झोटे विधायक का जलवा

काजू-अखरोट खाता है 15 करोड़ का चैंपियन झोटा विधायक

भारतेन्दु संवादाता, झज्जर। हरियाणा के हसनपुर में आयोजित कृषि एवं पशुपालन मेले में पानीपत के गांव डिडवाड़ी निवासी प्रगतिशील पशुपालक पद्मश्री नरेंद्र सिंह के पशु आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले में उनके 15 करोड़ रुपये कीमत वाले प्रसिद्ध मुर्रा नस्ल के झोटे 'विधायक' को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। अपनी शानदार कद-काठी, आकर्षक व्यक्तित्व और प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के कारण यह झोटा पशुपालकों के बीच खास पहचान रखता है। 'विधायक' अब तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में 23 बार चैंपियन रह चुका है। उसकी उपलब्धियों ने एक बार फिर पशुपालन और नस्ल सुधार के क्षेत्र में नरेंद्र सिंह की मेहनत को चर्चा में ला दिया है।

नरेंद्र सिंह पिछले करीब 30 वर्षों से पशुपालन और पशुओं की नस्ल सुधार के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने बेहतर नस्ल के पशुधन के संरक्षण और विकास के लिए लगातार प्रयास किए हैं। पशुपालन के क्षेत्र में उनके योगदान और उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष 2019 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। इसके अलावा उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

मेले में नरेंद्र सिंह अपने प्रसिद्ध पशुओं के साथ पहुंचे तो पशुपालकों और पशुप्रेमियों ने उनमें विशेष रुचि दिखाई।

23 बार चैंपियन रहा मुर्रा झोटा बना आकर्षण

मेले में नरेंद्र सिंह अपने प्रसिद्ध पशुओं के साथ पहुंचे तो पशुपालकों और पशुप्रेमियों ने उनमें विशेष रुचि दिखाई। खासकर 'विधायक' को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता देखने को मिली। इसकी कीमत 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसकी देखभाल और खानपान भी चर्चा का विषय है। जानकारी के अनुसार, इसकी खुराक में काजू और अखरोट जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

राहत हाईटेक पालीहाउस से खेती को नई दिशा, मिट्टी के बिना तैयार पौध से किसानों को मिलेगी राहत

हरियाणा में बिना मिट्टी के तैयार हो रही सब्जियों की पौध

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा में आधुनिक तकनीक के माध्यम से खेती को आसान, किफायती और लाभकारी बनाने की दिशा में मुनीमपुर स्थित पुष्प उत्पादन एवं उत्कृष्टता केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां हाईटेक पालीहाउस की सहायता से बिना मिट्टी के सब्जियों और फूलों की गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार की जा रही है। इस तकनीक से किसानों को स्वस्थ और रोगमुक्त पौध उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। साथ ही, पौध तैयार करने में लगने वाली मेहनत कम होने से किसानों को राहत मिल रही है। केंद्र की यह पहल बेहतर फसल उत्पादन को बढ़ावा देने और खेती की लागत कम करने की दिशा में उपयोगी साबित हो रही है।



मुनीमपुर केंद्र में बिना मिट्टी के तैयार हो रही पौध।

मुनीमपुर स्थित केंद्र में चार सामान्य पालीहाउस और एक हाईटेक पालीहाउस स्थापित हैं। यहां किसानों की मांग और जरूरत के अनुसार विभिन्न सब्जियों तथा फूलों की पौध तैयार की जाती है। इनमें टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, बैंगन, गोभी और खीरा जैसी प्रमुख सब्जियां शामिल हैं। किसान अपनी पसंद की सब्जी का बीज लेकर केंद्र पहुंच सकते हैं। इसके बाद उनकी मांग के अनुसार पौध तैयार की जाती है। इससे किसानों को अपनी पसंद की किस्म चुनने का अवसर मिलता है और खेत में सीधे बीज बोने के बजाय तैयार पौध लगाने की सुविधा भी मिलती है।

सब्जियों की खेती में गुणवत्तापूर्ण पौध का विशेष महत्व होता है। स्वस्थ पौध खेत में अच्छी तरह विकसित होने और बेहतर फसल उत्पादन की संभावना बढ़ाने में सहायक होती है। मिट्टी के बिना पौध तैयार करने की आधुनिक तकनीक से पौध की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है। इससे किसानों को शुरुआती चरण में पौध तैयार करने की परेशानी से राहत मिल सकती है।

किसानों को मिल रहा तकनीकी सहयोग

केंद्र में फसल के प्रकार और जरूरत के अनुसार पौध तैयार करने की व्यवस्था की गई है। केंद्र की ओर से किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार पौध उपलब्ध कराने के साथ खेती की आधुनिक पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पौध खेत में लगाने के बाद उसका निरीक्षण भी किया जाता है, जिससे फसल की स्थिति और विकास का जायजा लिया जा सके। इसके अलावा, किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी का प्रावधान भी है। आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण पौध और विभागीय सहयोग से किसानों को सब्जियों की खेती में बेहतर परिणाम हासिल करने का अवसर मिल रहा है।

दिल्ली सरकार की बड़ी पहल, चार अस्पतालों को मिलाकर बनेगा सुपर स्पेशियलिटी संस्थान

ट्रांस-यमुना के 60 लाख लोगों को मिलेगी राहत,अलग-अलग अस्पतालों के चक्कर होंगे कम

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। राजधानी के चार प्रमुख सरकारी अस्पतालों को मिलाकर एम्स की तर्ज पर एक मल्टी-स्पेशियलिटी चिकित्सा संस्थान बनाया जाएगा। दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की मंजूरी मिल गई है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। इस योजना से पूर्वी दिल्ली और ट्रांस-यमुना क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। **इन चार अस्पतालों का होगा विलय**

दिल्ली सरकार की योजना के तहत पूर्वी दिल्ली के चार बड़े सरकारी अस्पतालों को एक संस्थान के अंतर्गत लाया जाएगा। इनमें गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (इहबास) शामिल हैं।

इन अस्पतालों को एकीकृत करने का उद्देश्य विभिन्न चिकित्सा सेवाओं को एक ही व्यवस्था के अंतर्गत उपलब्ध कराना है। इससे मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के लिए भटकने की परेशानी कम होने की उम्मीद है। साथ ही, विशेषज्ञ डॉक्टरों, चिकित्सा उपकरणों, कर्मचारियों और मौजूदा संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकेगा। **उपराज्यपाल से मिली मंजूरी, जल्द जारी होंगे टेंडर**

दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद योजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह के मुताबिक, सरकार जल्द ही इस प्रक्रिया के लिए टेंडर जारी करेगी। इसके बाद



दिल्ली के चार अस्पतालों को मिलाकर बनाया जाएगा

विलय से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, दिलशाद गार्डन और आसपास के क्षेत्र में स्थित इन अस्पतालों का संचालन करने वाली अलग-अलग संस्थाओं को समाप्त करके सभी अस्पतालों को एक ही संस्था के अंतर्गत लाने की योजना है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था को सरल बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर समन्वय में मदद मिलेगी। **60 लाख लोगों को मिलेगा सीधा फायदा** स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि प्रस्तावित मल्टी-स्पेशियलिटी संस्थान बनने से ट्रांस-यमुना क्षेत्र के करीब 60 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस व्यवस्था का फायदा दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को भी मिल सकता है। इस संस्थान में अलग-अलग विशेषज्ञताओं से जुड़ी चिकित्सा सुविधाओं को एकीकृत करने की योजना है। इससे मरीजों को जरूरत के अनुसार बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। **मरीजों को रेफरल में मिलेगी सुविधा**

चारों अस्पतालों के विलय का एक प्रमुख उद्देश्य चिकित्सा सुविधाओं के दोहराव को कम करना और उपलब्ध संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग करना है। फिलहाल अलग-अलग अस्पतालों में संचालित सेवाओं के कारण मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में जाने की जरूरत पड़ सकती है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीजों को एक चिकित्सा इकाई से दूसरी इकाई में रेफर करना आसान हो सकेगा। इससे इलाज की प्रक्रिया में समन्वय बढ़ने और मरीजों को होने वाली परेशानियां कम होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, दिल्ली सरकार की यह योजना पूर्वी दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

नोएडा सेक्टर-125 में भीषण आग, 5-6 दुकानें जलकर खाक; एक युवक की मौत

एजेंसी ,नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-125 में शनिवार दोपहर पांच से छह दुकानों में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसमान में धुएं का घना गुबार छा गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंच गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आग बुझाने के दौरान एक युवक बेहोशी की हालत में मिला था।

उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सेक्टर-126 थाने की पुलिस भी



आग ने कुछ दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने और राहत कार्यों में जुट गई। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए प्रयास किए। आग लगने से पांच से छह दुकानें जलकर खाक हो गईं।

हालांकि, दुकानों में रखे सामान और अन्य संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन अभी नहीं हो सका है। आग लगने के कारणों का भी फिलहाल पता नहीं चल पाया है। संबंधित विभाग घटना की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रहे हैं। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। आग की भयावहता को देखते हुए इलाके में हड़कंप मचा रहा। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर स्थिति संभालने में लगी रहीं। अधिकारियों की ओर से आग लगने के कारणों और कुल नुकसान के संबंध में विस्तृत जानकारी का इंतजार है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया। दुकानदारों और स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर चिंता बनी हुई है। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने और मृतक की पहचान सुनिश्चित करने में जुटी है।

न्यूज ब्रीफ

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सीवर संकट से मिलेगी राहत, जल्द चालू होंगे दो नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

एजेंसी ,नई दिल्ली ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। क्षेत्र की सोसायटियों और सेक्टरों में लंबे समय से बनी सीवर की समस्या का जल्द स्थायी समाधान होने की उम्मीद है। इसके लिए 125 एमएलडी क्षमता वाले दो नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) अगले दो से तीन महीनों में शुरू होने की संभावना है। इन दोनों एसटीपी के चालू होने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट की करीब 40 सोसायटियों और सेक्टरों को फायदा मिलेगा। सीवर के पानी के उचित निस्तारण की व्यवस्था बेहतर होने से निवासियों को लंबे समय से आ रही परेशानियों से राहत मिल सकती है। क्षेत्र में बढ़ती आबादी और आवासीय सोसायटियों की संख्या के कारण सीवर प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। ऐसे में नए एसटीपी का संचालन सीवर व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। हालांकि, परियोजनाओं के शुरू होने की सटीक तारीख की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।



सांकेतिक तस्वीर

मेरठ में करवाचौथ की खरीदारी तेज, सिल्क से लेकर ऑर्गेंजा साड़ियों तक की खूब डिमांड

एजेंसी, नई दिल्ली मेरठः करवाचौथ के त्योहार को लेकर मेरठ के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। महिलाएं त्योहार की तैयारियों में जुटी हैं और अपने पसंदीदा परिधान खरीदने के लिए बाजारों का रुख कर रही हैं। साड़ियों और सूट की दुकानों पर ग्राहकों की चहल-पहल देखने को मिल रही है। इस बार सिल्क की साड़ियों में फ्रेंच नोट वर्क, जरी चिकनकारी और कॉपर वर्क वाली साड़ियों की खास मांग है। आकर्षक डिजाइन और शानदार कारीगरी वाली ये साड़ियां महिलाओं को खूब पसंद आ रही हैं। वहीं, हल्के वजन और खूबसूरत लुक के कारण ऑर्गेंजा कपड़े की साड़ियां भी महिलाओं को आकर्षित कर रही हैं। करवाचौथ पर पारंपरिक परिधानों के साथ आधुनिक डिजाइन का मेल बाजार में खास आकर्षण बना हुआ है। महिलाएं अपनी पसंद, रंग और बजट के अनुसार साड़ियों व सूट की खरीदारी कर रही हैं। त्योहार के नजदीक आने के साथ बाजारों में रौनक और बढ़ने की उम्मीद है।



टसर सिल्क और कॉपर वर्क साड़ियों का जलवा

आगरा डाकघर घोटालाः पूर्व उप डाकपाल को तीन साल की कैद

एजेंसी, नई दिल्ली । सीबीआई गाजियाबाद की विशेष अदालत ने आगरा के बाग मुजफ्फर खां डाकघर में 51 खाताधारकों की 15.27 लाख रुपये की रकम में हेराफेरी के मामले में तत्कालीन उप डाकपाल वेद प्रकाश पांडेय को तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सीबीआई के अनुसार, वेद प्रकाश पांडेय बाग मुजफ्फर खां डाकघर में उप डाकपाल के पद पर तैनात थे। उनके खिलाफ 17 दिसंबर 2008 को मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि डाकघर में 51 लोगों ने मासिक आय योजना (एमआइएस) और टीडीएस खाते खुलवाए थे। आरोप था कि वेद प्रकाश ने खाताधारकों से प्राप्त रकम को उनके खातों में जमा दिखाया, लेकिन डाक विभाग के लेनदेन से संबंधित जरूरी अभिलेखों में उसका विवरण दर्ज नहीं किया। इस अनियमितता के कारण विभाग को 15.27 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। मामले की सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए तीन साल की सजा सुनाई। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर वेद प्रकाश पांडेय को दोषी माना। इस फैसले से डाक विभाग में वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में जवाबदेही का संदेश गया है। दोषी पर लगाए गए जुर्माने के साथ तीन साल की कैद भी सुनाई गई। इस मामले में खाताधारकों की जमा पूंजी से जुड़ी गंभीर लापरवाही सामने आई। डाकघर में रकम जमा होने का रिकॉर्ड सही तरीके से दर्ज नहीं किया गया, जिससे विभाग को नुकसान हुआ। अदालत के फैसले से वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता और जिम्मेदारी की अहमियत स्पष्ट हुई।

गुरुग्राम: बीड़ी के लिए जान ले ली! मजदूर की हत्या के आरोप में दो नाबालिग हिरासत में

एजेंसी, नई दिल्ली।

गुरुग्राम से एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ महज एक बीड़ी न देने पर दो नाबालिगों ने एक मजदूर की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है। मृतक की पहचान प्यारे लाल के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले थे और पिछले कई सालों से गुरुग्राम में रहकर मजदूरी कर रहे थे। पुलिस को निहाल कॉलोनी में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तुरंत अस्पताल ले गई, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, गुरुवार को आरोपियों ने प्यारे लाल से बीड़ी मांगी थी। उनके मना करने पर गुस्साए दोनों नाबालिगों ने उनके सिर पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला

आगरा के मतदाताओं के लिए जरूरी खबर, नाम जुड़वाने और सुधारने का मौका



सांकेतिक तस्वीर

एजेंसी ,नई दिल्ली

आगरा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, कटे हुए नाम को दोबारा शामिल कराने और नाम-पते में सुधार कराने का मौका दिया जा रहा है। इसके लिए नागरिक अपने क्षेत्र के बूथ पर जाकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर सकते हैं।

इसके अलावा ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है। यदि किसी मतदाता का नाम पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से कट गया है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत दोबारा नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए संबंधित फॉर्म भरना होगा और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

नए मतदाता बनने के इच्छुक नागरिक भी इस अभियान के तहत आवेदन कर सकते हैं। जिन युवाओं की उम्र एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई या एक अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष पूरी हो रही है, वे मतदाता बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए शनिवार को अपने क्षेत्र के मतदान केंद्र पर पहुंचकर बीएलओ से फॉर्म-6 प्राप्त कर उसे भरकर जमा किया जा सकता है। मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य विवरण में गलती होने पर भी सुधार कराने का अवसर दिया जा रहा है। आवेदन करते समय नागरिकों को निर्धारित नियमों के अनुसार आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे, ताकि उनकी जानकारी का सत्यापन किया जा सके।

दिल्ली की जामिया यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन का असर, सभी कक्षाएं ऑनलाइन करने का आदेश

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में छात्र संघ की बहाली की मांग को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच विश्वविद्यालय प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। कैंपस में मौजूदा परिस्थितियों और छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी पाठ्यक्रमों की कक्षाओं को ऑनलाइन मोड में संचालित करने का आदेश जारी किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के इस फैसले के बाद अब अगले आदेश तक छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से ही पढ़ाई करनी होगी।

24 अक्टूबर को जारी हुआ आदेश

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कार्यालय की ओर से 24 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, सभी कोर्स की कक्षाएं अगले आदेश तक



जामिया में सभी कोर्स की क्लास ऑनलाइन मोड में शिफ्ट कर दी गई है।

ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए एहतियाती कदम के तौर पर लिया गया है।

इसका प्रमुख उद्देश्य छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को बिना किसी बाधा के जारी रखना है। प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है कि कैंपस में उत्पन्न स्थिति का असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर न पड़े। इसी वजह से कक्षाओं को पूरी तरह बंद करने के बजाय ऑनलाइन माध्यम से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, कक्षाएं दोबारा ऑफलाइन कब से शुरू होंगी, इस बारे में फिलहाल कोई निश्चित तारीख सामने नहीं आई है। इसके लिए छात्रों को विश्वविद्यालय के अगले आधिकारिक आदेश का इंतजार करना होगा।

हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका, नेहा बोरा ने बॉन्ड भरने से किया इनकार

एजेंसी ,नई दिल्ली

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने दिल्ली हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद भी पीस बॉन्ड भरने से इनकार कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह किसी भी शर्त को स्वीकार नहीं करेंगी और बॉन्ड पर हस्ताक्षर भी नहीं करेंगी। उनके इस रुख के बाद अब आगे की कानूनी कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज हो गई है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, जब पत्रकारों ने नेहा बोरा से पूछा कि क्या वह पीस बॉन्ड पर हस्ताक्षर करेंगी और उनकी क्या शर्तें हैं, तो उन्होंने साफ कहा, 'हमारी कोई शर्तें नहीं हैं।

हम इस बॉन्ड पर हस्ताक्षर करने नहीं जा रहे हैं।' **'हाईकोर्ट में खारिज हुई थी याचिका** नेहा बोरा का यह बयान दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद सामने आया है। उन्होंने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) की अदालत से जारी नोटिस को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था। हालांकि,



सांकेतिक तस्वीर

अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। **क्या है पूरा मामला?** दरअसल, विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अदालत ने नेहा बोरा को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10,000 रुपये का जमानत बॉन्ड यानी श्योरिटी बॉन्ड भरने का नोटिस जारी किया था।

इस आदेश के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बावजूद नेहा बोरा अपने फैसले पर कायम हैं और बॉन्ड भरने से इनकार कर रही हैं। अब आगे की कार्रवाई संबंधित अधिकारियों के कानूनी कदमों पर निर्भर करेगी। बॉन्ड नहीं भरने की स्थिति में क्या कार्रवाई होगी, यह मामले की परिस्थितियों और लागू कानूनी प्रावधानों के अनुसार तय किया जाएगा।

18 साल में छोड़ा कॉलेज, आजादी की लड़ाई में कूदे; जानिए कौन थे धर्मपाल

एजेंसी ,नई दिल्ली

भारत की पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था, विज्ञान और तकनीक के इतिहास को सामने लाने वाले धर्मपाल स्वतंत्रता सेनानी, गांधीवादी विचारक, इतिहासकार और समाजसेवी थे। 24 अक्टूबर 2006 को उनका निधन हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर उनके जीवन और योगदान को याद किया जा रहा है। धर्मपाल ने महज 18 वर्ष की उम्र में मेरठ कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया था। उन्होंने अपना जीवन भारतीय समाज, ग्रामीण विकास और देश की पारंपरिक व्यवस्थाओं के अध्ययन के लिए समर्पित कर दिया। **ब्रिटेन में किया ऐतिहासिक शोध** धर्मपाल ने करीब दो दशक तक ब्रिटेन में रहकर हजारों मूल ऐतिहासिक दस्तावेजों का अध्ययन किया। इन दस्तावेजों के आधार पर उन्होंने भारत की पारंपरिक शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और पंचायत व्यवस्था पर महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं।

दिल्ली के सरकारी स्कूल में दहला देने वाली घटना: 12वीं की छात्रा ने खुद को आग लगाकर की आत्महत्या

एजेंसी ,नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के शाहदरा जिला अंतर्गत कृष्णा नगर स्थित राजकीय सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 12वीं कक्षा की एक 17 वर्षीय छात्रा ने स्कूल परिसर के अंदर ही खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक हादसे के बाद से पूरे इलाके और स्कूल परिसर में सनसनी फैल गई है। **गार्ड रूम के बाहर दिया घटना को अंजाम**

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार को स्कूल परिसर में स्थित सुरक्षा गार्ड के कमरे के बाहर घटी। छात्रा ने गंभीर हालत में स्कूल परिसर के भीतर खुद को आग के हवाले कर दिया। पुलिस को आशंका है कि छात्रा अपने स्कूल बैग में ही कोई ज्वलनशील पदार्थ छिपाकर लाई थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।



स्कूल के बाहर लोगों की भारी भीड़।

25 अक्टूबर को था जन्मदिनइस घटना का सबसे ज्यादा भावुक पहलू यह है कि मृतका का जन्मदिन 25 अक्टूबर को था। ठीक अपने जन्मदिन से एक दिन पहले छात्रा द्वारा इस तरह का खौफनाक कदम उठाए जाने से उसका परिवार गहरे सदमे में है। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस कर रही है हर एंगल से जांचपुलिस अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि छात्रा ने यह कदम पारिवारिक कलह या विवाद के चलते उठाया या फिर स्कूल के अंदर किसी प्रकार के तनाव या विवाद का सामना करना पड़ा था।

पुलिस स्कूल के शिक्षकों, साथी छात्रों और परिजनों से पूछताछ कर रही है ताकि खुदकुशी के असली कारणों का खुलासा हो सके। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर स्थित सरकारी स्कूल में 12वीं की छात्रा ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली, जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

यूपी पीईटी में शामिल होंगे करीब 1.97 लाख अभ्यर्थी, रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (यूपी पीईटी) 2026 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा। परीक्षा के दौरान यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए आगरा और मथुरा से लखनऊ, मेरठ तथा झांसी-बांदा के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा, आगरा कैंट-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पैसेंजर ट्रेन का विस्तार भी किया जाएगा। यूपी पीईटी की परीक्षा 25 और 30 अक्टूबर तथा एक नवंबर को आयोजित होगी।

आगरा मंडल में इस परीक्षा में करीब 1,97,504 अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान है। इनमें आगरा के 1,26,089 और मथुरा के 71,415 परीक्षार्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने और परीक्षा के बाद घर लौटने में सुविधा देने के लिए रेलवे ने विशेष इंतजाम किए हैं। **मथुरा से लखनऊ के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें** परीक्षा के दौरान मथुरा जंक्शन से लखनऊ के लिए 25 और 30 अक्टूबर तथा एक नवंबर को जरूरत के अनुसार दो स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें मथुरा से दोपहर दो बजे और शाम सात बजे रवाना होंगी। **आगरा से मेरठ के लिए भी विशेष व्यवस्था** आगरा कैंट से मेरठ के लिए 24 और 29 अक्टूबर तथा 31 अक्टूबर को स्पेशल ट्रेनें संचालित की जाएंगी।

इन ट्रेनों के आगरा कैंट से रवाना होने का समय दोपहर दो बजे और शाम सात बजे निर्धारित किया गया है। वहीं, मथुरा जंक्शन से वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी होते हुए बांदा के लिए 25 और 30 अक्टूबर तथा एक नवंबर को शाम सात बजे विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। रेलवे की इस व्यवस्था से परीक्षा में शामिल होने वाले हजारों अभ्यर्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा से पहले ट्रेन का समय और संचालन संबंधी नवीनतम जानकारी रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से जरूर जांच लें।

आमिर शौकीन से खुलेगा राज? दिल्ली पुलिस अहमदाबाद ले जाकर करेगी पूछताछ

त्रिपुरा के युवक से कथित नस्लीय दुर्व्यवहार मामला, आमिर शौकीन 5 दिन पुलिस की हिरासत में

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की तीस हजारी अदालत ने सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर आमिर शौकीन को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उसे त्रिपुरा के एक युवक के साथ कथित नस्लीय दुर्व्यवहार और अपमानजनक व्यवहार से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अब इस मामले की आगे की जांच के लिए उसे गुजरात के अहमदाबाद ले जाने की तैयारी कर रही है। जांच एजेंसियों का उद्देश्य घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करना और उनकी भूमिका का पता लगाना है।

पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें त्रिपुरा के एक युवक के खिलाफ कथित तौर पर नस्लीय टिप्पणियां की गई थीं। वीडियो सामने आने के बाद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया। वीडियो में दिखाई देने वाली कथित घटनाओं को लेकर लोगों ने



अहमदाबाद ले जाकर आमिर शौकीन से होगी पूछताछ

नाराजगी जताई और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने वायरल वीडियो का स्वत: संज्ञान लिया और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

त्रिपुरा के युवक के साथ दुर्व्यवहार का आरोप

दिल्ली पुलिस की उत्तरी जिला इकाई ने इस मामले में आमिर शौकीन को गिरफ्तार किया। आरोप है कि त्रिपुरा के एक युवक के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किया गया और उसके प्रति अपमानजनक हरकतें की गईं। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होनी बाकी है। आरोपी के खिलाफ जांच जारी है और पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों तथा उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, आमिर शौकीन दिल्ली के सदर बाजार इलाके से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने यह भी बताया कि वह पहले मारपीट से संबंधित कई मामलों में शामिल रहा है। इन जानकारियों के आधार पर पुलिस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। हालांकि, इस प्रकरण में उसकी भूमिका और आरोपों से संबंधित अंतिम निष्कर्ष जांच तथा अदालत की कार्यवाही के बाद ही सामने आएंगे। अन्य आरोपियों की पहचान पर जोर दिल्ली पुलिस को अदालत से पांच दिन की पुलिस हिरासत मिलने के बाद जांच को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है।

नोएडा के डियर पार्क में होगी हरियाली की भरमार, 3490 पेड़ों से सजेगा पार्क

एजेंसी ,नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-91 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में विकसित हो रहे डियर पार्क को वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक और अनुकूल वातावरण देने की तैयारी की जा रही है। इस योजना के तहत पार्क में कुल 3490 पेड़ लगाए जाएंगे। खास बात यह है कि इन पेड़ों को पहले नर्सरी में तैयार किया जाएगा और 18 से 20 फीट ऊंचाई होने के बाद पार्क के बाड़ों में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके अलावा, यहां विभिन्न प्रजातियों के हिरण और अफ्रीकी एंटीलोप भी लाए जाने की योजना है।

प्राकृतिक माहौल में रहेंगे वन्यजीव

नोएडा प्राधिकरण की योजना के अनुसार, डियर पार्क के बाड़ों में पिलखन, चकरेशिया, मौलश्री, पाकड़, बॉटल ब्रश, अशोक, सेमल और कदम जैसी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे। इन पेड़ों का उद्देश्य वन्यजीवों को पर्याप्त छाया,



हरियाली और उनके प्राकृतिक आवास जैसा वातावरण उपलब्ध कराना है। पेड़ों को पहले नर्सरी में 18 से 20 फीट तक विकसित किया जाएगा, ताकि पार्क में लगाने के बाद वे वन्यजीवों के लिए बेहतर वातावरण तैयार कर सकें।

इसके बाद इन्हें सावधानीपूर्वक बाड़ों में ट्रांसप्लांट किया जाएगा। **हिरणों के साथ दिखेंगे अफ्रीकी एंटीलोप** डियर पार्क में विभिन्न प्रजातियों के हिरणों के साथ अफ्रीकी एंटीलोप लाने की योजना भी आकर्षण का केंद्र होगी। बाड़ों की बनावट और पेड़-पौधों की व्यवस्था इस तरह की जाएगी कि वन्यजीवों को प्राकृतिक माहौल मिल सके। साथ ही, उनकी व्यवस्था ऐसी होगी कि वे एक-दूसरे की आवाज भी सुन सकें।

न्यूज ब्रीफ

शादी के डेढ़ महीने बाद नवविवाहिता की मौत, पति-ननद पर दहेज प्रताड़ना का केस

भारतेन्दु संवाददाता, अशोक ठाकुर, पठानकोट। प्रीत नगर में 25 वर्षीय नवविवाहिता सीमा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में मायके पक्ष ने पति और ननद पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। सीमा का विवाह 5 सितंबर को जम्मू निवासी अमित कुमार से हुआ था। 22 अक्टूबर को वह मायके में कमरे के पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकी मिली। मृतका के भाई अश्वनी कुमार के अनुसार, उसने बहन की शादी के लिए करीब तीन लाख रुपये का कर्ज लिया था। आरोप है कि शादी के बाद सीमा पर और पैसे लाने का दबाव बनाया जाता था। 7 अक्टूबर को कथित विवाद के बाद वह मायके लौट आई थी। बुआ ने भी मौत से कुछ दिन पहले सीमा द्वारा परेशानी बताए जाने का दावा किया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति अमित कुमार और ननद दीपिका के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 80 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए तरीके



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बलेरा में व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सुरक्षित उपयोग और साइबर अपराधों से बचाव पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। शिक्षाविद एवं समाजसेवी सुमन प्रजापति ने विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि एआई शिक्षा और कौशल विकास में उपयोगी है, लेकिन इसका इस्तेमाल जिम्मेदारी और सावधानी से करना चाहिए। उन्होंने डीपफेक वीडियो, नकली आवाज के जरिए ठगी, फर्जी लिंक और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए। साथ ही पासवर्ड और ओटीपी गोपनीय रखने तथा संदिग्ध संदेशों की सत्यता जांचने की सलाह दी। इस अवसर पर कार्यकारी प्रधानाचार्य रजनीश कुमार, वोकेशनल ट्रेनर विपुल महाजन सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एएसपी ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, ज्वाली (कांगड़ा)। टैगोर मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रैहन में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसमें एएसपी नूरपुर धर्मचंद वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विद्यार्थियों ने देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और विभिन्न राज्यों की संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रस्तुत लघु नाटिका ने दर्शकों को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।



फुटबॉल सीनियर स्टेट टीम चयनित

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष लीला विलास ने बताया कि जिला की सीनियर फुटबॉल टीम के लिए ट्रायल मंडी के पड्डल मैदान में संपन्न हुआ। इसमें जिला भर से 40 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तर के लिए किया गया है। जगदीश राजा इस ट्रायल के अध्यक्ष व फुटबॉल कोच विक्रम बिष्ट, खेलो इंडिया के कोच कमल किशोर, भूपेंद्र काऊ, वीरेंद्र सेन, दीप कुमार, राजकुमार पिंका, हितेंद्र पटियाल, कैशियर प्रवीण शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष राज्य स्तर की यह प्रतियोगिता अगले माह मंडी के पड्डल मैदान में होंगी।

कांग्रेस पहले बताए, हिमाचल में किस लोकतंत्र से बनी सरकार: इंद्र सिंह गांधी

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बल्ह विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्र सिंह गांधी ने मंडी में कांग्रेस के 'वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को पहले स्पष्ट करना चाहिए कि हिमाचल प्रदेश में उनकी सरकार किस लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत बनी है। वर्ष 2022 में इसी संवैधानिक चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से कांग्रेस को जनादेश मिला था। गांधी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रतिभा सिंह सहित अन्य नेताओं से पूछा कि प्रदेश में अपनी सरकार होने के बावजूद कांग्रेस को लोकतंत्र खतरे में क्यों नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को राजनीतिक प्रदर्शन करने के बजाय जनता के सामने अपने तीन वर्षों के कामकाज और चुनावी गारंटियों का हिसाब रखना चाहिए। भाजपा विधायक ने कहा कि प्रदेश में रोजगार, आर्थिक स्थिति, विकास कार्यों की गति और चुनावी वादों को लेकर जनता जवाब चाहती है।

सुक्खू सरकार जनहित में कर रही काम, स्वास्थ्य सुधार व कर्मचारी राहत प्राथमिकता : संजीव गांधी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य प्रवक्ता संजीव गांधी ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार के फैसलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और कर्मचारियों को आर्थिक राहत देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। गांधी ने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक जांच सुविधाओं के विस्तार के लिए लगभग 28 से 30 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की गई है। वहीं, महंगाई भत्ता 45 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 10 हजार रुपये देने के फैसले से कर्मचारियों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य जनकल्याण और जवाबदेह शासन सुनिश्चित करना है।

कोटली स्कूल में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल आयोजित, विद्यार्थियों को किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की के अंतर्गत राजकीय उच्च विद्यालय कोटली में आपदा प्रबंधन टीम की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मॉक ड्रिल के माध्यम से विद्यार्थियों को आपदा से बचाव और सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई। आपदा प्रबंधन टीम के मुख्य सदस्य महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को आपदा से पहले, उसके दौरान और बाद में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्कता और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। सही जानकारी और सुरक्षित बचाव के तरीकों से जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला कोटली और राजकीय उच्च विद्यालय कोटली के विद्यार्थियों तथा अध्यापकों ने भाग लिया। विद्यालय की कार्यकारी मुख्याध्यापिका उषा कंवर ने आपदा प्रबंधन टीम का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में टीजीटी आर्ट्स एवं आपदा प्रबंधन प्रभारी प्रवीण राणा ने टीम का आभार व्यक्त किया।

दो सिंचाई योजनाएं किसानों को समर्पित

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। विधायक अनुराधा राणा ने शनिवार को जायका-ओडीए के सहयोग से लाहौल-स्पीति के तिन्नो और जोबरंग गांवों में निर्मित दो वहाव सिंचाई योजनाएं किसानों को समर्पित कीं। इन योजनाओं पर कुल 1.83 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इनके माध्यम से 81.37 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी तथा 306 कृषक परिवार लाभान्वित होंगे। इस दौरान कृषक विकास संघों को हस्तांतरण प्रमाण-पत्र और टूलकिट वितरित की गईं। विधायक ने किसानों से योजनाओं के उचित रखरखाव और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान सहित पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

खेल, शिक्षा व समाजसेवा को समर्पित रहा अनुराग का जन्मदिन

30 महिला खिलाड़ी सम्मानित, गांधी चौक पर कन्या पूजन, सुजानपुर में बच्चों को बांटी शिक्षा सामग्री व समीरपुर में किया रक्तदान







भारतेन्दु संवाददाता, सुरेंद्र कटोच, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के जन्मदिन के अवसर पर शनिवार को जिला हमीरपुर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हमीरपुर के गांधी चौक और समीरपुर में भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर अनुराग सिंह ठाकुर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, विधायक इंद्रदत्त लखनपाल और विधायक आशीष शर्मा सहित पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री, डॉ. अनिल धीमान, कमलेश कुमारी और राजीव सहजल समेत अनेक भाजपा नेता गांधी चौक हमीरपुर और समीरपुर पहुंचे। बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भी अनुराग सिंह ठाकुर से मिलकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

गांधी चौक हमीरपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली 30 महिला खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को खेलों से जोड़ने के महत्व को रेखांकित किया गया।

गांधी चौक पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया। अनुराग सिंह ठाकुर ने हवन में पूर्णाहुति डालकर धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। इसके पश्चात उन्होंने कन्या पूजन किया, और सभी नौ कन्याओं को स्कूल बैग के साथ शिक्षा और खाद्य सामग्री भेंट की। कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। इसी अवसर पर सुजानपुर स्थित अनाथ आश्रम के सभी 12 बच्चों को शिक्षा सामग्री वितरित की गई। इस पहल के माध्यम से बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। जिला भाजपा की ओर से इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर की अगुवाई में अनुराग सिंह ठाकुर को तलवार, शॉल और हिमाचली टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। जन्मदिन के अवसर पर समीरपुर रेस्ट हाउस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस पहल के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने अनुराग सिंह ठाकुर के जन्मदिन पर कार्यक्रम आयोजित कर अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। धार्मिक अनुष्ठानों, खेल प्रतिभाओं के सम्मान, बच्चों को शिक्षा सामग्री वितरण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रक्तदान जैसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के माध्यम से जन्मदिन मनाया गया। गांधी चौक से समीरपुर तक नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भागीदारी कार्यक्रमों का प्रमुख आकर्षण रही।

केलांग में भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, बूथ स्तर पर मजबूती पर दिया जोर



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। भाजपा के स्थानीय नेता एवं पूर्व विधायक श्री रवि ठाकुर ने आज केलांग मंडल में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक में सहभागिता की। बैठक में भाजपा हिमाचल प्रदेश के प्रभारी श्रीकांत शर्मा, किन्नौर प्रभारी अजय राणा, लाहौल-स्पीति प्रभारी नितेन कुमार, सह-प्रभारी ज्योति कपूर एवं पर्यटन प्रकोष्ठ के संयोजक चमन कपूर सहित पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी, मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा मंडल, ग्राम केंद्रों और बूथ समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जनजातीय क्षेत्रों में पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने और जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही, संगठनात्मक जिम्मेदारियों के बेहतर निर्वहन और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के महत्व पर भी चर्चा हुई। बैठक में संगठनात्मक एकजुटता, कार्यकर्ताओं के समर्पण और आपसी सहयोग को पार्टी की मजबूती का आधार बताते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर व अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मिलकर कार्य करने पर बल दिया गया।

नूरपुर को जिला बनाने की मांग तेज, सीएम से मिलेंगे अजय महाजन

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। नूरपुर को जिला बनाने की मांग को लेकर पूर्व कांग्रेस विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय महाजन प्रयासरत हैं। वह आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मिलकर इस मांग को प्रमुखता से उठाएंगे। नूरपुरवासियों की यह वर्षों पुरानी मांग है और क्षेत्र के लोगों को नए जिले के गठन को लेकर सरकार से उम्मीदें हैं। अजय महाजन ने कहा कि भाजपा सरकार के समय नए जिले बनाने की चर्चा हुई, लेकिन आपसी खींचतान के कारण सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आए। उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नए जिलों के गठन के लिए आयोग गठित करना उम्मीद जगाने वाला कदम है। आयोग ने अपनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। महाजन ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री जनहित को ध्यान में रखकर निर्णय लेंगे। वहीं, स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने लोगों से नूरपुर को जिला बनाने की मुहिम में एकजुट होकर सहयोग देने की अपील की। उनका कहना है कि नूरपुर को जिला बनाने का सपना पूरे क्षेत्र की वर्षों पुरानी आकांक्षा है।

सीएम सुक्खू ने बिहडु में किया 2.47 करोड़ से निर्मित उपतहसील कार्यालय का उद्घाटन



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला से वर्चुअल माध्यम द्वारा जिला ऊना के कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के बिहडु में 2.47 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित उप-तहसील कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने क्षेत्रवासियों को नए भवन की बधाई देते हुए कहा कि इससे लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के निष्पादन में सुविधा मिलेगी और प्रशासनिक सेवाएं बेहतर होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय विधायक विवेक शर्मा के निरंतर प्रयासों से भवन का निर्माण पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कुटलैहड़ क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि मटियाणा-बंगाणा के बीच पुल निर्माण के लिए पांच करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, 15 करोड़ रुपये की लागत से तुरकाल-पंगा पेयजल आपूर्ति योजना का निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र की सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए लठियाणी-कोडरा सड़क के लिए 8.36 करोड़ रुपये, बंगाणा-शांतला सड़क के सुदृढ़ीकरण के लिए 12 करोड़ रुपये तथा हटली-तलपी सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में सड़क संपर्क और पेयजल सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर शिमला में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया और महाधिवक्ता अनूप रतन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक विवेक शर्मा ने जताया आभार

स्थानीय विधायक विवेक शर्मा ने क्षेत्र को विकासात्मक सौगातें देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कुटलैहड़ की जनता की मांगों और समस्याओं के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र के विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।

हमीरपुर में 15 वोल्वो बसों की जांच, बिना बिल सामान लाने पर 80 हजार जुर्माना



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर त्योहारी सीजन में व्यापारी मुनाफा कमाने के चक्कर में बिना बिल के सामान ला रहे हैं। ऐसे व्यापारियों पर आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी पैनी नजर बनाए हुए हैं। शनिवार को आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारियों ने दिल्ली से आ रही वोल्वो बसों का औचक निरीक्षण किया जिसमें बहुत सामान बिना बिल के ला रहे व्यापारियों को पकड़ा है।

अधिकारियों ने वोल्वो बसों में बिना बिल के सामान ले जाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।विभाग की टीम ने शनिवार को 15 वोल्वो बसों की औचक चैकिंग की। जांच के दौरान 8 व्यापारी बिना बिल के सामान ले जाते हुए पकड़े गए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए। व्यापारियों में 5 व्यापारी कपड़े, मनियारी का सामान और खिलौने बिना बिल के ले जा रहे थे। मौके पर ही विभाग ने 5 व्यापारियों से 80 हजार रुपए का जुर्माना वसूला है, जबकि 3 व्यापारियों के मामले अभी विचाराधीन हैं, जिनका केस डिसाइड करना बाकी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना बिल के सामान ढोने वालों के खिलाफ आगे भी इस तरह का औचक निरीक्षण जारी रहेगा।

यह औचक निरीक्षण के दौरान राज्य कर अधिकारी विनोद शर्मा व सहायक आयुक्त कुलदीप कुमार की टीम ने किया। व्यापारियों द्वारा लाए जा रहे सामान को जब्त कर उसकी मूल्यों की जांच की गई। उन्होंने बताया कि व्यापारियों को 80 हजार रुपए का जुर्माना वसूल कर सरकारी राजस्व में जमा करवा दिया है जबकि तीन मामलों की जांच की जा रही है उसके बाद इन्हें भी जुर्माना लगाया जाएगा।

बच्चों को नशे व मोबाइल की लत से बचाने में अभिभावक निभाएं जिम्मेदारी: विपिन परमार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। धौलाधार कॉन्वेंट स्कूल भवारना में वार्षिक समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक विपिन सिंह परमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। परमार ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, अनुशासन और शानदार प्रस्तुतियों की सराहना की।

उन्होंने विद्यालय की प्रधानाचार्य अनुपम मेहरा और समस्त शिक्षक वर्ग के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार, नैतिक मूल्य और अनुशासन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। परिवार बच्चों के लिए संस्कारों की पहली पाठशाला है, जबकि शिक्षक उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विपिन सिंह परमार ने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और बच्चों में मोबाइल के अनियंत्रित उपयोग पर चिंता जताई। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ संवाद बनाए रखने, उनकी गतिविधियों पर ध्यान देने और उन्हें प्यार से सही दिशा दिखाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई से बच्चों को बचाने के लिए अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे। परमार ने शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों को 'वंदे मातरम' के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन में इसके योगदान और राष्ट्रीय एकता के महत्व की जानकारी देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में देशभक्ति, मानवीय मूल्यों और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करना जरूरी है।

नाहन के वाल्मीकि चौक पर धार्मिक निशान से हुई घटना पर समाज में रोष



भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। हिमाचल प्रदेश के नाहन स्थित वाल्मीकि चौक पर भगवान वाल्मीकि जी के पवित्र निशान के साथ हुई घटना पर अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा और समस्त वाल्मीकि समाज ने गहरा रोष जताया है। समाज के प्रतिनिधियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य बताया। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव पी.एन. चटवाल ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से मामले का तुरंत संज्ञान लेने तथा दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म की आस्था के साथ खिलवाड़ करना स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को दूसरे धर्मों और धार्मिक प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए। समाज के प्रतिनिधियों ने वाल्मीकि चौक की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बहाल करने के लिए पवित्र निशान और चौक को दूध से धोकर शुद्ध करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से समाज में दुख और असंतोष पैदा होता है।

पी.एन. चटवाल ने गुरु ग्रंथ साहिब की पावन वाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि ईश्वर एक है और वह किसी से बैर नहीं रखता। सभी धर्म प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश देते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को संतों, महापुरुषों और सभी धर्मों की आस्था का सम्मान करना चाहिए।

वाल्मीकि समाज ने प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन से त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की मांग करते हुए सभी वर्गों से शांति, संयम और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कुल्लू दशहरा में बजंतरियों को मिलेगा सम्मान: सुंदर सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने देवभूमि बजंतरी कल्याण संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए बजंतरियों, और देव-संस्कृति से जुड़े विभिन्न वर्गों के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय साझा किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बजंतरियों को दी जाने वाली सहायता राशि कोई केवल वित्तीय मदद नहीं, बल्कि उनके समर्पण और भक्ति के प्रति 'मान-सम्मान' का प्रतीक है। इस प्रक्रिया को सरल बनाते हुए तहसीलदार और प्रशासनिक टीम द्वारा मौके पर ही फॉर्म भरवाए जा रहे हैं तथा इस प्रोत्साहन राशि का त्वरित भुगतान आज से ही शुरू कर दिया गया है ताकि दशहरा उत्सव के दौरान ही सभी को इसका लाभ मिल सके। भविष्य की योजना साझा करते हुए उन्होंने बताया कि अगले वर्ष से दशहरा शुरू होते ही पहले ही दिन से यह राशि प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा अन्य संबंधित समूहों को भी स्वीकृत राशि देने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर देवभूमि बजंतरी कल्याण संघ अध्यक्ष मेहर सिंह ने स्वागत संबोधन देते हुए मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया।

अनदेखी आपदा के बाद से क्षतिग्रस्त है सड़क का हिस्सा, ग्रामीणों ने उठाई डंगे के निर्माण की मांग

चूड़ी-राडी-भटवाड़ा सड़क पर मंडरा रहा हादसों का खतरा



देशराज कश्यप, भारतेन्दु संवाददाता, धरवाला। चूड़ी-राडी-भटवाड़ा संपर्क सड़क मार्ग की बदहाली अब वाहन चालकों, राहगीरों और स्कूली विद्यार्थियों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। गत वर्ष आई प्राकृतिक आपदा के दौरान राजकीय प्राथमिक पाठशाला गुंआं के समीप कुठैला कैंची मोड़ पर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी। डंगा धंसने के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा संकरा हो चुका है, जिससे यहां से गुजरने वाले वाहनों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से स्थानीय लोगों में रोष है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, राडी-भटवाड़ा सहित प्रीणा पंचायत के दर्जनों गांवों के लोग रोजाना इसी सड़क मार्ग से आवागमन करते हैं। ऐसे में सड़क की बदहाल स्थिति लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही है। राजकीय प्राथमिक पाठशाला गुंआं के समीप कुठैला कैंची मोड़ पर डंगा धंसने से सड़क बेहद संकरी हो गई है। यहां से गुजरते समय वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। सड़क के किनारे सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में राहगीरों और स्कूली बच्चों की आवाजाही भी जोखिम भरी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि भटवाड़ा बस अड्डे से महज डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर भी सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस मार्ग पर सफर करने वाले लोगों को किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सड़क की बदहाली को लेकर संबंधित विभाग को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि कुठैला कैंची मोड़ पर धंसे डंगे के निर्माण कार्य को जल्द गति दी जाए। साथ ही, राजकीय प्राथमिक पाठशाला गुंआं के आसपास और सड़क के अन्य संवेदनशील स्थानों पर क्रैश बैरियर लगाए जाएं, ताकि किसी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि सड़क मार्ग की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था में देरी लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्य करवाए जाएं, ताकि वाहन चालकों, राहगीरों और स्कूली विद्यार्थियों का आवागमन सुरक्षित बनाया जा सके।

ग्रामीणों ने बयां की सड़क की बदहाली

रमेश भारद्वाज, ग्रामीण: राजकीय प्राथमिक पाठशाला गुंआं के ठीक पीछे की तरफ डंगा धंस जाने के कारण सड़क मार्ग बेहद संकरा हो चुका है। यहां से गुजरना वाहन चालकों के लिए परेशानी भरा है।

सरवन कुमार, ग्रामीण: राडी-भटवाड़ा सड़क मार्ग पर कुठैला कैंची मोड़ के पास सड़क का आधा हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। इस समस्या का जल्द समाधान किया जाना चाहिए।

दीपा कुमारी, ग्रामीण: गुंआं स्कूल के ठीक पीछे सड़क मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। विद्यालय के समीप संवेदनशील स्थानों पर क्रैश बैरियर लगाए जाने चाहिए, ताकि बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

मनीषा कुमारी, ग्रामीण: भटवाड़ा बस अड्डे से महज डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर सड़क मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। संबंधित विभाग को जल्द मरम्मत करवाकर लोगों को राहत प्रदान करनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर में सेवानिवृत्त राजस्व अधिकारियों की होगी पुनर्नियुक्ति, आवेदन आमंत्रित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में राजस्व प्रशासन को सुचारू बनाने और लंबित राजस्व मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए सेवानिवृत्त तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों और कानूनगो की पुनर्नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए पात्र सेवानिवृत्त अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राजस्व विभाग के कार्यों में तेजी लाना और लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करना है। पुनर्नियुक्ति के लिए आयु सीमा निर्धारित की गई है। 65 वर्ष से अधिक आयु के अधिकारी इस प्रक्रिया के लिए पात्र नहीं होंगे। इस कदम से राजस्व प्रशासन की कार्यप्रणाली को मजबूत करने और आम जनता से जुड़े राजस्व मामलों के निपटारे में सहायता मिलने की उम्मीद है।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य ने बिजली महादेव के अस्थायी शिविर में नवाया शीश



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान ढालपुर स्थित बिजली महादेव के अस्थायी शिविर में शीश नवाया और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पहले शुक्रवार शाम उन्होंने भगवान रघुनाथ जी के अस्थायी शिविर में भी पूजा-अर्चना की थी। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा हिमाचल प्रदेश की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इस उत्सव में विभिन्न देवी-देवताओं का समागम सदियों पुरानी देव परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को जीवंत बनाता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और परंपराओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बिलासपुर में बुडामल एंड संस की आभूषण प्रदर्शनी का उपायुक्त ने किया उद्घाटन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। करवा चौथ के अवसर पर बिलासपुर के पूर्णिम मॉल में पालमपुर के प्रसिद्ध बुडामल एंड संस ज्वैलर्स की आभूषण प्रदर्शनी का शुभारंभ उपायुक्त राहुल कुमार ने किया। उन्होंने प्रदर्शनी में सोने-चांदी के आकर्षक आभूषणों का अवलोकन किया और उनकी कारीगरी की सराहना की। इस दौरान उन्होंने अत्याधुनिक गोल्ड टेस्टिंग मशीन (कैरेटोमीटर) की कार्यप्रणाली भी देखी। उपायुक्त ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिरों में चढ़ावे के रूप में प्राप्त होने वाले सोने-चांदी की जांच के लिए श्री नैना देवी जी और शाहतलाई स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर में भी गोल्ड टेस्टिंग मशीनें स्थापित की जाएंगी। इससे चढ़ावे में प्राप्त बहुमूल्य धातुओं की शुद्धता की जांच करने में मदद मिलेगी।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन आज से सिरमौर प्रवास पर

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। उद्योग, श्रम एवं रोजगार तथा संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान 25 से 28 अक्तूबर तक सिरमौर जिला के प्रवास पर रहेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उद्योग मंत्री 25 अक्तूबर को पांवटा साहिब में आयोजित यमुना शरद महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 26 अक्तूबर को वह प्रातः 10 बजे सतौन, दोपहर 1 बजे कफोटा और सायं 4 बजे शिलाई में लोगों की समस्याएं सुनेंगे। 27 अक्तूबर को प्रातः 11:30 बजे लोजा में राजकीय उच्च विद्यालय के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। वहीं, 28 अक्तूबर को प्रातः 11 बजे नाहन स्थित उपायुक्त कार्यालय में जिला योजना विकास एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

एनएसएस शिविर में विद्यार्थियों को फेक न्यूज से बचने और नशा निवारण के प्रति किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्यमंत्री आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पंजगाईं में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दूसरे दिन बौद्धिक सत्र में पत्रकारिता और नशा निवारण पर जागरूकता व्याख्यान हुए। शिविर में 50 स्वयंसेवियों ने भाग लिया, जिनमें 28 छात्र और 22 छात्राएं शामिल हैं। वरिष्ठ पत्रकार कश्मीर ठाकुर ने पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि सत्य, निष्पक्षता और जिम्मेदारी इसके प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार की सबसे बड़ी ताकत उसकी विश्वसनीयता है। विद्यार्थियों को फेक न्यूज के प्रति सतर्क रहने और किसी भी सूचना को सत्यता जांचे बिना सोशल मीडिया पर साझा न करने की सलाह दी। उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांतों की जानकारी देते हुए समाज के प्रति जिम्मेदार भूमिका निभाने का संदेश दिया।

पशाकोट स्कूल के एनएसएस स्वयंसेवियों ने बरोट में चलाया स्वच्छता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पशाकोट बरोट की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने बरोट बाजार, लक्कड़ बाजार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और ग्राम पंचायत बरोट के परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य थमन सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एनएसएस जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में समाज सेवा और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी उपासना शर्मा और गणित प्रवक्ता सुनील कुमार के मार्गदर्शन में स्वयंसेवियों ने विभिन्न स्थानों पर सफाई कर कूड़ा-कचरा एकत्रित किया और उसका उचित निपटान किया। साथ ही स्थानीय लोगों और दुकानदारों को इधर-उधर गंदगी न फैलाने के लिए प्रेरित किया।

थौना स्कूल के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में लहराया परचम



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थौना के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय अंडर-14 ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के खिलाड़ियों ने कुल नौ स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालक वर्ग में शिवांश भारद्वाज, मोहित कुमार, विनय कुमार, शिवांश राणा, राकेश कुमार और परीक्षित ठाकुर ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं, बालिका वर्ग में शानवी, कनिका और सुनाक्षी ने स्वर्ण तथा शिवानी ने कांस्य पदक हासिल किया। इस उपलब्धि का श्रेय ताइक्वांडो कोच एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षक योग राज को दिया गया। विद्यालय प्रशासन ने सभी खिलाड़ियों और कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झंगी पुल मैदान में 5 से 7 तक सजेगा दिवाली मेला

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। ग्राम पंचायत धलारा के झंगी पुल मैदान में 5 से 7 नवंबर तक तीन दिवसीय दिवाली मेले का आयोजन होगा। मेले में वॉलीबॉल, कबड्डी, महिला रस्साकशी, मटका फोड़ और दंगल प्रतियोगिताएं होंगी। सांस्कृतिक संध्याओं में गौरव मेहरा, मेहरा म्यूजिक ग्रुप, रणवीर सिंह 'वीरू', स्नाइपर साउंड और चांदनी ग्रुप पालमपुर की प्रस्तुतियां प्रस्तावित हैं। पंचायत प्रधान निशा ठाकुर ने आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेले का उद्देश्य सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना और लोगों को मेल-मिलाप का अवसर प्रदान करना है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से भाग लेने की अपील की है।

हिमाचल के 6 मेडिकल कॉलेजों में 320 नई पीजी सीटों को मंजूरी, केंद्र देगा 415 करोड़

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बोले– प्रदेश के युवाओं को मिलेंगे मेडिकल शिक्षा के अधिक अवसर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 320 नई पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल सीटों को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार लगभग 415 करोड़ रुपये का अनुदान उपलब्ध करवाएगी। नड्डा ने इसे प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों में देशभर में 15,000 करोड़ रुपये की लागत से 10,000 नई मेडिकल सीटें जोड़ने की योजना स्वीकृत की है। हिमाचल को मिली मंजूरी इसी पहल का हिस्सा है। नड्डा के अनुसार, स्वीकृत पीजी सीटों में



आईजीएमसी शिमला को 91, हमीरपुर मेडिकल कॉलेज को 57, नेरचौक मंडी को 55, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा को 57, नाहन मेडिकल कॉलेज को 32 और चंबा मेडिकल कॉलेज को 28 सीटें मिली हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार से 23 जून को प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। छह अक्टूबर को एम्स बिलासपुर के दीक्षांत समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के साथ भी इस विषय पर चर्चा हुई थी। इसके बाद केंद्र ने सभी 320 प्रस्तावित सीटों को मंजूरी प्रदान की।

विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा

नड्डा ने कहा कि नई पीजी सीटों से सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग और कैंसर सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी। इससे प्रदेश के युवाओं को उच्च चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे और मरीजों को अपने नजदीक बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने प्रदेश सरकार से सभी सीटों के समयबद्ध सृजन के लिए आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी करने का आग्रह किया।

विकास परियोजनाओं में तेजी लाने की मांग

नड्डा ने क्रिटिकल केयर ब्लॉकों और जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं के निर्माण कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने चंडीगढ़-बद्दी तथा भानुपल्ली-बिलासपुर रेल परियोजनाओं में राज्य सरकार की वित्तीय हिस्सेदारी और भूमि संबंधी लंबित मामलों का जल्द समाधान करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल के विकास के लिए सहयोग देने को प्रतिबद्ध है और जनहित से जुड़ी परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

टीहरा में विकास खंड कार्यालय खोलने की मांग ने पकड़ा जोर

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। धाड़ता टीहरा और गद्दीधार क्षेत्र में विकास खंड कार्यालय खोलने की मांग तेज हो गई है। पूर्व पंचायत समिति सदस्य एवं समाजसेवी शिवकुमार वर्मा ने सरकार से आग्रह किया है कि विकासखंड कार्यालयों के पुनर्गठन के दौरान टीहरा में भी नया कार्यालय खोला जाए।



उन्होंने कहा कि क्षेत्र की लगभग 22 से 23 पंचायतों के लोगों को विकास कार्यों से जुड़े काम करवाने के लिए करीब 25 से 26 किलोमीटर दूर धर्मपुर जाना पड़ता है। पर्याप्त बस सुविधा न होने के कारण लोगों, विशेषकर महिला पंचायत प्रतिनिधियों को परेशानी झेलनी पड़ती है। कई बार काम करवाने में पूरा दिन बीत जाता है और शाम को घर लौटना भी मुश्किल हो जाता है। शिवकुमार वर्मा ने कहा कि टीहरा में विकास खंड कार्यालय खुलने से पंचायत प्रतिनिधियों और आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। इससे प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी तथा लोगों के समय और संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने सरकार से क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और जनहित को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर प्राथमिकता से विचार करने का आग्रह किया।

जुखाला स्कूल में आधुनिक खेती के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना (एचपीसीडीपी) चरण-II के तहत जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका) के सहयोग से कृषि विभाग ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुखाला में नेक्स्ट जेनरेशन कार्यक्रम के तहत ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर पवन कुमार और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अंजलि ठाकुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विद्यार्थियों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, जलवायु अनुकूल कृषि तथा संतुलित आहार एवं पोषण के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही कृषि क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं से भी अवगत करवाया गया।

विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए विद्यालय परिसर में पोषण वाटिका विकसित की जाएगी, जिसमें मूली, पालक, मटर और बाकला जैसी सब्जियां उगाई जाएंगी। कार्यक्रम के प्रथम चरण में 30 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद पांच विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में कृषि के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें टिकाऊ खेती के लिए प्रेरित करना है।

अनुदान पर गेहूं का बीज व अन्य कृषि सामग्री लेने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कृषि विभाग बिलासपुर ने किसानों से अनुदान पर गेहूं का बीज व अन्य कृषि सामग्री प्राप्त करने के लिए फार्मर आईडी (किसान पहचान पत्र) बनवाने की अपील की है। विभाग द्वारा किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के प्रति जागरूक करने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण शिविरों, समाचार पत्रों तथा अन्य माध्यमों से जानकारी दी जा रही है, ताकि किसान कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

उप-निदेशक कृषि बिलासपुर कुलभूषण धीमान ने बताया कि रबी सीजन के दौरान 27 अक्टूबर, 2026 से गेहूं के बीज व अन्य कृषि सामग्री का वितरण केवल फार्मर आईडी के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने अभी तक फार्मर आईडी नहीं बनवाई है, वे जल्द से जल्द नजदीकी लोक मित्र केंद्र में जाकर अपनी आईडी बनवाएं। इसके अतिरिक्त किसान इस संबंध में कृषि विभाग के अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि फार्मर आईडी बनवाने के लिए अपने साथ आधार कार्ड तथा भूमि के खसरा नंबर की प्रति अवश्य लेकर जाएं, ताकि आवश्यक प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि किसान समय रहते अपनी फार्मर आईडी बनवा लें, जिससे उन्हें अनुदान पर गेहूं का बीज व अन्य कृषि सामग्री प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बिलासपुर में जल शक्ति विभाग पर कोर्ट सख्त संपत्ति कुर्क करने के वारंट जारी करने के आदेश

- कंप्यूटर, फर्नीचर, एसी और सोफा सेट समेत सूचीबद्ध सामान पर हो सकती है कुर्की, डिक्री होल्डर की अर्जी मंजूर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर स्थित न्यायालय ने उत्तम सिंह बनाम सचिव, आईपीएच एवं अन्य मामले में वर्ष 2020 में पारित फैसले और डिक्री की अनुपालना न होने पर विभाग की संबंधित संपत्तियों की कुर्की के वारंट जारी करने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने डिक्री होल्डर की ओर से दायर अर्जी को मंजूर कर लिया है।



मामले के अनुसार, उत्तम सिंह की भूमि का उपयोग उनकी सहमति के बिना पानी की योजना और निर्माण कार्य के लिए किया गया था। इस संबंध में न्यायालय ने 8 सितंबर, 2020 को फैसला सुनाते हुए विभाग को डिक्री के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। आरोप है कि निर्धारित आदेशों की अपेक्षित अनुपालना नहीं की गई।

डिक्री होल्डर ने न्यायालय में अर्जी दायर कर बिलासपुर स्थित आईपीएच विभाग के अधिशासी अभियंता और अधीक्षण अभियंता के कार्यालयों तथा विभागीय रेस्ट हाउस में उपलब्ध चल संपत्ति कुर्क करने की मांग की थी। सूची में कंप्यूटर, मेज-कुर्सियां, अलमारियां, सोफा सेट और एयर कंडीशनर सहित अन्य सामान शामिल है। न्यायालय ने रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद अर्जी स्वीकार करते हुए सूचीबद्ध संपत्तियों के संबंध में कानून के अनुसार कुर्की वारंट जारी करने के निर्देश दिए। आदेश में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के 26 नवंबर, 2025 के परिपत्र का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें छह माह या उससे अधिक समय से लंबित निष्पादन याचिकाओं के निपटारे और पुराने मामलों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए थे।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि कुर्की केवल उन्हीं संपत्तियों तक सीमित रहेगी, जिन्हें लागू कानून के तहत कुर्क किया जा सकता है।

उत्तम सिंह की ओर से अधिवक्ता विजय ठाकुर और सरपाल सिंह ठाकुर ने पक्ष रखा। न्यायालय के आदेश के बाद अब संबंधित सूचीबद्ध चल संपत्तियों की कुर्की की प्रक्रिया कानून के प्रावधानों के अनुरूप आगे बढ़ेगी।

नरेश ने किया भगेड़ नशा निवारण केंद्र का औचक निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर ने शनिवार को बिलासपुर जिले के घुमारवीं उपमंडल के भगेड़ स्थित नशा निवारण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेट सीआईडी इंचार्ज कपिल और उनकी टीम भी मौजूद रही। निरीक्षण के दौरान केंद्र के रिकॉर्ड, दस्तावेजों, साफ-सफाई, खानपान, बाथरूम और मरीजों के रहने की व्यवस्था का जायजा लिया गया। व्यवस्थाएं सामान्य रूप से संतोषजनक पाई गईं, जबकि कुछ कमियां सामने आने पर प्रबंधन को उन्हें शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए।

नरेश ने बताया कि प्रदेशभर के नशा निवारण केंद्रों का औचक निरीक्षण कर सुविधाओं और निर्धारित मानकों की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और पंचायतों में जागरूकता शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नशे से प्रभावित लोगों को बेहतर उपचार, परामर्श और पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर जोर दिया।

हिमाचल को 320 नई पीजी मेडिकल सीटों की मंजूरी बड़ी उपलब्धि : राकेश

रूपलाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं सुंदरनगर के विधायक राकेश जम्वाल ने हिमाचल प्रदेश के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 320 नई पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल सीटों को मंजूरी देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार लगभग 415 करोड़ रुपये का अनुदान उपलब्ध करवाएगी। राकेश जम्वाल ने कहा कि यह प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे युवाओं को विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सर्जरी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग और कैंसर जैसी विशेषज्ञताओं में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाना समय की आवश्यकता है।



जम्वाल ने बताया कि आईजीएमसी शिमला को 91, हमीरपुर मेडिकल कॉलेज को 57, नेरचौक मंडी को 55, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा को 57, नाहन मेडिकल कॉलेज को 32 और चंबा मेडिकल कॉलेज को 28 पीजी सीटें स्वीकृत हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन सीटों से विशेषज्ञ चिकित्सक तैयार करने में मदद मिलेगी और मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाया जा सकेगा।

भाजपा विधायक ने प्रदेश सरकार से पीजी सीटों के सृजन से संबंधित औपचारिकताएं समयबद्ध तरीके से पूरी करने का आग्रह किया। उन्होंने क्रिटिकल केयर ब्लॉकों और जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं के निर्माण में तेजी लाने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त उन्होंने चंडीगढ़-बद्दी व भानुपल्ली-बिलासपुर रेल परियोजनाओं से जुड़े भूमि संबंधी मामलों तथा राज्य की वित्तीय हिस्सेदारी के लंबित विषयों का शीघ्र समाधान करने पर जोर दिया।

खलैहल पंचायत में खुले पशु औषधालय

भागमल ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार घाटी की ग्राम पंचायत खलैहल में पशु औषधालय खोलने की मांग जोर पकड़ने लगी है। पंचायत के मियोट, छोटी झरवाड़, खलैहल और बड़ी झरवाड़ गांवों में अधिकांश परिवार खेतीबाड़ी के साथ पशुपालन पर निर्भर हैं। ऐसे में पशुओं के बीमार होने पर लोगों को उपचार के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में इन गांवों के लोगों को अपने बीमार पशुओं को लेकर छह से नौ किलोमीटर दूर बरोट स्थित पशु औषधालय जाना पड़ता है। सर्दी और बरसात के मौसम में दुर्गम क्षेत्र के पशुपालकों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। इसलिए ग्रामीणों ने छोटी झरवाड़ में पशु औषधालय खोलने की मांग उठाई है। स्थानीय निवासी होशियार सिंह, जय सिंह, सीता देवी, उषा देवी, कांता, कौशल्या और रमेश चंद सहित अन्य लोगों ने इस समस्या के समाधान की मांग की है। पंचायत प्रधान सुभाष चंद ठाकुर और वार्ड सदस्यों ने विधायक पूरण चंद ठाकुर तथा पशुपालन विभाग से आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। विधायक पूरण चंद ठाकुर ने मांग को जायज बताते हुए कहा कि क्षेत्र में पशु औषधालय खोलने के लिए प्रयास किए जाएंगे, ताकि पशुपालकों को सुविधा मिल सके।

सांसद अनुराग शर्मा ने भगवान रघुनाथ के दरबार में नवाया शीश



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने शनिवार को प्रातः अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान ढालपुर मैदान में स्थित भगवान रघुनाथ के अस्थायी शिविर में शीश नवाया तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत उन्होंने बिजली महादेव के अस्थायी शिविर में भी शीश नवाया। इस अवसर पर उन्होंने देवभूमि कुल्लू की समृद्ध धार्मिक परंपराओं, विशिष्ट देव संस्कृति और सदियों पुरानी लोक आस्थाओं के प्रतीक अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की महत्ता को अनुभव किया।

उन्होंने कहा कि देवभूमि कुल्लू में आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव देश के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में विशिष्ट स्थान रखता है। यह उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता, पारंपरिक मान्यताओं और जनआस्था का जीवंत प्रतीक है। यहां भगवान रघुनाथ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों देवी-देवता अपने देवलुओं, कारदारों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ ढालपुर पहुंचते हैं।

शर्मा ने कहा कि कुल्लू दशहरा उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता भगवान रघुनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा और देवी-देवताओं के सामूहिक समागम की परंपरा है। कुल्लू दशहरा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, पर्यटन संवर्धन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि कुल्लू दशहरा आयोजन देवभूमि कुल्लू की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करता है।

कुल्लू दशहरा तीसरी सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी व हिमाचली गीतों ने बांधा समां

काका, ममता व सुनील के गीतों पर झूमे दर्शक

नीना गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की तीसरी सांस्कृतिक संध्या पंजाबी और हिमाचली गीतों के नाम रही। पंजाबी गायक काका, सारेगामा फेम ममता भारद्वाज, कुमार साहिल, अजय चौहान और सुनील राणा सहित अन्य कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और अजय चौहान के गीतों पर खुद भी थिरकते नजर आए।



पंजाबी गायक काका ने 'बस बिच बैठी खबी सीट ते', 'रफ्ता-रफ्ता वो मेरे' और 'भीगा-भीगा है समां' जैसे गीत सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। वहीं, कुमार साहिल ने 'तेरा लक न मरोड़ा का जावे' और 'दिल चोरी साडा हो गया' जैसे गीतों से माहौल संगीतमय बना दिया।

सारेगामा फेम ममता भारद्वाज ने 'बिल्लो रानी कहो तो अपनी जान दे दूं', 'दिल्ली वाला आगरा' और 'कजरा मोहब्बत वाला' जैसे गीतों से दर्शकों का मनोरंजन किया। उनकी प्रस्तुति के दौरान पंडाल तालियों से गूंज उठा।

सुनील राणा ने 'नाचे धूडुआ जट्टा वो', 'चली आये मेरे' और 'लाल चिड़िये हो लाल चिड़िये हो' जैसे गीतों से लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। इसके अलावा सिल्वर रूट बैंड ने 'तेरे नाम से जी लूं, तेरे नाम से मर जाऊं' और दीपक जंदेवा ने 'कला लाडी उझी री' गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर उत्सव समिति के उपाध्यक्ष एवं उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि विक्रमादित्य सिंह को कुल्लवी टोपी, मफलर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने तीसरी सांस्कृतिक संध्या को यादगार बना दिया।

पहाड़ी गीतों पर मंत्री विक्रमादित्य भी झूमे

हिमाचली गायक अजय चौहान ने 'झुमका झुमका तेरा कानों रा', 'ओ पाखली बेलुए' और 'शौरू पोलो आलो रे' जैसे लोकप्रिय पहाड़ी गीत प्रस्तुत किए। उनकी गायकी पर दर्शक खूब झूमे और मंत्री विक्रमादित्य सिंह भी थिरकते नजर आए।

पीएचसी फतेहपुर में 110 लोगों का जांचा स्वास्थ्य



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ बीएमओ बलद्वाड़ा डॉ. अनिल कुमार ने किया। शिविर में फतेहपुर, पोंटा और हरी बैहना पंचायतों के 110 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। पीएचसी प्रभारी डॉ. गीतांजलि और डॉ. विपुल ने बताया कि शिविर में टीबी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह तथा स्तन एवं मुख कैंसर की जांच की गई। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की भी जांच हुई। साथ ही लोगों को एचपीवी के प्रति जागरूक किया गया। बीएमओ डॉ. अनिल कुमार ने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेवानिवृत्त जवानों की समस्याओं पर मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की द्वितीय वाहिनी के बवेली परिसर में शनिवार को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता कमांडेंट सौरभ दुबे ने की। बैठक में आईटीबीपी, सीआरपीएफ, बीएसएफ और एसएसबी के सैकड़ों सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं जवानों ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अपनी समस्याओं और मांगों को उठाया तथा उनके समाधान पर चर्चा की। कुछ समस्याओं के निवारण के उपायों पर विचार किया गया, जबकि अन्य मांगों को उच्च अधिकारियों और सरकार के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया। बैठक का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास करना रहा।

खूबसूरत अंदाज में रेचल स्टलमैन

सेंट लुइस की पूर्व टेनिस खिलाड़ी रेचल स्टलमैन को उनके खेल से ज्यादा उनकी खूबसूरती को लेकर जाना जाता है। उन्होंने कई सालों तक टेनिस खेला है। वह दिखने में काफी खूबसूरत और हॉट हैं। इंस्टाग्राम पर फैंस उनकी अदाओं के दीवानें हैं। इंस्टा पर रेचल के करीब 3 लाख से भी अधिक फॉलोवर्स हैं।



तिलक-नीतीश ने भारत को दूसरे टी-20 मैच में दिलाई रोमांचक जीत

जबरदस्त मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी, क्राइस्टचर्च

भारत ने दूसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

भारत की जीत के हीरो तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी रहे। क्राइस्टचर्च में 181 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारतीय टीम 14.5 ओवर में 112 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से तिलक और नीतीश रेड्डी ने सातवें विकेट की साझेदारी में 30 बॉल पर 69 रन जोड़कर टीम को जीत दिला दी। भारत के लिए तिलक वर्मा ने 26 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश रेड्डी 13 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। नमन धीर 31 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 27, संजू सैमसन ने 14, अक्षर पटेल ने 11, श्रेयस अय्यर ने 7 और वैभव सूर्यवंशी ने 4 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर को चार विकेट मिले, जबकि जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट लिया। भारत को आखिरी ओवर में जीत के लिए 11 रन चाहिए। जैकब डफी के 20वें ओवर में तिलक वर्मा ने चौका लगाया और 25 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। आखिरी ओवर की पांचवीं बॉल पर नीतीश कुमार रेड्डी ने 2 रन लेकर भारत को जीत दिलाई।



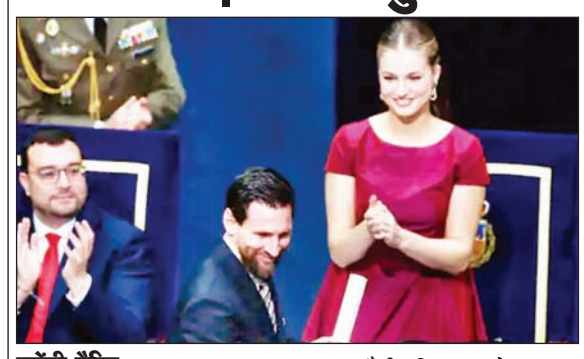
तिलक वर्मा ने 26 गेंदों पर खेली नाबाद 51 रन की पारी

नीतीश रेड्डी 13 गेंदों पर 26 रन बनाकर नाबाद लौटे

इंडिया 300 टी-20 मैच खेलने वाली दूसरी टीम

भारतीय टीम अपना 300वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने उतरी, वैसे ही इस मुकाम तक पहुंचने वाली दुनिया की महज दूसरी टीम है। इस लिस्ट में भारत से आगे अब सिर्फ पाकिस्तान है, जिन्होंने 304 मैच खेले हैं। वहीं, न्यूजीलैंड अपना 269वां टी-20 मैच खेलने मैदान पर उतरी है और वह इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज 260 टी-20 मुकाबलों के साथ चौथे नंबर पर काबिज है।

लियोनेल मेसी को स्पेन का सबसे बड़ा खेल पुरस्कार



एजेंसी, मैड्रिड

दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को स्पेन का सबसे प्रतिष्ठित खेल सम्मान प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस अवॉर्ड दिया गया। मेसी को स्पेन की राजकुमारी लियोनोर ने यह अवॉर्ड दिया। लियोनोर स्पेन के सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं और उन्हीं के नाम पर ये पुरस्कार दिए जाते हैं। अर्जेंटीना के 39 साल के फॉरवर्ड को जून में इस पुरस्कार का विजेता चुना गया था। जूरी ने उन्हें शानदार करियर और वंचित बच्चों के स्वास्थ्य-शिक्षा में मदद के लिए दिया गया। ब्रिटिश लेखक जूलियन बार्न्स, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच और पंक स्टार पैटी स्मिथ समेत अन्य विजेताओं को भी पुरस्कार मिला। दर्जनों प्रशंसक अर्जेंटीना की फुटबॉल जर्सी पहनकर समारोह में पहुंचे। मेसी के आने पर उन्होंने उनका नाम लेकर नारे लगाए। समारोह में बैगपाइप और ड्रम बजाए गए। मेसी को पुरस्कार के साथ पार्चमेंट पर लिखा औपचारिक प्रमाणपत्र दिया गया। लियोनोर ने उनके अनूठे करियर की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मेसी ने खेल को समझकर और एक सेकंड के छोटे हिस्से में सबसे असरदार विकल्प चुनकर असाधारण को सामान्य बना दिया। उन्होंने अपने अहंकार से ऊपर टीम भावना को रखा।'

स्पेन की राजकुमारी लियोनोर ने दिया अवॉर्ड

स्पोर्ट्स विंडो

भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट से दी करारी शिकस्त

एजेंसी, वडोदरा। भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को पहले वनडे में 9 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 197 रन बनाए। जवाब में भारत ने 27.1 ओवर में एक विकेट खोकर 200 रन बना लिए। भारत ने 137 गेंद रहते टारगेट हासिल कर लिया। वडोदरा में शुक्रवार को प्रतिका रावल ने नाबाद 100 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 33 गेंदों पर नाबाद 64 रन की पारी खेली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 70 गेंदों पर 106 रन जोड़े। मंधाना ने मैच के बाद कहा, ''गेंदबाजों ने अलग अलग मैदानों में खुद को अच्छी तरह ढाला। श्री चरणी ने बेहतरीन गेंदबाजी की। क्रांति ने भी प्रभावित किया। क्षेत्ररक्षण में हालांकि हमने कुछ कैच छोड़े।' उन्होंने कहा, ''हालांकि बल्लेबाजी में प्रतिका और शेफाली ने बेहतरीन लय दिखाई। हम काफी समय बाद 50 ओवर का क्रिकेट खेल रहे हैं। पिछले सात महीनों में हमने टी20 क्रिकेट ही खेला है। खिलाड़ियों के साथ संवाद जरूरी होता है। 'प्लेयर ऑफ द मैच' बनी प्रतिका ने 96 गेंद की नाबाद पारी के दौरान 15 चौके लगाए।'

वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर किरोन पोलार्ड बने मुंबई इंडियंस के हेड कोच

एजेंसी, मुंबई। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर किरोन पोलार्ड आईपीएल-2027 के लिए मुंबई इंडियंस के हेड कोच बनाए गए हैं।



फ्रेंचाइजी ने 24 अक्तूबर को इसकी घोषणा की। 39 साल के पोलार्ड पिछले 16 साल से मुंबई की टीम से जुड़े हुए हैं। वे 2009-2010 में टीम से जुड़े थे और 2022 तक सिर्फ मुंबई इंडियंस के लिए खेलते रहे। उन्होंने टीम की ओर से 5 आईपीएल टाइटल जीते हैं। पोलार्ड श्रीलंका के महेला जयवर्धने की जगह लेंगे। महेला जयवर्धने ने 17 अक्टूबर को हेड कोच का पद छोड़ दिया था। मुंबई इंडियंस ने कहा कि पोलार्ड की नियुक्ति टीम की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए है। वे टीम के बैटिंग कोच भी रह चुके हैं। पोलार्ड ने 2022 में अपना आखिरी आईपीएल मैच खेला था। उन्होंने मुंबई के लिए 189 आइपीएल मैचों में पोलार्ड ने 3,412 रन बनाए। पोलार्ड का स्ट्राइक रेट 147.32 और औसत 28.67 रहा। उन्होंने 16 अर्धशतक लगाए। पोलार्ड ने 69 विकेट भी लिए।

सिलिकॉन वैली ओपनः अनाहत सिंह को सेमीफाइनल में मिली पराजय

एजेंसी, सिलिकॉन वैली। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह का सिलिकॉन वैली ओपन में सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त सिवासंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी सिवासंगरी के खिलाफ अनाहत ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 11-5 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी ने वापसी की और अगले तीनों गेम 11-6, 11-4 और 11-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। 37 मिनट तक चले इस मुकाबले में अनाहत को हार का सामना करना पड़ा। सिवासंगरी के खिलाफ पीएसए टूर में अनाहत की यह तीसरी हार है, जबकि दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक खेले गए मुकाबलों में यह उनकी चौथी हार है। हाल ही में 2026 एशियाई खेलों के महिला एकल फाइनल में भी अनाहत को सिवासंगरी के हाथों हार मिली थी, जिसके कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। इससे पहले, विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज अनाहत ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ बार की विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र की नूर अल शेरबिनी को सीधे गेमों में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

एएफसी चैलेंज लीग से एफसी गोवा बाहर, कादसिया एससी ने हराया

एजेंसी, हवाली। भारतीय फुटबॉल क्लब एफसी गोवा का एएफसी चैलेंज लीग 2026-27 में सफर समाप्त हो गया है। शुक्रवार को खेले गए ग्रुप सी के अपने तीसरे और अंतिम मुकाबले में एफसी गोवा को मेजबान कुवैत के कादसिया एससी के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय सुपर लीग की टीम ग्रुप में तीसरे स्थान पर रही और प्रतियोगिता से बाहर हो गई। मोहम्मद अल हमद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कादसिया ने 10वें मिनट में हमजा खब्बा के गोल से बढ़त बना ली। राशेद अल दोसारी के क्रॉस पर खब्बा ने डाइव लगाते हुए हेडर से गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचा दिया। एफसी गोवा ने बराबरी के लिए प्रयास किए। मालसावमसांगा केसी ने बॉक्स के बाईं ओर से शॉट लगाया, लेकिन गेंद क्रॉसबार के ऊपर चली गई। इसके बाद 16वें मिनट में खब्बा के पास कादसिया की बढ़त दोगुनी करने का मौका था, लेकिन उनका हेडर गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया। गोवा ने 21वें मिनट में मुकाबले में वापसी की। कॉर्नर पर एलेक्स जालाया के हेडर के बाद गेंद चिक्की के पास पहुंची, जिन्होंने नजदीक से हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। बराबरी के बाद दोनों टीमों ने बढ़त बनाने की कोशिश की।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया, ट्राई सीरीज जीती

एजेंसी, दुबई

अफगानिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर खिताब जीत लिया। शुक्रवार को शारजाह में खेले गए मुकाबले में जिम्बाब्वे की टीम 43.3 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 34.3 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इब्राहिम जादरान ने 96 गेंदों पर नाबाद 70 रन बनाए। उन्होंने कप्तान रहमत शाह के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। हशमतुल्लाह शाहिदी ने 35वें ओवर में चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

राशिद खान ने 41 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके साथ ही वे वनडे क्रिकेट में लगातार 6 पारियों में कम से कम 3 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन गए। फजलहक फारूकी, मोहम्मद नबी और बिलाल समी ने भी 2-2 विकेट लिए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई को 1 विकेट मिला। अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने शुरुआती 6 विकेट निकालकर जिम्बाब्वे को दबाव में ला दिया था। जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए। उनकी पारी में 3 छक्के और 3 चौके शामिल थे। रजा वनडे टूर्नामेंट के फाइनल में 40 साल या उससे अधिक उम्र में फिफ्टी लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। रजा जब क्रीज पर उतरे, तब जिम्बाब्वे ने शुरुआती 3 विकेट जल्दी गंवा दिए थे।



राशिद ने लगातार छठे मैच में 3+ विकेट लिए

अमन और अंतिम वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप से हटे

एजेंसी, नई दिल्ली। एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अमन सहरावत और सिल्वर मेडलिस्ट अंतिम पंघाल ने वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप से हटने का फैसला किया है। शनिवार से कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में शुरू हो रही चैंपियनशिप में अब एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट सुजीत कलकल भारतीय दल की अगुवाई करेंगे। सुजीत पुरुषों के 6केजी फ्रीस्टाइल वर्ग में उतरेंगे। अंतिम की जगह 53 किग्रा महिला वर्ग में निशू और अमन की जगह 57केजी पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में राहुल भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले पहलवानों और पहले हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ट्रायल के विजेताओं के बीच अंतिम ट्रायल कराने का फैसला किया था। हालांकि, अमन और अंतिम ने ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया।

इंडिया-ए पहली पारी में 113 रन पर ढेर

राहुल-सुदर्शन खाता नहीं खोल सके, साइमन कीन ने 5 विकेट लिए

एजेंसी, लिंकन

इंडिया-ए की टीम लिंकन में चल रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट की पहली पारी में 113 रन पर सिमट गई। शनिवार को न्यूजीलैंड-ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारत के 5 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। इनमें केएल राहुल, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप और मुकेश चौधरी के नाम शामिल हैं। पहले दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने 3 विकेट पर 135 रन बना लिए हैं।

इंडिया-ए की शुरुआत खराब रही। यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे केएल राहुल 8 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद जायसवाल और देवदत्त पडिक्कल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच 30 रन की साझेदारी हुई। जायसवाल 17 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए साई सुदर्शन भी खाता नहीं खोल सके। साइमन कीन ने उन्हें बोल्ड किया। कप्तान ध्रुव जुरेल भी 1 रन बनाकर कीन का शिकार बने। लगातार विकेट गिरने के बीच यश राठौड़ ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 छक्के और 3 चौके लगाए। दूसरे छोर से उन्हें ज्यादा साथ नहीं मिला।



आकिब नबी ने दो गेंदों पर दो विकेट लिए

न्यूजीलैंड-ए के कप्तान राइस मारियू ने पहली पारी में 137 गेंदों पर 76 रन बनाए। उन्होंने 12 चौके लगाए। मुकेश चौधरी ने उन्हें आउट किया। कर्टिस हेफी 108 गेंदों पर 37 रन बनाकर नाबाद हैं। आकिब नबी ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड-ए को झटके दिए।

दिवाली के बाद हो महारैली, दिल्ली के व्यापारियों ने कांग्रेस नेतृत्व से की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

त्योहारी सीजन में दिल्ली के व्यापारियों ने एक नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित विपक्षी गठबंधन की महारैली की तारीख बदलने की मांग की है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर महारैली को दिवाली और भाई दूज के बाद यानी 10 नवंबर के बाद आयोजित करने का आग्रह किया है। व्यापारियों का कहना है कि रैली के कारण यातायात बाधित होने और सुरक्षा व्यवस्था के तहत रास्तों पर पाबंदियां लगने से दिल्ली के प्रमुख बाजारों में कारोबार प्रभावित हो सकता है।

◆ चांदनी चौक से सदर बाजार तक कारोबार प्रभावित होने का अंदेशा

सीटीआई ने करीब 10 हजार करोड़ रुपये के कारोबार पर असर पड़ने की आशंका जताई है। व्यापारी संगठन के अनुसार, रामलीला मैदान के आसपास पांच किलोमीटर के दायरे में स्थित चांदनी चौक, सदर बाजार, खारी बावली, चावड़ी बाजार और भागीरथ पैलेस समेत लगभग 20 प्रमुख थोक एवं खुदरा बाजार प्रभावित हो सकते हैं।

कारोबार बचाने की अपील

प्रस्तावित महारैली मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) और चुनावी अनियमितताओं के विरोध में आयोजित की जानी है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी उठाई जाएगी। व्यापारियों ने स्पष्ट किया है कि वे लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन के विरोधी नहीं हैं, लेकिन त्योहारों के दौरान बाजारों में कारोबार का विशेष महत्व होता है। इस समय छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और अन्य व्यापारियों की आय काफी हद तक खरीदारी पर निर्भर रहती है।



कोटक महिंद्रा बैंक की कमाई में 26 फीसदी उछाल

एजेंसी, नई दिल्ली। कोटक महिंद्रा बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने समेकित शुद्ध लाभ में 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 की अवधि में बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर 5,645 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 4,468 करोड़ रुपये था। जून 2026 में समाप्त पहली तिमाही में बैंक ने 5,480 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। दूसरी तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय 29,426.88 करोड़ रुपये रही। हालांकि, इस दौरान बैंक के शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में गिरावट दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में यह 4.31 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.54 प्रतिशत और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4.53 प्रतिशत था। बैंक के अनुसार, विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंकिंग जमा (एफसीएनआर-बी) के कारण नकदी की अधिकता से शुद्ध ब्याज मार्जिन प्रभावित हुआ। वहीं, बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला। सितंबर तिमाही में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात 1.04 प्रतिशत और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएनपीए) अनुपात 0.24 प्रतिशत रहा।

एक करोड़ आवेदन पाने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बना जियो प्लेटफॉर्म्स

एजेंसी, मुंबई

जियो प्लेटफॉर्म्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ने निवेशकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा करते हुए तीन दिनों में सात बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं। इस आईपीओ को कुल 22.19 गुना अभिदान मिला। निवेशकों ने 19.75 करोड़ उपलब्ध शेयरों के मुकाबले लगभग 438 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां लगाईं।

संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में सबसे अधिक मांग देखने को मिली, जहां क्यूआईबी खंड 70.55 गुना अभिदान के साथ भर गया। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में यह आंकड़ा 14 गुना, जबकि खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 2.72 गुना रहा। करीब 30,213 करोड़ रुपये के इस निर्गम में 27 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं।

बनाए सात बड़े रिकॉर्ड

इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मेटा और गूगल की ओर से कोई शेयर बिक्री प्रस्ताव शामिल नहीं है। कंपनी के आईपीओ को एक करोड़ से अधिक आवेदन मिले, जिसे लेख में वैश्विक स्तर पर पहली उपलब्धि बताया गया है। सार्वजनिक अभिदान के दौरान निवेशकों ने लगभग 4.9 लाख करोड़ रुपये की बोलियां लगाईं, जबकि एंकर निवेशकों की मांग सहित कुल मांग 7.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। आईपीओ पहले दिन 100 मिनट से भी कम समय में पूरी तरह अभिदान प्राप्त करने वाले बड़े निर्गमों में शामिल रहा। भारी मांग को देखते हुए बोली लगाने का समय सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक रखा गया। शेयर का ऊपरी मूल्य बैंड 1,119 रुपये निर्धारित किया गया है।

केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में 1 से 3 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ते (डीए) में होने वाली आगामी बढ़ोतरी का इंतजार है। फिलहाल कर्मचारियों को 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है। इसमें एक, दो या तीन प्रतिशत की वृद्धि होने पर उनके मासिक वेतन में इजाफा होगा। उदाहरण के तौर पर, 18,000 रुपये मूल वेतन वाले लेवल-1 के कर्मचारी को एक प्रतिशत डीए बढ़ने पर हर महीने 180 रुपये, दो प्रतिशत बढ़ने पर 360 रुपये और तीन प्रतिशत बढ़ने पर 540 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। हालांकि, बढ़ोतरी की दर को लेकर सरकार की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। महंगाई भत्ते में संभावित संशोधन एक जुलाई 2026 से प्रभावी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसा होने पर पात्र कर्मचारियों को जुलाई से अक्टूबर तक चार महीनों का बकाया एरियर मिल सकता है। कुछ अनुमानों के अनुसार, संशोधित भुगतान नवंबर के अंत तक किया जा सकता है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की लागत के असर से राहत देने के लिए दिया जाता है। केंद्र सरकार आम तौर पर साल में दो बार, जनवरी और जुलाई से प्रभावी होने वाले डीए में संशोधन करती है।



◆ सरकार की आधिकारिक घोषणा बाकी

पहल लावारिस वित्तीय संपत्तियां मालिकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया तेज होगी

वित्तीय स्थिरता मजबूत करने पर सीतारमण का जोर

एजेंसी, मुंबई

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की 30वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वैश्विक अस्थिरता के मौजूदा दौर में देश की आर्थिक एवं वित्तीय तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही वित्तीय प्रणाली को मजबूत बनाए रखने, साइबर सुरक्षा, नियामकीय सुधार, डिजिटल आधुनिकीकरण और निवेश को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, परिषद ने घरेलू और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से पैदा होने वाले संभावित जोखिमों का आकलन करते हुए उनसे निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।



साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी

बैठक में वित्तीय क्षेत्र की साइबर सुरक्षा क्षमता और महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा की गई। परिषद ने वित्तीय क्षेत्र की साइबर सुरक्षा रणनीति पर भी विचार किया। यह रणनीति अंतर-मंत्रालयी समूह ने आर्थिक कार्य विभाग, वित्तीय सेवा विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के समन्वय से तैयार की है। वित्तीय नियामकों और साइबर सुरक्षा एजेंसियों के बीच सहयोग बढ़ाने तथा सुरक्षा प्रणालियों को अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

डिजिटल वित्तीय नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

बैठक में वित्तीय क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने और नियामकीय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर भी विचार किया गया। परिषद ने वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) के क्षेत्र में नए प्रयोगों को प्रोत्साहित करने तथा वित्तीय और अन्य वास्तविक परिसंपत्तियों के टोकनाइजेशन की संभावनाओं का पता लगाने पर चर्चा की। इसके साथ ही वित्तीय स्थिरता के लिए संभावित जोखिमों को समय रहते पहचानने और उन्हें कम करने के उपायों पर जोर दिया गया। परिषद ने कहा कि वित्तीय प्रणाली की मजबूती बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ विभिन्न नियामक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।